शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 354 | गुवाहाटी | रविवार, 23 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

अश्लील फोटो वायरल पत्रकार समेत तीन गिरफ्तार पेज 3
घाटे और एनपीए के लिए मशहूर बैंकों की चर्चा अब रिकॉर्ड मुनाफे के लिए... पेज 4
उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया लेबर-20 सम्मेलन का उद्घाटन पेज 5
भाजपा ने फूंका चुनावी बिगुल, प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को दिए टिप्स पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
कल का कार्य आज ही कर लें।
- आचार्य चाणक्य

सीमा विवाद : असम-मेघालय की बैठक में विवादित क्षेत्रों पर चर्चा

अगले माह संघर्ष वाले इलाके का होगा संयुक्त दौरा

गुवाहाटी। असम के सीमा सुरक्षा एवं विकास मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि हमने आज तीन विवादित क्षेत्रों पर चर्चा की। हमने सुना कि मेघालय सरकार का क्या कहना है। दोनों पक्षों के मंत्री, विधायक और शीर्ष अधिकारी बैठक में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों, विशेष रूप से जिला आयुक्तों को जमीनी हकीकत की पुष्टि करने और अगली बैठक में अपनी अपडेटेड रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, जो 25 अगस्त के लिए निर्धारित की गई है। बोरा ने कहा कि 26 अगस्त को समितियां संयुक्त निरीक्षण के लिए पश्चिम डिमोरिया (असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में) का दौरा करेंगी। मेघालय के उप मुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसोंग ने कहा कि संयुक्त निरीक्षण के बाद समाधान के लिए चरणबद्ध तरीके से और क्षेत्रों पर काम किया जाएगा। मेघालय, असम से अलग होकर 1972 में अलग राज्य बना था, उसके बाद से दोनों पड़ोसी राज्य सीमा विवाद में उलझे हुए हैं। इसमें असम पुनर्गठन अधिनियम 1971 को चुनौती दी थी, जिसके कारण 884.9 किलोमीटर लंबी सीमा पर 12 क्षेत्रों में विवाद पैदा हो गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मई 2021 में पदभार संभालने पर घोषणा की थी कि उनकी प्राथमिकता पड़ोसी राज्यों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों को हल करना है। इसके बाद, चरणबद्ध तरीके से मुद्दों को हल करने के लिए क्षेत्रीय समितियों का गठन -शेष पृष्ठ दो पर

सीईओ के घर छापेमारी, 2.31 करोड़ रुपए नकद और सोना बरामद

धुबड़ी। मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार निरोधक और निगरानी शाखा ने पुलिस के साथ मिलकर बंगाईगांव में धुबड़ी जिला परिषद के सीईओ विश्वजीत गोस्वामी के आवास पर छापेमारी की। लगभग 12 घंटे तक चले ऑपरेशन में 2.31 करोड़ रुपए की नकदी और बहुमूल्य सोने के आभूषण बरामद की खबर है। इसके अलावा भी कई दस्तावेज जब्त किए हैं। पैसों की गिनती के लिए मशीन मंगवानी पड़ी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसके लिए टीम को बधाई दी है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर छापा मारने वाली टीम ने संग्राम निलॉय नामक अपार्टमेंट में छापेमारी की। बताया जा रहा है कि यह मकान विश्वजीत गोस्वामी की पत्नी लिलीदेवी गोस्वामी का है। इसके अलावा, जांच से पता चला कि विश्वजीत गोस्वामी के पास 11 अलग-अलग स्थानों पर जमीन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में जो हुआ वह दुखद, पूर्वोत्तर को बनाया जा रहा है निशाना : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मणिपुर में दो कुकी महिलाओं को नग्न घुमाने की घटना की निंदा की, जिसका वीडियो हाल ही में वायरल हुआ था। हम सबको इसका दुख है। कुछ आरोप गिरफ्तार भी हुए हैं। सरकार आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की कोशिश करेगी। लेकिन कांग्रेस को अपने गिरेबां में भी झांककर देखना चाहिए। कांग्रेस तब जागती है जब किसी भाजपा शासित राज्यों में इस तरह की घटना घटती है। मणिपुर को लेकर भी वही हो रहा है। कांग्रेस शासित राज्य में खुद वहां के मंत्री ने राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

मंदिरों का एकत्रीकरण राष्ट्र को बनाएगा समृद्ध : भागवत

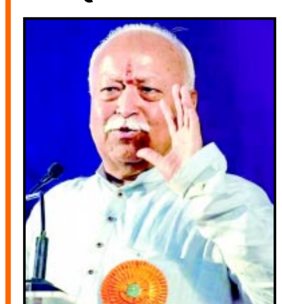

वाराणसी (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दुनियाभर के मंदिर प्रमुखों के तीन दिवसीय महासम्मेलन- इंटरनेशनल टेंपल्स कन्वेंशन एंड एक्सपो का शनिवार को उद्घाटन किया। महासम्मेलन में जुटे देश-विदेश के मंदिर प्रमुखों और अन्य प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि मंदिर हमारी सनातनी परंपरा का अभिन्न अंग हैं। पूरे समाज को एक लक्ष्य लेकर चलाने के लिए मठ-मंदिर चाहिए। मंदिर हमारी प्रगति का सामाजिक उपकरण है। मंदिर में आराधना के समय आराध्य का पूर्ण स्वरूप होना चाहिए। मंदिर में शिक्षा मिले, संस्कार मिले, सेवा भाव हो और सबको प्रेरणा मिले। समाज की चिंता करने वाला मंदिर होना -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सांभर में निकला सांप खाते-खाते बीमार पड़े लोग, मचा बवाल

हैदराबाद। हैदराबाद में इलेक्ट्रानिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड यानी ईसीआईएल की कैंटीन में बड़ी लापरवाही का एक मामला सामने आया है। इस नामी कंपनी की कैंटीन में परोसे गए सांभर में सांप निकलने की जानकारी मिली है। हालांकि तब तक कंपनी के कई कर्मचारी सांभर खा चुके थे। इस सांभर को खाने से कुछ कर्मचारियों की तबीयत खराब हो गई है, जिन्हें ईसीआईएल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सांभर में सांप निकलने के फोटो भी सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक पहले भी खाने में कीड़े, सिगरेट और बीड़ी मिलने की शिकायत कर्मचारी -शेष पृष्ठ दो पर

मालदा : चोरी के शक में दो महिला को निर्वस्त्र कर पीटा, पांच गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हावड़ा के बाद अब मालदा जिले में भी मणिपुर की तरह महिलाओं से बर्बरता की घटना सामने आई है। आरोप है कि मालदा के बामनगोला थाना क्षेत्र के पकुआहाट इलाके में चोरी के आरोप में दो आदिवासी महिलाओं को स्थानीय लोगों ने निर्वस्त्र करके जूतों व लात-घूसों से बेरहमी से पिटाई की। घटना का वीडियो वायरल हुआ है। यह घटना 19 जुलाई की बताई जा रही है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दो महिलाओं को कुछ महिलाएं जमकर पीट रही हैं। हालांकि, पुलिस को इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस का कहना है कि वायरल -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिसकर्मियों ने बदमाशों से लूटे 3.60 लाख रुपए

गाजियाबाद। बदमाशों से जनता की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी पुलिस को सौंपी गई है, लेकिन यूपी पुलिस अपनी जिम्मेदारी निभाते-निभाते बदमाशों से 2 कदम आगे निकल रही है। बदमाश जनता से लूटकर ला रहे हैं तो पुलिस बदमाशों को लूट रही है। दरअसल, गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाने में तैनात सिपाही इंद्रजीत और मुख्य आरक्षी (एचसीपी) धीरज चतुर्वेदी ने दो चोरों से 3.60 लाख रुपए लूट लिए। आपको बता दें -शेष पृष्ठ दो पर

धमकी के मद्देनजर मिजोरम से मैतेई नागरिकों को एयरलिफ्ट करेगी मणिपुर सरकार

एजल (हि.स.)। मणिपुर में हालिया वीडियो घटना के बाद पीस एकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन (पीएएमआरए या पामरा) ने मैतेई नागरिकों को मिजोरम छोड़ने की धमकी दी है। इसे देखते हुए मणिपुर सरकार ने एजल में रहने वाले मैतेई नागरिकों को पड़ोसी राज्य असम के सिलचर और इंफाल में हवाई मार्ग से ले जाने का फैसला किया है। एजल में रहने वाले एक मैतेई छात्र नेता ने बताया कि मणिपुर में बढ़ते तनाव के बीच दो नग्न महिलाओं की वीडियो वायरल होने के बाद मिजोरम के पामरा संगठन ने सुरक्षा कारणों से मैतेई लोगों को राज्य छोड़ने के लिए संक्षिप्त रूप से एक धमकी जारी की है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए मणिपुर सरकार ने आज मैतेई लोगों को हवाई मार्ग से निकालने का फैसला किया है, लेकिन ऐसा कब होगा इसकी पुष्टि होना अभी बाकी है। छात्र नेता ने कहा कि हालांकि, धमकी जारी होने के बाद मिजोरम पुलिस ने राज्य के एजल शहर में मैतेई नागरिकों -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : कल गांधी प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन करेगा विपक्ष

नई दिल्ली। मणिपुर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने दोनों सदनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से सोमवार को संसद परिसर में महात्मा गांधी प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेंगे। सूत्रों ने कहा कि विभिन्न विपक्षी दलों के नेता राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में मुलाकात करेंगे और संसद में अपनी आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। सोमवार को सुबह 10 बजे बैठक के बाद नेता सदन शुरू होने से पहले गांधी प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन करेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में सड़क हादसा 17 की मौत, 35 घायल

ढाका। बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में शनिवार को एक बस के सड़क से फिसलकर तालाब में गिर जाने से कम से कम 17 यात्रियों की मौत हो गयी तथा एक दर्जन से अधिक अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा झालाकाठी जिले में तब हुआ जब बस 60 यात्रियों को लेकर भंडारिया उप जिले से दक्षिण-पश्चिमी संभाग के मुख्यालय बारिसाल जा रही थी। उसने बताया कि चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया जिसके बाद बस फिलकर तालाबा में गिर गयी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अब हिंदी के साथ दूसरी भाषाओं में भी पढ़ेंगे सीबीएसई स्कूल के छात्र

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपने स्कूलों में वैकल्पिक माध्यम के तौर पर भारतीय भाषाओं का इस्तेमाल करने पर विचार करने को कहा। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीआरटी) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के उपाय किए गए हैं, जिसके बाद सीबीएसई ने अपने स्कूलों को उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने और उसे बहुभाषी शिक्षा के लिए उपयुक्त बनाने के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करने को कहा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई के इस कदम की सराहना करते हुए बधाई दी है। सीबीएसई के निदेशक डॉ. जोसफ इमानुवल की ओर से जारी सर्कुलर में सीबीएसई की ओर से बहुभाषा को शिक्षा माध्यम बनाने में आने वाली चुनौतियों और उनके निदान के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी जिक्र किया गया है। सर्कुलर में कहा गया है कि बहुभाषावाद को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन इनसे पार पाया जा सकता है। उपरोक्त चुनौतियों को देखते हुए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने कई उपाय किए हैं। इसमें सबसे प्रमुख बाधा संबंधित भाषा में शिक्षकों की उपलब्धता, बहुभाषिक पाठ्यपुस्तकें, समय सीमा आदि का जिक्र किया गया है। सर्कुलर में सीबीएसई ने बताया है कि इन चुनौतियों को कम करने के लिए शिक्षा मंत्रालय की ओर से एनसीईआरटी में दर्ज 22 भाषाओं के माध्यम से नई पाठ्य पुस्तकें तैयार करने के निर्देश दे दिया गया है। यह काम प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को अनुसूची में दर्ज सभी 22 भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जा जा सकें। सर्कुलर में कहा गया है कि भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा को जमीनी स्तर पर साकार करना उठाए गए प्रमुख कदमों में से एक है। सीबीएसई की ओर से जारी इस सर्कुलर की केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सराहना की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अपने सभी विद्यालयों में बालवाटिका से कक्षा 12वीं तक भारतीय भाषाओं में शिक्षा का विकल्प उपलब्ध कराने के लिए सीबीएसई को बधाई देता हूं।

बाढ़ के बाद जागरुकता फैलाने में जुटा गहपुर का मलेरिया विभाग

बिश्वनाथ (हिंस)। बाढ़ के बाद राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जापानी इंसेफेलाइटिस और मलेरिया की बीमारियां बढ़ती नजर आ रही हैं। इस कड़ी में बिश्वनाथ जिलांतर्गत गहपुर के विभिन्न इलाके बाढ़ के चलते जलमग्न हुए थे। बाढ़ का पानी उतरने के बाद जलजनित बीमारियों से निपटने के लिए गहपुर के मलेरिया विभाग लोगों के बीच जागरुकता फैलाने में जुट गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस, मलेरिया या ऐसी विभिन्न बीमारियों पर समय रहते रोक लगाई जा सके इसके लिए मलेरिया विभाग ने लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। आज से मलेरिया विभाग ने गहपुर के विभिन्न हिस्सों में धुआं छोड़ने की व्यवस्था की है।

बांग्लादेश में हिंदू मंदिर में की गई तोड़फोड़, आरोपी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के ब्राह्मणबरिया जिले में एक 36 वर्षीय व्यक्ति ने एक हिंदू मंदिर में एक देवता की मूर्ति को तोड़ दिया। यह घटना गुरुवार रात को हुई, जिससे स्थानीय हिंदू समुदाय में हंगामा मच गया। घटना नियामतपुर गांव स्थित नियामत पुर दुर्गा मंदिर की है। आरोपी की पहचान खलील मिया के रूप में हुई है। जैसे ही बर्बरता की खबर फैली, स्थानीय लोगों ने तुरंत मामले को अपने हाथों में ले लिया और आरोपियों का पीछा करने और पकड़ने में पुलिस की सहायता की। ब्राह्मणबरिया के पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद शखावत हुसैन ने खलील मिया की गिरफ्तारी की पुष्टि की, लेकिन कहा कि उनके कृत्य के पीछे का मकसद अज्ञात है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि उसने ऐसा निंदनीय कृत्य क्यों किया। नियामतपुर सार्वजनिन दुर्गा मंदिर के अध्यक्ष जगदीश दास के अनुसार, तोड़फोड़ की अचानक कार्रवाई से स्थानीय हिंदू समुदाय के सदस्यों में गुस्सा और असंतोष फैल गया। जांच से पता चला है कि खलील मिया नियामतपुर गांव में अपनी बहन के घर मिलने आया था जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। कुछ स्थानीय निवासियों के साथ झगड़ा स्पष्ट रूप से बढ़ गया, जिसके कारण उसने न केवल एक, बल्कि दुर्गा मंदिर के भीतर पांच से छह मूर्तियों को तोड़ दिया। जगदीश दास ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और त्वरित सुनवाई अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया है। अधिकारियों ने गहन जांच का आश्वासन दिया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रंगापाड़ा में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा थाना क्षेत्र आमलोगा 3 नंबर गांव में आज एक महिला का शव बरामद किया गया। जिले पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार आमलोगा 3 नंबर गांव की 55 वर्षीय शांतिना लोगुन नामक महिला का शव बरामद किये जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी। घटना संबंध में मृत महिला के बड़े पुत्र पीयूष लोगुन ने बताया कि शुक्रवार को दिन के समय मां घर नजदीक चाचा के घर गई थी। रात को लगभग 9 बजे के आसपास वह लौटी थी। इसी दौरान संभवत: किसी ने हत्या कर दिया होगा। पीयूष ने बताया कि गांव में मेरे परिवार के साथ किसी की कोई दुश्मनी नहीं है। ऐसे में मेरी की हत्या क्यों कि गई यह रहस्य का विषय है।

नेवार्क हाउसिंग अथॉरिटी का भीषण विस्फोट, 600 फीट दूर तक उड़ा मलबा

न्यू जर्सी। न्यू जर्सी के नेवार्क में नेवार्क हाउसिंग अथॉरिटी की संपत्ति में एक भीषण विस्फोट हुआ, जिससे एक विनाशकारी इमारत ढह गई जिससे आसपास के क्षेत्र में सदमे की लहर दौड़ गई। शुक्रवार शाम 6 बजे के बाद निवासियों ने अपनी आंखों के सामने होने वाले विनाश को देखा। प्रत्यक्षदर्शियों ने उस भयावह दृश्य का वर्णन किया जब इमारत में विस्फोट हुआ और मलबा 600 फीट दूर तक उड़ गया। विस्फोट की तीव्रता से निवासियों के पैरों तले जमीन खिसक गई, दरवाजे टूट गए और दीवारें मात्र टुकड़ों में तब्दील हो गईं। टक्कर इतनी तीव्र थी कि शीशे और खिड़कियां उड़ गईं, जिससे विनाश का मार्ग प्रशस्त हो गया। जैसे ही आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे, उन्होंने निवासियों को सदमे और परेशानी की स्थिति में पाया। कुछ लोग घायल हो गए और उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। कम से कम पांच लोगों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से एक पीड़ित गंभीर रूप से झुलस गया और फिलहाल उसकी हालत गंभीर है। विस्फोट का कारण अज्ञात बना हुआ है, लेकिन अधिकारी सक्रिय रूप से घटना की जांच कर रहे हैं। न्यूर्क पब्लिक सेफ्टी के निदेशक, फ्रिट्ज फ्रैगे ने स्थिति को संबोधित करते हुए निवासियों को आश्वासन दिया कि तत्काल सहायता प्रदान की जा रही है। नेवार्क शहर प्रभावित लोगों को अस्थायी आवासीय प्रवास की पेशकश कर रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आने वाले दिनों में उनके पास रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान हो। जबकि अग्निशामक शेष आग को बुझाने में लगे हुए हैं, जांचकर्ता विस्फोट का कारण निर्धारित करने के लिए परिश्रमपूर्वक काम कर रहे हैं।

एससी में यासीन मलिक की पेशी पर तिहाड़ के चार अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली। कुछ अधिकारियों की ओर से गंभीर सुरक्षा चूक का हवाला देते हुए जेल में बंद हुर्रियत नेता यासीन मलिक की सुप्रीम कोर्ट में पेशी के एक दिन बाद दिल्ली जेल अधिकारियों ने शनिवार को तिहाड़ सेंट्रल जेल के जेल नंबर 7 के एक उपाधीक्षक, दो सहायक अधीक्षक और एक हेड वार्डर सहित चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया। महानिदेशक (जेल) संजय बैनीवाल, जिन्होंने मामले की विस्तृत जांच का आदेश दिया, ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या, इन चार अधिकारियों को शीर्ष अदालत के समक्ष मलिक की भौतिक पेशी के लिए जिम्मेदार पाया गया है। बानीवाल ने कहा कि मैंने पहले ही मामले में दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के लिए उप महानिरीक्षक (जेल मुख्यालय) राजीव सिंह द्वारा विस्तृत जांच का आदेश दे दिया है।

श्रीलंका में जल्द भारतीय रुपए से कर पाएंगे लेनदेन

कोलंबो। हाल ही में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भारत दौरे पर आए थे और यहां उन्होंने अपने संबोधन में श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था में भारतीय रुपए के उपयोग को बढ़ाने का आह्वान किया था। वहीं अब श्रीलंकाई विदेश मंत्री अली साबरी ने शनिवार को कहा कि श्रीलंका भारतीय पर्यटकों और व्यापारियों की सुविधा के लिए डॉलर, यूरो और येन की तरह स्थानीय लेनदेन के लिए भारतीय रुपए के उपयोग की अनुमति देने की संभावना पर विचार कर रहा है। अगर श्रीलंका में भारतीय रुपए को प्रत्यक्ष उपयोग की अनुमति देने से भारतीय पर्यटकों और व्यापारियों के लिए एकाधिक मुद्रा रूपांतरण की आवश्यकता को रोका जा सकेगा। साबरी मीडिया को राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की 20-21 जुलाई की भारत यात्रा के बारे में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों नेता दोनों देशों के बीच बंदरगाह कनेक्टिविटी के महत्व पर सहमत हुए। वहीं अगले स्तर तक पहुंचने के लिए हमें निवेश की जरूरत है। हमने उन तरीकों पर चर्चा की जो दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से फायदेमंद होंगे। न केवल दोनों सरकारों के बीच, बल्कि निजी क्षेत्र के बीच गठजोड़ पर जोर दिया गया। आगे अली साबरी ने कहा कि दक्षिण भारतीय क्षेत्र में व्यापक आर्थिक विकास से श्रीलंका को लाभ होने की संभावना पर विचार किया गया। दोनों नेताओं के बीच कोलंबो और त्रिंकोमाली और दक्षिण भारतीय क्षेत्र के बीच बंदरगाह साझेदारी की आवश्यकता पर सहमति हुई। श्रीलंकाई विदेश मंत्री ने कहा कि भूमि साझेदारी के लिए पुल बनाने या मौजूदा नौका सेवाओं को जारी रखने पर आवश्यक अध्ययन जल्द ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के डिजिटलीकरण में मदद के लिए एक भारतीय विश्वविद्यालय को शामिल करने पर भी चर्चा की गई। भारत दौरे पर श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शनिवार को कहा था कि उनका देश चाहता है कि भारतीय रुपए का इस्तेमाल अमेरिकी डॉलर के बराबर हो। साथ ही उन्होंने कहा था कि अगर भारत (भारतीय रुपया) एक साझा मुद्रा बना जाता है तो हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें यह पता लगाना होगा कि इसे कैसे किया जाए। हमें बाहरी दुनिया के लिए और अधिक खुला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया विकसित हो रही है और भारत तेजी से विकास के दौर से गुजर रहा है, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में।

मणिपुर घटना में पांचवां आरोपी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और सामूहिक दुष्कर्म के मामले पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस तरह मणिपुर घटना में अब तक पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले पुलिस ने 20 जुलाई को चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मणिपुर पुलिस ने शनिवार को बताया कि महीने भर पुरानी वायरल वीडियो मामले में यह पांचवी गिरफ्तारी है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है और आरोपियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना मणिपुर के थाउबल जिले में चार मई को घटी, जहां महिलाओं को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने इस मामले में अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज किया है।

पृष्ठ एक का शेष

सीमा विवाद : असम-मेघालय...

किया गया, जिसमें शुरू में मतभेदों के छह क्षेत्रों को शामिल किया गया। क्षेत्रीय समितियों ने अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं, जिन्हें नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सौंप दिया गया, जिसके बाद 12 क्षेत्रों में से छह में विवादों को हल करने के लिए 29 मार्च, 2022 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के अनुसार, पहले चरण में विवादित क्षेत्र के 36.79 वर्ग किलोमीटर हिस्से को निपटाया गया था, जिसमें असम को 18.51 वर्ग किलोमीटर और मेघालय को 18.28 वर्ग किलोमीटर पर पूर्ण नियंत्रण मिला था। दोनों राज्यों ने अब शेष छह क्षेत्रों में चर्चा शुरू की है। शर्मा ने इससे पहले 24 मई को मेघालय के अपने समकक्ष कोनराड सांग्मा के साथ इस संबंध में एक बैठक की थी।

सीईओ के घर ...

और उनके कई बड़े बाजार परिसर हैं। यह छापेमारी शुक्रवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा विश्वजीत गोस्वामी और उनके सहायक जिला कार्यक्रम प्रबंधक, मृणाल कांति सरकार को पकड़ने के बाद हुई है। दोनों को सरकारी योजनाओं के तहत विकासात्मक परियोजनाओं को मंजूरी देने के बदले में दो जिला सदस्यों से 30,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था। डीवीएसी को लगातार भ्रष्टाचार की खबरें मिल रही थीं। जानकारी मिली थी गोस्वामी जिला परिषद द्वारा स्वीकृत प्रत्येक कार्य के लिए अत्यधिक पैसों की मांग करता है। इस गिरफ्तारी के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2021 से अब तक 117 भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मणिपुर में जो हुआ ...

की पोल खोली है। उन्होंने कहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस घटना को भयानक बताया है। असम के मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर अन्य राज्यों में महिलाओं के खिलाफ हाल की यौन हिंसा की रिपोर्ट भी साझा की। मणिपुर की घटना भयावह है और अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने की बात वहां के मुख्यमंत्री कर चुके हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया कि दुर्भाग्य से, तथाकथित उदारवादियों के बीच एक स्पष्ट पैटर्न बन गया है। आक्रोश उत्तर पूर्व तक ही सीमित है, जबकि वे अन्य जगहों पर समान रूप से क्रूर अपराधों को नजरअंदाज करेंगे। शर्मा ने पहली रिपोर्ट में साझा किया, 19 जुलाई, 2023 को जोधपुर में छह महीने के शिशु सहित चार लोगों के एक परिवार की पहली बार हत्या कर दी गई और उसे जिंदा जला दिया गया। दूसरी रिपोर्ट में कहा गया, 16 जुलाई 2023 को जोधपुर में एक दलित नाबालिग के साथ उसके प्रेमी के सामने सामूहिक बलात्कार किया गया। तीसरे में लिखा है, भाजपा के एक कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि 13 जुलाई, 2023 को चुनाव हारने के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उन पर पेशाब किया। असम के सीएम ने चौथी रिपोर्ट ट्वीट की, एक भाजपा उम्मीदवार ने आरोप लगाया कि 8 जुलाई, 2023 को टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उनके कपड़े उतार दिए और उन्हें नग्न घुमाया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि 7 जून, 2023 को बिहार में एक नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ 8 लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया। उन्होंने कहा, 20 अक्तूबर, 2022 को झारखंड के चाईबासा में सड़क पर दिनदहाड़े 10 लोगों ने एक आदिवासी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया।

मालदा : चोरी के ...

वीडियो देखने के बाद ही उनको इस घटना का पता चला है। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक जांच करने के बाद पता चला है कि दो महिलाओं को चोरी करते वक्त रंगे हाथ पकड़ा गया था। इसके बाद स्थानीय महिला और दुकानदारों ने उनकी पिटाई की थी। बताया जा रहा है कि महिलाएं चोरी करते हुए पकड़ी गई थीं, वे भाग गईं और उन्होंने डर से शिकायत भी दर्ज नहीं कराई। पुलिस का कहना है कि स्वत संज्ञान में लेकर मामला दर्ज किया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। इधर, घटना को लेकर बंगाल भाजपा के सह प्रभारी अमित मालवीय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल में आतंक का कहर जारी है। उन्होंने कहा कि इस घटना से ममता बनर्जी का दिल टूट जाना चाहिए था, लेकिन उन्होंने इस बर्बरता की निंदा तक नहीं की, क्योंकि इससे एक मुख्यमंत्री व गृह मंत्री के रूप में उनकी विफलता उजागर होती। मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि दो आदिवासी महिलाओं को नग्न किया गया, प्रताड़ित किया गया और बेरहमी से पीटा गया, जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी रही। महिला सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदाय से थी और एक उन्मादी भीड़ उसके खून के लिए तरस रही थी...। यह एक ऐसी त्रासदी की ओर ले जा रहा है, जिससे ममता बनर्जी का दिल टूट जाना चाहिए था और वह कार्रवाई कर सकती थीं, क्योंकि वह बंगाल की गृह मंत्री भी हैं। लेकिन उन्होंने कुछ नहीं करने का फैसला किया। न तो उन्होंने इस बर्बरता की निंदा की और न ही दुख और पीड़ा व्यक्त की क्योंकि इससे एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी खुद की विफलता उजागर होती। इसी तरह भाजपा सांसद लाकेट चटर्जी ने कहा कि यह राज्यों की बात नहीं है मणिपुर या बंगाल। बंगाल में महिलाओं पर किस तरह से हमला किया जाता है, इसके चौंकाने वाले दृश्य हैं। इससे पहले बंगाल के हावड़ा के पांचला थाना इलाके में भी इसी तरह की घटना सामने आई थी। पंचायत चुनाव में एक महिला उम्मीदवार ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। महिला का आरोप है कि आठ जुलाई को पंचायत चुनाव के दिन तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें मतदान केंद्र से जबरन बाहर निकाला, उसके कपड़े फाड़े और निर्वस्त्र कर उससे छेड़छाड़ की गई। हालांकि, बंगाल के डीजीपी मनोज मालवीय ने शुक्रवार को कहा कि 14 जुलाई को ही मामले में एफआइआर दर्ज कर ली गई थी, लेकिन अभी तक कोई सबूत नहीं मिले हैं। उधर पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में इस सप्ताह की शुरुआत में लोगों के एक समूह ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र किया और उनके साथ मारपीट की। इस मामले में अब तक पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया। वहीं इस मामले को लेकर बुधवार की घटना का एक कथित वीडियो भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने शनिवार को सोशल मीडिया पर साझा किया जिसमें महिलाओं को बेरहमी से पीटते हुए दिखाया गया है। राज्य की महिला एवं बाल स्वास्थ्य मंत्री शशि पांजा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि महिलाएं आपस में झगड़ रही थीं और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बाद में महिलाएं वहां से खुद ही चली गईं। पुलिस ने कहा कि महिलाएं उस दिन मालदा जिले के बामनगोला के बाजार में अपना सामान बेचने गई थीं और लोगों को उन पर चोरी करने का संदेह था। मालवीय ने ट्वीट किया कि पश्चिम बंगाल में दहशत जारी है। मालदा के बामनगोला पुलिस थाने के पाकुआ हाट इलाके में दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र किया गया, प्रताड़ित किया गया और बेरहमी से पीटा गया, जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने कहा कि यह भयानक घटना 19 जुलाई की सुबह हुई थी। महिलाएं सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदाय से थीं और एक उन्मादी भीड़ उनके खून की प्यासी थी... इसमें एक त्रासदी की आशंका थी जिससे ममता बनर्जी का दिल टूट जाना चाहिए था और केवल आक्रोश जताने के बजाय वह कार्रवाई कर सकती थीं, क्योंकि वह बंगाल की गृह मंत्री भी हैं...। पांजा ने कहा कि स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है और कथित अपराधियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

धमकी के मद्देनजर ...

की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सख्त कदम उठाए हैं। पामरा की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि स्टेट (मिजोरम) सेलेसिह वेट्टी कॉलेज, तनहरिले मिजोरम यूनिवर्सिटी, रिपंस, जेमाबाक और जेडएमसी में बड़ी संख्या में मैतेई हैं। इसलिए उस शिक्षण संस्थान में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। छात्र नेता ने कहा कि सशस्त्र अर्धसैनिक बल 24 घंटे गश्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में जारी अशांति के बीच मिजो स्टूडेंट्स यूनियन (एमएसयू) ने भी मिजोरम के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में मैतेई जनगणना की घोषणा की है। माना जाता है कि ऐसी स्थिति में मैतेई नागरिकों की सुरक्षा से समझौता किया जा सकता है।

मंदिरों का एकत्रीकरण ...

चाहिए। सभी मंदिर का एकत्रीकरण समाज को जोड़ेगा, ऊपर उठाएगा, राष्ट्र को समृद्ध बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का लक्ष्य एक ही है, हमारा कर्म और धर्म, यह लोक भी ठीक करेगा और परलोक भी। सरसंघचालक ने कहा कि हमारे मंदिर, आचार्य, देवस्थान, यति साथ चलते हैं, सभी सृजन के लिए हैं। इतिहास में कई बार ऐसा समय आया कभी हम गिरे, कभी किसी ने धक्का मारकर गिराया, लेकिन हमारे मूल्य नहीं गिरे। हमारे जीवन का लक्ष्य एक ही है हमारा कर्म और धर्म। समाज में धर्म चक्र परिवर्तन के आधार पर ही सृष्टि चलती है। शरीर, मन और बुद्धि को पवित्र करके ही आराधना होती है। उन्होंने कहा कि पहले बलि परम्परा थी किंतु जब पता चला कि यह काल संगत नहीं है तो अब नीबू और नारियल की बलि देते हैं। समाज प्रकृति और परंपरागत राजा पर निर्भर नहीं है। राजा का काम संचालन है। इसके लिए हम सत्ता देकर सो नहीं जाते बल्कि उनके कामों का फल चुनाव में देते हैं। संघ प्रमुख ने काशी विश्वनाथ धाम का खास तौर पर उल्लेख कर कहा कि कुछ मंदिर समाज के हाथ में हैं, कुछ मंदिर सरकार के हाथ में हैं। सरकार के हाथ में ऐसे मंदिर भी हैं जो अच्छे चल रहे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर देखकर आइए उसका स्वरूप कैसा हो गया। करने वाले सरकार के लोग हैं, लेकिन वह भक्ति के साथ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा नहीं, मोक्ष और चित्त सिद्धि का स्थल है। उन्होंने कहा कि देश के छोटे स्थान पर छोटे से छोटे मंदिर को समृद्ध बनाना है। हमें हर गली की छोटी-छोटी मंदिरों की सूची बनानी चाहिए। वहां रोज पूजा हो, सफाई रखी जाए। मिलकर सभी आयोजन करें। संगठित बल साधनों से संपूर्ण करें। समय आ गया है, अब देश और संस्कृति के लिए त्याग करें। महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता और सार्वजनिक वितरण मामलों के राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि हर सनातनी का घर एक मंदिर है। मंदिर ही ऊर्जा है। इन मंदिरों को जोड़कर भारत को हम दोबारा विश्वगुरु बनाएंगे। मंदिरों को जोड़कर मानस को सांस्कृतिक रूप से एक करेंगे। मंदिर जुड़ेंगे तो मन भी जुड़ेंगे। हमारी संस्कृति भी जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि देश में मंदिर केवल पूजा स्थल ही नहीं सेवा, चिकित्सा, शिक्षा का भी बड़ा केंद्र रहे हैं। अतीत में आतताइयों ने हमारे मंदिर और संस्कृति को क्षति पहुंचाई, उनके संसाधनों को क्षीण किया, लेकिन हमारा इतिहास हमेशा ऊंचा रहा। महासम्मेलन में वाराणसी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया गया। इसके पहले इंटरनेशनल टेंपल्स कन्वेंशन एंड एक्सपो के चेयरमैन और अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। महासम्मेलन में 41 देशों के हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन धर्म के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इसमें मंदिर की सुरक्षा, संरक्षण व निगरानी, फंड प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता और पवित्रता के साथ ही साथ साइबर हमलों से सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी का उपयोग और एक सुदृढ़ मंदिर समुदाय को बढ़ावा देने पर विमर्श होगा। तीर्थयात्रियों के अनुभव के तहत भीड़ और कतार प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और आधारभूत संरचना में विस्तार जैसे विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। सम्मेलन के आयोजकों के अनुसार तीन दिनों के महासम्मेलन के बाद सभी मंदिरों के लिए एक श्वेत पत्र जारी किया जाएगा और आने वाले भविष्य में देशभर के सभी मंदिरों को इससे जोड़ा जाएगा।

मणिपुर : कल गांधी ...

केंद्र सरकार ने गृह मंत्री के जवाब के साथ मणिपुर मुद्दे पर अल्पकालिक चर्चा आयोजित करने के लिए अपनी सहमति जताई है, लेकिन पहले विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के बयान की मांग पर अड़ा हुआ है। बता दें कि मणिपुर के एक गांव में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और उनके साथ मारपीट करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से विपक्ष पहले प्रधानमंत्री मोदी के बयान की मांग पर अड़ा हुआ है। इसके अतिरिक्त विपक्ष चाहता है कि वक्त की पाबंदी के बिना सभी दलों को इस मुद्दे पर बोलने की अनुमति दी जाए। ऐसे में इन्हीं तमाम मांगों के साथ विपक्ष गुरुवार को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। वहीं, सरकार ने विपक्ष पर इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बहस से भागने का आरोप लगाया है। मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष और सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है।

बांग्लादेश में सड़क ...

संवाददाताओं से कहा कि गोताखोरों ने 17 शव निकाले हैं और पुलिस क्रेन की मदद से बस को तालाब से निकालने का प्रयास कर रही है। भारी मानसूनी वर्षा के कारण तालाब पानी से लबालब भरा है। पुलिस उपनिरीक्षक गौतम कुमार घोष ने बताया कि मृतकों में आठ महिलाएं एवं तीन बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान पूरा हो जाने के बाद बस के अंदर और शव मिल सकते हैं। झालाकाठी के मुख्य सरकारी अस्पताल में 20 अन्य यात्रियों का इलाज चल रहा है। माना जा रहा है कि बस के अंदर 65 यात्री सवार थे। हादसे में घायल 35 वर्षीय यात्री रूसेल मुल्लाह ने बताया कि मैं चालक की सीट के बगल में बैठा था। बस चलाते समय संभवत चालक सचेत नहीं था। उन्होंने कहा कि चालक लगातार अपने सहायक से बातचीत कर रहा था और उससे कह रहा था कि बस में और यात्रियों को चढाए। इस हादसे में मुल्लाह के पिता की जान चली गयी जबकि उसका भाई अब भी लापता है।

सांभर में निकला सांप...

करते रहे हैं। लेकिन शनिवार को इंतहा तब हो गई जब खाने में उन्होंने सांप निकलने की शिकायत की। कर्मचारियों द्वारा लंच के खाने में परोसे गए सांभर में सांप निकलने की एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें थाली में सांप का बच्चा दाल में पड़ा दिखाई दे रहा है। कैंटीन में कंपनी के कई कर्मचारी खाना खाने आते हैं। शुक्रवार को भी वो लोग यहां खाना खाने के लिए पहुंचे तो सांभर में सांप देख कर हैरान रह गए। वहीं एक के बाद एक चार लोगों की तो इस खाने का खा कर तबीयत बिगड़ गई। इन लोगों को तुरंत आनन-फानन में ईसीआईएल के हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इन्हें भर्ती कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक फिलहाल इनकी तबीयत ठीक है। इस पूरी घटना और खाने में सांप निकलने पर कैंटीन का मैनेजर भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। मैनेजर का कहना है कि वो खुद भी हैरान है कि खाने में सांप कैसे आ गया। हालांकि खाने में सांप निकलने की जानकारी कंपनी के कर्मचारियों को मिली है, उनमें भी कैंटीन प्रशासन को लेकर काफी गुस्सा है। बताया जा रहा है कि इसी कैंटीन से कई और जगहों पर भी खाना भेजा जाता था। कैंटीन के खाने में सांप कैसे आया इसको लेकर कई तरह की बातें की जा रही हैं। हालांकि हर कोई इस बात को लेकर हैरान है और बहस कर रहा है कि आखिरी इतनी बड़ी कंपनी की कैंटीन के खाने में सांप कैसे आ गया।

पुलिसकर्मियों ने बदमाशों ...

कि वर्दी पर दाग लगने की यह घटना 27 मई की है। इसका पता तब चला जब 19 जुलाई को दिल्ली में चोर पकड़े गए। चोरों ने बताया कि चोरी की गई रकम उनके पास नहीं है। यह रकम उनसे गाजियाबाद की डीएलएफ चौकी के पुलिसकर्मियों ने लूट ली। चोरों ने 25 मई की रात भजनपुरा में आलोक शर्मा के घर चोरी की थी। दिल्ली पुलिस को चोरी के दौरान की फुटेज मिल गई। इससे चोरों का पता चल गया। चोरों को पकड़ लिया। चोरी गई रकम के लूट लिए जाने का पता चलने पर आलोक शर्मा डीसीपी ट्रांस हिंडन के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके घर से चोर जो रकम चोरी कर ले गए थे, उसे डीएलएफ चौकी के दो पुलिसकर्मियों ने लूट लिया। इस पर जांच-पड़ताल शुरु कर दी गई। पुलिस ने चोरों से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि वे चोरी की रकम से जूते खरीदने के लिए डीएलएफ कालोनी गए थे। वहां एक युवक से कहासुनी हो गई। उसने फोन करके पुलिस बुला ली। पुलिसकर्मी आए और उन्हें चौकी ले गए। वहां उनकी तलाशी ली। उनके पास चोरी की रकम के 3.60 लाख रुपए थे। पुलिसकर्मियों ने पूरी रकम छीन ली और धमकी देकर भेजा कि अगर यहां दोबारा नजर आए तो संगीन धारा लगाकर जेल भेज दिए जाओगे। इस पर वे चले गए। जांच अधिकारी ने डीएलएफ कालोनी की सीसीटीवी फुटेज देखी। चौकी पर पड़ताल की। इससे साफ हो गया कि लूट सिपाही इंद्रजीत और मुख्य आरक्षी (एचसीपी) धीरज चतुर्वेदी ने की है। एसीपी ने पूरे मामले की रिपोर्ट शुक्रवार को उच्च अधिकारियों को सौंप दी। वहीं, डीसीपी विवेक चंद का कहना है कि मुख्य आरक्षी धीरज चतुर्वेदी और आरक्षी इंद्रजीत को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों से पूछताछ चल रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर शालीमार गार्डन थाना प्रभारी रवि शंकर पांडे की ओर से लूट की धारा में केस दर्ज किया गया है।

स्वर्वेद भाष्य

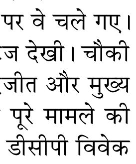

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

गो मन प्रज्ञा गम नहीं, प्राण न कर संचार।
कुम्भक घट का खेल है, दुर्लभ गम कर तार॥ 39॥

शब्दार्थ : (संचार) गति (कुम्भक) प्राणायाम (तार) एक प्राकर, निरंतर।

भाष्य : इंद्रिय, मन एंव बुद्धि की गम नहीं है, न प्राण का संचार है, न शरीर में प्राम का निरोध है। यह चेतन पथ का गमन और निरंतर परब्रह्म की भक्ति अत्यंत दुर्लभ है। एक तार निरंतर सहज भक्ति विहंगम योग में ही होती है। प्रकृति के परिणाम, विकार में एक प्रकार की चेतन सहज भक्ति नहीं हो सकती।

कुम्भ हठयोगी करें, मुर्द्धा तारी लाय।
योग रहस्य न जानहीं, गुरु बिनु भटका खाय॥ 40॥

शब्दार्थ : (कुम्भक) प्राण वायु को रोकना (मुर्द्धा) ब्रह्मरंध्र (भटकरना) अंधकार में घूमना (तारी) स्थिरता।

भाष्य : हठयोगी कुंभक करके प्राण वायु को मुर्द्धा या ब्रह्मांड में रोकता है और वहीं तारी लगाता है। वह योग के वास्तविक भेद को नहीं जानता। वह सद्गुरु के बिना अज्ञान-अंधकार में पड़कर, प्रकृति के जाल में फंसा रहता है।

अश्लील फोटो वायरल पत्रकार समेत तीन गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। जिले के हाटसिंगीमारी में कुछ शिक्षक और छात्रा की अश्लील तस्वीरें वायरल होने से हड़कंप मच गया है। हाटसिंगीमारी के एक निजी ज्ञान विकास अकादमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के एक शिक्षक और छात्रा की अश्लील फोटो वायरल हुई है। संस्थान में रसायन विज्ञान के शिक्षक अब्दुल लतीफ अहमद और संस्थान की एक किशोरी की अश्लील तस्वीरें वायरल हुई हैं। इस घटना के साथ एक पत्रकार का नाम भी सामने आया है। इस घटना के सिलसिले में आज हाटसिंगीमारी पुलिस ने पत्रकार सहित कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए तीन लोगों में अब्दुल्ला शेख, मुक्तादुल शेख और मनु शेख शामिल हैं। जो, एक निजी सैटेलाइट चैनल का पत्रकार है। शिकायत के अनुसार, तीनों शिक्षक और किशोरी की अश्लील तस्वीरें वायरल करने के कृत्य में शामिल थे। पत्रकार अब्दुल्ला शेख पर अश्लील फोटो वायरल करने का आरोप लगा है। तीनों को गिरफ्तार कर पॉक्सो एक्ट के तहत हाटसिंगीमारी अदालत में पेश किया गया। अदालत ने मुक्तादुल को पत्रकारों के साथ धुबड़ी जेल भेज दिया है। कोर्ट ने मनु शेख को भी पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

असम पुलिस के 2994 कर्मियों को दी गई पदोन्नति

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के 2994 कर्मियों को पदोन्नति दी गई है। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने आज एक ट्वीट के जरिए इस आशय की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट में लिखा है कि असम के मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार 2994 असम पुलिस के विभिन्न रैंकों के कर्मियों को अगली रैंक पर पदोन्नत किया गया है। यह पदोन्नति पुलिस के लिए मनोबल को बढ़ाने वाला और कल्याणकारी है। उल्लेखनीय है कि 9 जुलाई को आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर सभी जिलों में पुलिस कर्मियों को एएसआई (यूबी) में पदोन्नत किया जा गया है। सभी नए पदोन्नत पुलिसकर्मियों को हार्दिक बधाई देते हुए डीजीपी ने कहा है कि आइए ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने समुदाय की सेवा और रक्षा करना जारी रखें।

करंट लगने से हुई थी दो जंगली हाथियों की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत कांडली कुहारतली में दो जंगली हाथियों की मौत बिजली तार की चपेट में आने की वजह से हुई थी। विगत शुक्रवार को हुई इस घटना की जांच के बाद यह जानकारी सामने आई है। वन विभाग के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि वन भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर खेती करने वाले लक्ष्मण मिर्धा नामक एक व्यक्ति ने जंगली हाथियों के उपद्रव से खेती को बचाने के लिए खेत के किनारे बिजली का तार बिछाया था। भोजन की तलाश में जंगल से निकलकर आए दो जंगली हाथी अवैध रूप से लगाए गए बिजली के तार से टकरा गए, जिसके चलते उनकी मौत हो गयी। वन विभाग की जांच के साथ-साथ पोस्टमार्टम के अंत में वन विभाग ने इस घटना के आधार पर कठियातली वन विभाग के साथ मिलकर एक प्राथमिकी दर्ज करायी। प्राथमिकी के तहत कार्रवाई करते हुए नने पुलिस ने लक्ष्मण मिर्धा को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है।

मणिपुर में महिलाओं का जबरदस्त प्रदर्शन, हटाने के लिए पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरोध में शनिवार को इंफाल में महिलाओं ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। इन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। हालांकि, घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मणिपुर की राजधानी इंफाल के घारी इलाके में आज सुबह सैकड़ों महिलाएं कार के टायर जलाकर और सड़क अवरुद्ध करके हिंसक विरोध प्रदर्शन कर रही थीं। सुबह करीब 9 बजे स्थिति उस समय अराजक हो गई, जब महिलाओं ने सड़क के दोनों तरफ जाम लगा दिया और सरकार के खिलाफ अभद्र नारे लगाए। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस ने रैपिड एक्शन फोर्स और सेना के साथ त्वरित कार्रवाई की। खबरों के मुताबिक जब सुरक्षाकर्मियों ने टायर में लगी आग को बुझाने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारी महिलाएं हिंसक हो गईं। तब स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। संबंधित इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना निकटवर्ती संवेदनशील इलाकों में फ्लैगमार्च कर रही है।

कांस्टेबल मृदुल बोरा को डीजीपी का कमेंडेशन सर्टिफिकेट

काजीरंगा (हिंस)। काजीरंगा में पुलिस कांस्टेबल मृदुल बोरा द्वारा किया गया मानव सेवा का उत्कृष्ट प्रदर्शन पूरे असम पुलिस का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। कांस्टेबल मृदुल ने दुर्घटना के शिकार एक टैंकर चालक को करीब डेढ़ घंटे तक अपने कंधों पर उठाए रखा। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने मृदुल की उदारता की सराहना करते हुए उन्हें कमेंडेशन सर्टिफिकेट से नवाजा है। पुलिस महानिदेशक ने मृदुल को हार्दिक बधाई दी है। मृदुल गोलाघाट जिले के कहंरा थाने के ट्रैफिक ब्रांच में कांस्टेबल हैं। ऐसे समय में जब असम पुलिस के अधिकारी और जवानों पर विभिन्न भ्रष्टाचार और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने संबंधी आरोप लग रहे हैं। ऐसे में मृदुल बोरा द्वारा किया गया उत्कृष्ट प्रदर्शन राज्य में चर्चा का विषय बन गया है। गौरतलब है कि टैंकर (एनएल-01एल-6595) गुरुवार रात नुमलीगढ़ रिफाइनरी से तेल लेकर कोलकाता जा रहा था। लेकिन, दुर्भाग्यवश वाहन काजीरंगा के कहंरा पुलिस थाने के अंतर्गत रंगाजान में सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया था। हादसे में चालक बिपुल बोरा पेड़ और कार के बीच दब गया था। कहंरा पुलिस और स्थानीय लोगों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद विपुल बोरा को बाहर निकाला। चालक विपुल बोरा को बचा लिया गया और बोकाखात अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, अस्पताल में चालक की मौत हो गई। लटके हुए मृतक बिपुल बोरा को कहंरा पुलिस की ट्रैफिक ब्रांच के कांस्टेबल मृदुल बोरा ने डेढ़ घंटे तक कंधे पर उठाकर खड़ा रहा। इस दौरान मृदुल बोरा का सफेद शॉल चालक के खून से लाल हो गया। इससे साबित होता है कि आज भी पुलिसकर्मियों का एक वर्ग समर्पण और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रहा है। पुलिस महानिदेशक ने मृदुल को धन्यवाद देते हुए हर पुलिसकर्मी से अपील की है कि पुलिस हमेशा जनता के साथ खड़ी रहे। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से आग्रह किया कि वे अपने कर्तव्यों को सुचारू रूप से निभाएं।

इस बार जनता भवन के सामने होगा स्वतंत्रता दिवस परेड

गुवाहाटी (हिंस)। असम में इस बार स्वतंत्रता दिवस का परेड जनता भवन के सामने होगा। इस बार स्वतंत्रता दिवस का केंद्रीय कार्यक्रम राजधानी के खानापाड़ा स्थित असम पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित नहीं होगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी है कि इस बार स्वतंत्रता दिवस परेड जनता भवन के सामने जीएस रोड पर होगा। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के मौके पर इस बार असम सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को खास तरीके से मनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस बार का स्वतंत्रता दिवस परेड गणेशगुड़ी फ्लाईओवर से शुरू की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस का केंद्रीय समारोह इस बार खानापाड़ा मैदान के बदले असम सचिवालय जनता भवन के सामने आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर इसका खुलासा करते हुए कहा है कि इस बार वीवीआईपी जनता भवन के सामने बैठेंगे। परेड यहीं वीवीआईपी को सलामी देंगे। सड़क किनारे जनता के बैठने की सीटें होंगी। परेड गणेशगुड़ी फ्लाईओवर से जनता भवन तक सड़क पर होगा। परेड में 12-12 करके सुरक्षा बल भाग लेंगे।

ड्रग्स के साथ महिला समेत चार गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर नगांव जिले के कसुवा पुलिस स्टेशन के तहत कसुवा नंबर 2 गांव में छापा मारा मारकर 12.65 ग्राम हेरोइन और 70 खाली कंटेनर जब्त किया। पुलिस ने आज बताया कि पुलिस टीम चार लोगों को पकड़ने में भी कामयाबी हासिल की है। कल शुक्रवार की देररात चलाए गए एक अभियान के दौरान उनके कब्जे से दो बाइक (एएस-02एजे-8449 और एएस-09जी-9604) भी जब्त की गई। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान आमिर हजमा (35), साजिदा बेगम (32), सिराजुल इस्लाम (44) और शहीदुल्लाह (45) के रूप में हुई है।

कोकराझाड़ में डूरंड कप ट्राफियों के 132वें संस्करण का अनावरण

कोकराझाड़ (हिंस)। डूरंड कप के 132 वें संस्करण ट्रॉफी अनावरण समारोह का आयोजन आज कोकराझाड़ में किया गया। जिसमें, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे मुख्य अतिथि और चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल गजराज कौर, दिनेश हुड्डा आदि मुख्य मेजबान थे। ऐतिहासिक डूरंड कप की तीन ट्राफियों का अनावरण संयुक्त रूप से कल्याण चौबे, मेजर जनरल दिनेश हुड्डा, बीटीआर के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो, मेजर जनरल एम महेंद्रु, डूरंड आयोजन समिति की वाइस चेयरमैन नंदिता गोरलोसा, असम के खेल और युवा कल्याण मंत्री, मेजर जनरल एस मुरुगेसन तथा जनरल ऑफिसर कमांडिंग रेड हार्न डिवीजन ने किया। अनावरण समारोह के दौरान अंडर-20 भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान अन्नपूर्णा नार्जारी और स्थानीय खेल प्रेमी भी उपस्थित थे। ट्रॉफी अनावरण के बाद बोड़ो सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। तीनों सेनाओं की ओर से भारतीय सेना द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का 132 वां संस्करण देश का एकमात्र टूर्नामेंट है। जिसमें, भारत के विभिन्न फुटबॉल डिवीजनों की शीर्ष टीमों के साथ सेवा टीमों को रखा गया है। टूर्नामेंट 03 अगस्त, 2023 को कोलकाता में शुरू होने के लिए तैयार है। जिसमें, कोकराझाड़ एक क्वार्टर फाइनल मैच सहित नौ मैचों की मेजबानी करेगा। बोड़ोलैंड एफसी और राजस्थान यूनाइटेड एफसी के बीच 05 अगस्त 2023 को उद्घाटन मैच होगा। सभी मैच कोकराझाड़ के साई स्टेडियम में खेले जाएंगे। कोकराझाड़ में क्वार्टर फाइनल 24 अगस्त 2023 को निर्धारित है। अंतिम मैच 03 सितंबर को कोलकाता में निर्धारित है। कोकराझाड़ पहली बार डूरंड कप की मेजबानी कर रहा है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कल्याण चौबे ने हाल के दिनों में खेलों को बढ़ावा देने में असाधारण प्रगति के लिए बीटीआर की सराहना की। इस संदर्भ में, इस तरह के प्रीमियर राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के मंचन से क्षेत्र के युवा और प्रतिभाशाली फुटबॉलरों को और बढ़ावा मिलेगा। क्योंकि, उन्हें अपनी पसंदीदा टीमों और सितारों को उनके सामने खेलते हुए देखने का अवसर मिलता है। उन्होंने भाग लेने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं और कोकराझाड़ में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को पूर्ण दक्षता के साथ आयोजित करने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया। मेजर जनरल दिनेश हुड्डा ने भी सभा को संबोधित किया और डूरंड कप की समृद्ध परंपराओं, तीन ट्राफियों और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ लंबे जुड़ाव के बारे में चर्चा की। टूर्नामेंट के लिए सशस्त्र बलों को पूरे दिल से समर्थन प्रदान करने के लिए असम सरकार और बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद को धन्यवाद दिया। टूर्नामेंट के लिए अद्वितीय तीन ट्राफियां हैं। डूरंड कप (एक रोलिंग ट्रॉफी और खेल पुरस्कार), शिमला ट्रॉफी (एक रोलिंग ट्रॉफी भी, जिसे पहली बार 1904 में शिमला के निवासी द्वारा दिया गया था) और प्रेसिडेंट कप (स्थायी रखरखाव के लिए और पहली बार 1956 में भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा प्रस्तुत किया गया था)। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी के चौधरी और एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने 30 जून को दिल्ली में 15 शहरों के दौरे पर संयुक्त रूप से इन ट्राफियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कोकराझाड़ दौरे का चौदहवां पड़ाव था। कोकराझाड़ की यात्रा शुरू करने से पहले ये ट्राफियां देहरादून, उधमपुर, जयपुर, पुणे, मुंबई, कारवार, एझिमाला, कोच्चि, गुवाहाटी और शिलांग का दौरा कर चुकी हैं। ट्रॉफी काठमांडू और ढाका भी जाएंगी और फिर फाइनल के आयोजन स्थल कोलकाता में भी रवाना होंगी। पांच महिला बाइकर्स सहित 30 बाइकर्स की सुरक्षा में कोकराझाड़ शहर के ट्रॉफी टूर ने प्रगति भवन, सिविल अस्पताल (आरएनबी रोड), के डीएस प्लेग्राउंड, हब्रुबाड़ी और साई कांप्लेक्स जैसे स्थानों का दौरा किया। इस साल डूरंड कप में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की सभी 12 टीमों सहित 24 टीमें हिस्सा लेंगी। बांग्लादेश और नेपाल की सेवा टीमें भी विरासत टूर्नामेंट में भाग लेंगी। विदेशी टीमों ने 27 साल पहले टूर्नामेंट में भाग लिया था। बोड़ोलैंड एफसी डूरंड कप में पहली बार भाग लेगा जो कोकराझाड़ के स्थानीय क्लब के लिए एक दुर्लभ उपलब्धि है।

गुवाहाटी में रक्त कैंसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गुवाहाटी। रक्त कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और *रक्त कैंसर न केवल पूरी तरह से ठीक हो सकता है, बल्कि सफल उपचार के बाद रोगी तरह पूरी तरह से सामान्य जीवन भी जी सकते हैं।*- इस विषय पर तथ्य आधारित बातचीत करने के लिए हैदराबाद के यशोदा अस्पताल ने गुवाहाटी में रक्त कैंसर सर्वाइवर्स मीट का आयोजन किया। वरिष्ठ हेमेटोलॉजिस्ट और बीएमटी विशेषज्ञ डॉ. गणेश जयशेतवार ने कहा की इस रोगी सर्वाइवर मीट का उद्देश्य लोगों को आगे आने और रक्त कैंसर से प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना है। रक्त कैंसर, जिसे हेमेटोलॉजिक कैंसर के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रकार का कैंसर है जो रक्त, अस्थि मज्जा या लसीका प्रणाली को प्रभावित करता है। इसमें ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मल्टीपल मायलोमा जैसे विभिन्न प्रकार के कैंसर शामिल हैं। कैंसरो में रक्त कैंसर होने का संभावना 8.2 प्रतिशत होता है और भारत में प्रति वर्ष, प्रति 1 लाख आबादी पर 5.5 रक्त कैंसर की मामले दर्ज किए जाते है।

इस हिसाब से, प्रति वर्ष लगभग 80,000 नए रक्त कैंसर का निदान किया जाता है और भारत में हर 7 सेकेंड में एक नए रक्त कैंसर का निदान किया जाता है द्व इसके अलावा, हर 20 सेकेंड में, भारत में रक्त कैंसर से पीड़ित किसी व्यक्ति की मृत्यु हो रही है। जानलेवा अस्थि मज्जा विफलता-सीवियर अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित गुवाहाटी का एक 18 वर्षीय रोगी अपने पिता की स्टेम कोशिकाओं की सहायता से आपातकालीन एचएलए जीन हाफ मैच्ड बीएमटी (अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण) करके अब इस घातक बीमारी से ठीक हो गया है; यही इस विषय की महत्त्व को तथ्य सहित साबित करता है। कई ठीक हो चुके रक्त कैंसर रोगी और कई सफल बीएमटी रोगी गुवाहाटी में इस सर्वाइवर्स मीट में शामिल हुए। डॉ. गणेश ने आगे कहा कि हेमेटोलॉजी और बीएमटी विभाग, यशोदा अस्पताल, सोमाजीगुडा ने उल्लेखनीय कार्य समापन किए हैं, जैसे - 1) भारत का पहला सफल डबल हैप्लो- आइडेंटिकल स्टेम सेल प्रत्यारोपण, 2) सबसे उन्नत 67 वर्ष की आयु के लिए हैप्लो-आइडेंटिकल प्रत्यारोपण, 3) बीएमटी चिकित्सा के तहत, दुनिया की पहली एकल अंतरराष्ट्रीय दाता स्टेम कोशिकाओं का उपयोग दो भाइयों के लिए किया जा रहा है, 4) वयस्क रोगियों के लिए भारत का पहला सफल एक्स वीवो टी पूर्ण हाप्लो-आइडेंटिकल बीएमटी। यशोदा अस्पताल, सोमाजीगुडा ने पिछले 8 वर्षों में 300 से अधिक सफल बीएमटी समापन किए हैं।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थानांतर्गत चोकापाड़ा गांव के तालाब में नहाते समय डुबकर युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान रबिराम राय के रूप में की गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फकीराग्राम थानांतर्गत चोकापाड़ा गांव के निवासी रबिराम राय खेत में काम कर रही अपनी मां को पानी और खाना देकर अपने दोस्तों के साथ आ रहा था। उसी समय उसने अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया और तालाब में डुब गया। हालांकि बाद में गांव वालों की मदद से तालाब से उसके शव को बाहर निकाल कर अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर परीक्षण के लिए कोकराझाड़ अस्पताल में भेज दिया है।

छात्र संगठन ने 6 जुलाई से लापता छात्रों का पता लगाने की मांग की

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के छात्र संगठन ने मांग की है कि 6 जुलाई से लापता दोनों छात्रों का तुरंत पता लगाया जाए। इंफाल पश्चिम जिला मुख्यालय स्थित टीजी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र संघ की महासचिव मानसी सगोलसेम ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छह जुलाई से दो छात्र क्रमशः हिजाम लुवांगबी चानू और फिजाम हेमनजीत लापता हैं। हिजाम लुवांगबी चानू टीजी हायर सेकेंडरी स्कूल का छात्र है और फ़िज़ाम हेमनजीत किंडरगार्टन मोंटेसरी स्कूल ताकेले में पढ़ता है। छात्र संघ की महासचिव मानसी सगोलसेम ने जल्द ही उनका पता लगाने की मांग की। उन्होंने दोनों लापता छात्रों को खोजने के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करते हुए कहा कि अगर 30 जुलाई तक दोनों छात्र नहीं मिले तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। छात्र संघ ने राज्य सरकार से लापता छात्रों का पता लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। छात्र संघ की महासचिव मानसी सगोलसेम ने मीडिया को बताया कि संबंधित थाने में गायब होने की प्राथमिकी दर्ज कराने के बावजूद छात्रों का पता लगाने को लेकर कोई प्रगति नहीं हुई है। लापता छात्रों के स्वास्थ्य को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। छात्र संघ ने बार-बार राज्य सरकार से इस घटना को गंभीरता से लेने और तुरंत हस्तक्षेप करने और उन्हें शीघ्र ढूंढ़ने की मांग की है। इस बीच एक पुलिस सूत्र ने दावा किया कि दोनों छात्रों को आखिरी बार 6 जुलाई की सुबह 8:15 बजे कीशमपोट इलाके में बाइक चलाते हुए देखा गया था।

दो अल्फा कैडरों ने असम राइफल्स के समक्ष किया आत्मसमर्पण

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिला के लाजू में उल्फा-आई के दो कैडरों ने 6वें असम राइफल्स के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। सुरक्षा सूत्रों द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह आत्मसमर्पण शुक्रवार को हुआ था। आत्मसमर्पण करने वाले उल्फा के कैडरों में असम के तिनसुकिया जिले के गुइजान गांव के निवासी रितुराज गोहाईं उर्फ मोइना तथा तिनसुकिया जिले के माकुम निवासी मोंथ नोउग उर्फ मोइना असम शामिल हैं। वर्तमान में दोनों अरुणाचल प्रदेश के खोंसा स्थित 6वें असम राइफल्स की हिरासत में हैं। इस सिलसिले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

निजी कंपनी में नाबालिग मजदूर की मौत से तनाव

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के आजरा में एक निजी कंपनी में काम करते हुए एक नाबालिग मजदूर की मौत को लेकर उत्तेजना फैल गई है। घटना आजरा स्थित पेप्सिको कंपनी में हुई। कंपनी में काम करने वाले 13 वर्षीय किशोर मजदूर प्रणवज्योति हजारिका की आज मौत हो गयी। इससे कंपनी में उत्तेजक स्थिति पैदा हो गई। कंपनी ने कथित तौर पर मजदूर प्रणवज्योति की मौत पर पर्दा डालने की कोशिश की। इस बात को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि कंपनी ने सिर्फ 13 वर्ष के किशोर प्रणवज्योति को मजदूर के तौर पर कैसे काम पर रखा। फर्म में काम करने वाले अन्य श्रमिकों ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा उचित दस्तावेजों के बिना उसे मजदूर के रूप में काम पर रखा गया था। प्रणव आज सुबह करीब आठ बजे काम करने के लिए कारखाने में घुसा था। सुबह करीब 10 बजे उसकी मौत हो गई। मौत के सही कारणों की जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी है। कंपनी के मैनेजर को इस बारे में जानकारी दी गई। लेकिन, उन्होंने शुरू में प्रणबज्योति की मौत पर पर्दा डालने की कोशिश की। इससे कंपनी के कर्मचारियों के बीच उत्तेजक स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। उल्लेखनीय है कि इस संस्थान में पहले भी इस तरह की घटनाएं होने की बाते कही जा रही हैं।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के चुनाव संपन्न, संतोष शर्मा बनी अध्यक्ष

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा के आज संपन्न हुए अध्यक्षीय चुनाव में श्रीमती संतोष शर्मा अध्यक्ष पद के लिए विजेता घोषित की गई। चुनाव अधिकारी किरण तापड़िया ने बताया कि कुल 299 वोट में से 206 महिला मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया, जिसमें 6 मत अवैध घोषित किए गए। श्रीमती संतोष शर्मा को 125 तथा सुनीता भीलवाड़िया को 75 मत प्राप्त हुए। विजयी घोषित होने के पश्चात नव निर्वाचित अध्यक्ष शर्मा ने अपने संबोधन में मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की सभी बहनों सहित पूरे समाज के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान समाज की इस प्रतिष्ठित महिला संस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का भरपूर प्रयास करेंगी, जिसमें उन्होंने सभी बहनों से सहयोग की अपील की। आज संपन्न हुए चुनाव के संदर्भ में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि जिस तरह से बहनों ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया, यह महिलाओं की जागरूकता का उदाहरण है। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष का विभिन्न संस्थाओं द्वारा अभिनंदन किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, सचिव विनोद लोहिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष शर्मा को शुभकामनाएं प्रेषित की। मालूम हो कि प्रख्यात भजन गायिका श्रीमती शर्मा मारवाड़ी युवा मंच की प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की मंडलीय उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं बखुबी दे चुकी है। इसके अलावा वर्तमान में श्रीमती शर्मा भारतीय अटल सेना राष्ट्रीयवादी महिला मोर्चा की प्रांतीय अध्यक्ष हैं तथा राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति की प्रदेश चेयरमैन भी है। सहचुनाव अधिकारी रेनू चौधरी और संतोष काबरा ने बताया कि इस चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने में मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा व पूप्रमास की तरफ से पर्यवेक्षकों ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। इससे पहले अध्यक्ष कंचन केजरीवाल की अध्यक्षता में सांगानेरिया धर्मशाला में साधारण सभा का भी आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में सदस्याएं उपस्थित थी।

घाटे और एनपीए के लिए मशहूर बैंकों की चर्चा अब रिकॉर्ड मुनाफे के लिए हो रही : प्रधानमंत्री

– रोजगार मेले में 70 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर पिछली यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज भारत उन देशों में से एक है जहां का बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है, हालांकि नौ साल पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। उन्होंने कहा कि पिछले नौ साल में उनकी सरकार द्वारा इस दिशा में सुधारात्मक उपाय करने से यह स्थिति बनी है। प्रधानमंत्री शनिवार को रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी विभागों में नवनियुक्त 70,000 से अधिक युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र सौंपेने के बाद संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा भर्ती के लिए आज से बेहतर समय नहीं हो सकता क्योंकि नए अधिकारियों को अमृतकाल में देश की सेवा करने का सुनहरा अवसर मिला है। उन्होंने सुझाव दिया कि नियुक्ति पाने वालों की प्राथमिकताएं देश के लोगों की सेवा करना और जीवन में आसानी बढ़ाने के लिए होना चाहिए, साथ ही उन्हें खुद को विकसित भारत के लक्ष्यों के साथ जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्न1947 में आज के ही दिन 22 जुलाई को तिरंगे को संविधान सभा द्वारा वर्तमान स्वरूप में स्वीकार किया गया था। इस महत्वपूर्ण दिवस पर आप सभी को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिलना बहुत बड़ी प्रेरणा है। यह आपके लिए यादगार और देश के लिए ऐतिहासिक दिन है। आज नियुक्ति पत्र पाने वालों में बड़ी संख्या बैंकिंग क्षेत्र से होने के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने बैंकिंग क्षेत्र के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विस्तार में बैंकिंग सेक्टर की बहुत बड़ी भूमिका होती है। मोदी ने पिछले नौ वर्षों की यात्रा को याद करते हुए कहा, ह्नआज भारत उन देशों में से एक है जहां का बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है, हालांकि नौ साल पहले ऐसी स्थिति नहीं थी।ह्व उन्होंने कहा कि पिछले नौ साल में सरकार ने इस दिशा में सुधारात्मक उपाय करने से यह स्थिति बनी है। भ्रष्टाचार को लेकर पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सत्ता का स्वार्थ राष्ट्रहित पर हावी होता है तब कैसी बबार्दी होती है इसके देश में अनेक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि "फोन बैंकिंग" घोटाला पिछली सरकार के सबसे बड़े घोटालों में से एक था क्योंकि इसने बैंकिंग प्रणाली की कमर तोड़ दी थी। उन्होंने कहा कि पहले, एक खास परिवार के करीबी नेता बैंकों को फोन करते थे और अपने पसंदीदा लोगों को करोड़ों रुपये का ऋण प्रदान कराते थे। ये ऋण कभी चुकाए नहीं गए। यह 'फोन बैंकिंग' घोटाला पिछली सरकार के सबसे बड़े घोटालों में से एक था, इसने देश के बैंकिंग क्षेत्र की कमर तोड़ दी। मोदी ने जोर देकर कहा कि 2014 के बाद उनकी सरकार ने इस क्षेत्र की मदद के लिए बैंकों के प्रबंधन को मजबूत करने, छोटे बैंकों का विलय करने, व्यावसायिकता लाने और छोटे बैंकों को बड़े बैंकों में तब्दील करने सहित कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 5 लाख तक की जमा राशि का बीमा करने से 99 प्रतिशत से अधिक जमा सुरक्षित हो गई है जिससे बैंकिंग प्रणाली में एक नया विश्वास पैदा हुआ है। दिवालियापन संहिता जैसे अधिनियमों से बैंकों को घाटे से बचाया गया। इसके अलावा सरकारी संपत्तियों को लूटने वालों पर नकेल कसते हुए उनकी संपत्ति कुर्क कर घाटे और एनपीए के लिए जाने जाने वाले बैंकों की रिकॉर्ड मुनाफे के लिए चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पहले हजारों करोड़ रुपये के घाटे और गैर-निष्पादित संपत्तियों (एनपीए) के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब वे रिकॉर्ड मुनाफे के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों की सेवा करने और 'मुद्रा' योजना के तहत ऋण के माध्यम से गरीबों और असंगठित क्षेत्रों की मदद करने और महिला स्वयं सहायता समूहों का समर्थन करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए बैंकिंग क्षेत्र के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की भी प्रशंसा की। उन्होंने 50 करोड़ जनधन खाते खोलकर जनधन खाता योजना को बड़ी सफलता बनाने में बैंकिंग क्षेत्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान करोड़ों महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर करने में इससे बड़ी मदद मिली। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में प्रत्येक नागरिक ने भारत को 'विकसित भारत' बनाने का संकल्प लिया है। हाल के वर्षों में वैश्विक पटल पर भारत के प्रति विश्वास और आकर्षण का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अगले 25 साल नई भर्तियों और देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, दुनिया में भारत के प्रति जो विश्वास और आकर्षण बना है हम सभी को मिलकर इसका पूरा लाभ उठाना होगा। दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के उदय पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत केवल नौ वर्षों में 10वें स्थान से चढ़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि आज विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा। यह देश की असाधारण उपलब्धि होगी।" उन्होंने कहा कि इससे हर क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आम नागरिकों की आय भी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल की नीति आयोग की रिपोर्ट में पाया गया है कि पिछले 5 वर्षों में 13 करोड़ भारतीयों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है। उन्होंने इसमें सरकारी सेवकों की कड़ी मेहनत की सराहना की और पक्के मकान, शौचालय और बिजली कनेक्शन की योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, जब ये योजनाएं गरीबों तक पहुंचीं तो उनका मनोबल भी बढ़ा। यह सफलता इस बात का प्रतीक है कि अगर हम सब मिलकर भारत से गरीबी हटाने के प्रयास बढ़ा दें तो भारत से गरीबी पूरी तरह खत्म हो सकती है।

दिल्ली में यमुना नदी फिर उफान पर, तीसरी बार खतरे के निशान से ऊपर

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर कल रात फिर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। बाढ़ प्रभावित लोग अभी अपना बचा खुचा सामान ठीक से सुखा भी नहीं पाए हैं कि उनके सिर पर फिर बाढ़ का खतरा मंड़राने लगा। यमुना के रौद्र रूप से तटीय क्षेत्र में रहने वाले हजारों परिवारों की धड़कनें भी बढ़ने लगी हैं। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार शाम करीब छह बजे तीसरी बार यमुना का जलस्तर 205.38 मीटर के पार पहुंच गया। करीब एक हफ्ते से जलमग्न राजघाट परिसर से शुक्रवार को भी पानी निकाला गया। पानी बढ़ने पर यमुना के करीब स्थित इस गहरी जगह पर फिर जलभराव होने का खतरा है। इससे पहले 10 जुलाई को यमुना नदी ने खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर लिया था। 13 जुलाई को यमुना ने दिल्ली में 1978 में आई बाढ़ के दौरान के अपने जलस्तर 207.49 मीटर के रिकार्ड नीचे छोड़ दिया था। ओल्ड रेलवे ब्रिज (लोहा पुल) पर तब इसका अधिकतम जलस्तर 208.66 मीटर पहुंच गया। छह दिन बाद 19 जुलाई की सुबह पांच बजे यमुना का जलस्तर फिर से खतरे के निशान के नीचे 205.22 मीटर पर आया। लेकिन छह बजे से इसका जलस्तर फिर बढ़ने लगा।

मणिपुर वायरल वीडियो पर बोलीं स्मृति ईरानी, मुद्दा बेहद संवेदनशील पर विपक्ष चर्चा करना नहीं चाहता विपक्ष

नई दिल्ली, (हि.स.)। मणिपुर वायरल वीडियो पर केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर विपक्ष संसद में चर्चा नहीं करना चाहता। स्मृति ने शनिवार को कहा कि मणिपुर वायरल वीडियो मुद्दा न केवल संवेदनशील है, बल्कि इसका राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है। विपक्षी नेताओं को इसकी जानकारी है पर वे इस मुद्दे पर विपक्ष संसद में चर्चा नहीं करना चाहते। स्मृति ने कहा कि सरकार मणिपुर मामले पर संसद में चर्चा करना चाहती थी लेकिन आश्चर्य है कि विपक्ष ने इससे इनकार कर दिया। राजस्थान सरकार को आड़े हाथों लेते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक बात है कि शुक्रवार को राज्य के एक मंत्री ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर बात की और उन्हें कांग्रेस द्वारा अनौपचारिक रूप से बर्खास्त कर दिया गया। ईरानी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के बारे में सच्चाई नहीं सुनना चाहती है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की तरह ही चौंकाने वाला एक वीडियो है पश्चिम बंगाल के मालदा से आ रहा है, जहां दो दलित महिलाओं की हत्या की जा रही है, उन्हें पीटा और निर्वस्त्र किया जा रहा है। कांग्रेस पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों के दौरान लोगों की हत्याओं पर मूकदर्शक बनी हुई है, क्योंकि वह टीएमसी के साथा खड़ी है।

नौसेना प्रमुख वियतनाम यात्रा पर, सौंपेंगे उपहार में दिया गया युद्धपोत 'कृपाण'

नई दिल्ली, (हि.स.)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार इस समय वियतनाम की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह भारत की ओर से उपहार में दी गई स्वदेश निर्मित मिसाइल कार्वेट आईएनएस कृपाण वियतनाम पीपुल्स नेवी को सौंपेंगे। एडमिरल कुमार वियतनाम पीपुल्स नेवी के सीआईएनसी के वाइस एडमिरल ट्रान थान नघिएम के साथ द्विपक्षीय बातचीत के लिए हाई फोंग स्थित नेवी मुख्यालय का भी दौरा करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 19 जून को भारत यात्रा पर आये वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल फान वान गैंग के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद मिसाइल कार्वेट को उपहार में देने का ऐलान किया था। यह मध्यम और करीबी दूरी की बंदूकें, लांचर और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों से सुसज्जित है। यह सतह पर युद्ध, तटीय और अपतटीय गश्त, तटीय सुरक्षा, समुद्री डकैती रोधी और विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाने में सक्षम है।

स्वदेश निर्मित खुखरी श्रेणी की मिसाइल कार्वेट आईएनएस कृपाण 12 जनवरी, 1991 को भारतीय नौसेना में शामिल हुई थी और देश को 32 साल तक शानदार सेवाएं दीं। वियतनाम को उपहार में दी गई स्वदेश निर्मित मिसाइल कार्वेट आईएनएस कृपाण 28 जून को नौसेना डॉकयार्ड विशाखापट्टनम से वियतनाम के लिए भारतीय तिरंगे के नीचे अपनी अंतिम यात्रा पर रवाना हुई। भेजने से पहले मिसाइल कार्वेट से भारतीय नौसेना का ध्वज उतारा गया। पूर्वी नौसेना कमान के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल संजय वात्सायन के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मियों ने एक औपचारिक समारोह में जहाज को विदाई दी गई थी। अब यह मिसाइल कार्वेट 08 जुलाई को वियतनाम के कैम रान्ह पहुंच गई है, जिसे वियतनाम पीपुल्स नेवी (वीपीएन) को सौंपने के लिए कैम रैन में आयोजित समारोह की अध्यक्षता नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार करेंगे। वियतनाम पीपुल्स नेवी को स्वदेशी रूप से निर्मित इन-सर्विस मिसाइल कार्वेट आईएनएस कृपाण उपहार में देना समान विचारधारा वाले भागीदारों की सहायता करने की भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है और यह भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' और 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (एसएजीएआर)' की नीतियों के अनुरूप है। यह भारत की ओर से किसी भी मित्रवत विदेशी देश को पूरी तरह से परिचालन कार्वेट उपहार में देने का पहला अवसर है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में फटा बादल, थलीला-चिराला लिंक रोड का एक हिस्सा बहा

डोडा, (हि.स.)। जम्मू संभाग के डोडा जिले के कोटा नाले में शनिवार सुबह बादल फटने से थलीला-चिराला लिंक रोड का एक हिस्सा बह गया और बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। सब डिविजनल मजिस्ट्रेट थाथरी अतहर अमीन जरगर ने बताया कि तड़के बादल फटने के बाद थलीला-चिराला लिंक की सड़क का एक हिस्सा बह गया है। भारी बारिश के साथ बादल फटने से कोटा नाले में भूस्खलन और बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सड़क से मलबा हटाने और इसे जल्द से जल्द बहाल करने के लिए कर्मचारियों और मशीनरी को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि राजमार्ग का डोडा-किश्तवाड़ खंड (शिव पुल और थाथरी पेट्रोल पंप के बीच) बादल फटने के कारण बंद हो गया था, जिसे दोतरफा यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। इस बीच डोडा और किश्तवाड़ जिलों के अधिकांश हिस्सों में शनिवार को तीसरे दिन भी मूसलाधार बारिश जारी रही है, जिसके परिणामस्वरूप चिनाब नदी, नीरू और कलनई जैसी उसकी प्रमुख सहायक नदियों में जल स्तर बढ़ गया है। जिला प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और नदियों, नालों और अन्य संवेदनशील स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है।

'आप' सांसद ने संसद परिसर में पत्रकारों को सुविधाएं दिलाने के लिए राज्यसभा सभापति को लिखा पत्र

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर संसद को कवर करने वाले पत्रकारों के सामने आए दिन आने वाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। वर्तमान में पत्रकार संसद के एंट्री गेट नंबर 12 के पास स्थित एक छोटे से अस्थायी तंबू से अपना काम कर रहे हैं। यह उनके पिछले सेटअप से भी छोटा है, जो पर्याप्त वातानुकूलित नहीं है और पीने के पानी की भी बेहतर सुविधा नहीं होने से उनको दिक्कत होती है। खासकर भीषण गर्मी और भारी बारिश के मौसम में ज्यादा परेशानी होती है। पत्रकारों के सामने आ रही इन परेशानियों को ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर पत्रकारों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की मांग की है। जिसमे बड़ा वातानुकूलित टेंट, पर्याप्त स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही महिला पत्रकारों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने और शौचालय की व्यवस्था कराने अपील की गई है।

पांचला मामले में झूठ बोल रहे हैं डीजीपी : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, (हि. स.)। राज्य में पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा के महिला उम्मीदवार को शारिरिक तौर पर प्रताड़ित किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हालांकि शुक्रवार को ही राज्य के डीजीपी अमित मालवीय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी थी के मामले में कोई सच्चाई नहीं है लेकिन राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने डीजीपी अमित मालवीय पर इस मामले में झूठ बोलने के आरोप लगाते हुए दाव किया है कि मामले में पुलिस को इसलिए कोई सबूत नहीं मिल रहा क्योंकि सच्चाई सामने आई तो राज्य सरकार मुश्किल में पड़ जाएगी। शुभेंदु ने राज्य पुलिस डीजी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बयान और पीड़ित महिला के बयान को उजागर करते हुए एक ट्वीट भी किया। दरअसल, हावड़ा के पांचला की घटना को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने शुक्रवार दोपहर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था। इस दौरान सुकांत मजूमदार ने मणिपुर के घटना की निंदा की थी और कहा था कि पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को नग्न घुमाया गया। सुकांत मजूमदार ने यह सवाल पूछा था कि क्या यह सही है? इसके बाद आनन-फानन में डीजीपी अमित मालवीय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पूरे घटना को ही खारिज कर दिया लेकिन शुभेंदु अधिकारी ने अब डीजीपी पर पलटवार करते हुए उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

डीसीडब्ल्यू ने एक लड़की को उप्र से करवाया रेस्क्यू

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने दिल्ली पुलिस और उप्र पुलिस के साथ मिलकर एक 22 वर्षीय लड़की को रेस्क्यू करवाया है, जिसे उसके परिवार ने दिल्ली में उसके पति के घर से अपहरण कर लिया था। जून 2023 में आयोग की सदस्य फिरदौस खान को एक लड़की की शिकायत मिली, जिसमें बताया गया कि वह उप्र के अमरोहा में रहती है और उसने अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध मई 2023 में अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी कर ली है। उसने बताया कि उसे अपने परिवार से जान का खतरा है इसलिए वह भागकर दिल्ली आ गई और अपने पति के साथ वहीं रहने लगी। डीसीडब्ल्यू ने तुरंत दिल्ली पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराने में लड़की और उसके पति की सहायता की। हालांकि, लड़की ने उस समय अपने परिवार वालों के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। 21 जुलाई को डीसीडब्ल्यू को 181 महिला हेल्पलाइन पर लड़की के पति ने कॉल की। उन्होंने बताया कि लड़की के परिवार के कुछ पुरुष सदस्यों ने दिल्ली स्थित उनके घर आकर उसके साथ मारपीट की और उसे वहां से अगवा कर लिया है। इस मामले पर डीसीडब्ल्यू की सदस्य फिरदौस खान ने अध्यक्ष स्वाति मालीवाल से चर्चा की, जिन्होंने तुरंत एक टीम बनाई और उन्हें दिल्ली पुलिस और उप्र पुलिस के साथ समन्वय करने के लिए कहा। डीसीडब्ल्यू सदस्य फिरदौस खान ने दिल्ली और उप्र दोनों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी बात की।

मोदी तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री, विपक्ष के पास कोई विकल्प नहीं : शान्ता कुमार

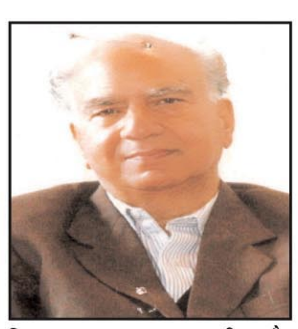

शिमला, (हि.स.)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से पिछले दिनों बेंगलुरु और दिल्ली की बैठकों की बहुत चर्चा हुई। सच्चाई यह है कि बेंगलुरु में 26 राजनैतिक दलों के 30 नेता थे, तय कुछ भी नहीं हुआ, न संयोजक, न नेता, केवल अगली बैठक की तरीख तय कर सके, परंतु दिल्ली में 38 राजनैतिक दल मिले, नेता एक था सब कुछ तय हो गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई विकल्प नहीं है। केंद्र में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनेगी और तीसरी बार नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे। शान्ता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में केवल एक बार अटल बिहारी वाजपेयी ने 22 दलों को मिलाकर एनडीए बनाया। न्यूनतम साझा कार्यक्रम स्वीकार किया। चुनाव लड़ा, चुनाव जीता और पांच साल तक शानदार सरकार चला कर दिखाई। ऐसा न पहले कभी हुआ था, न भविष्य में होने की आशा है। आज देश की राजनीति में कहीं कोई अटल नहीं दिखाई देता। उन्होंने कहा भारत की राजनीति की सच्चाई यह है कि भाजपा और विशेषकर नरेन्द्र मोदी का दूर-दूर तक कोई भी विकल्प नहीं है। विश्वभर में मोदी के कारण भारत को एक नई पहचान मिली है, एक नया सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि चुनाव का असली गणित यह है कि पार्टी के प्रतिबद्ध मतदाता सरकार नहीं बनाते। पार्टियों के प्रतिबद्ध मतदाता हर हाल में अपनी अपनी पार्टी को ही वोट देते हैं। परन्तु लगभग 20 प्रतिशत पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी जिनका किसी पार्टी से कोई संबंध नहीं होता, वे मतदाता अंतिम समय में जिस पार्टी को वोट देते हैं उसी से उस पार्टी की सरकार बनती है। शान्ता कुमार ने कहा, जरा सोचें, चुनाव के अंतिम चरण में भारत का समझदार पढ़ा-लिखा बुद्धिजीवी जिसका किसी पार्टी से कोई संबंध नहीं है वह जब वोट डालने जाएगा तो मोदी के मुकाबले किसी राहुल या लालू की तरफ देखेगा भी नहीं। उन्हीं वोटों की अधिकता से एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनेगी और तीसरी बार मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे।

मुंबई पानी-पानी, उपनगरों में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, मध्य रेलवे की लोकल सेवा प्रभावित

मुंबई, (हि. स.)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पानी-पानी है। कई दिनों से लगातार हो रही बारिश से महानगर का जनजीवन अस्त-व्यस्त है। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी बरसात से जनजीवन प्रभावित हुआ है। निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। कल्याण रेलवे स्टेशन के पास तकनीकी खराबी आने से मध्य रेलवे की लोक सेवा प्रभावित हुई है। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने कहा है कि तकनीकी गड़बड़ी दूर करने के लिए काम जारी है। प्रदेश के कई जिलों में सोमवार से भारी बारिश हो रही है। शनिवार सुबह से हो रही तेज बारिश से दक्षिण मुंबई के दादर लालबाग, गांधी मार्केट, पश्चिमी उपनगर के बांद्रा, अंधेरी , मरोल, बोरीवली और मध्य रेलवे के कुर्ला, विद्याविहार, कांजुरमार्ग आदि इलाके जलमग्र हो गए हैं। कुर्ला से विद्याविहार तक रेलवे की पटरी डूब गई हैं। पश्चिमी उपनगर में अंधेरी और मिलन सब-वे में जलभराव हो जाने से ट्रैफिक प्रभावित हुआ है। मुंबई नगर निगम के कर्मचारी पंपिंग के सहयोग से जलनिकासी कर रहे हैं। राज्य के कोंकण , विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र के कुछ जिलों में कई नदियां उफान पर हैं। कई जगह बाढ़ जैसे हालात हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने आज भी कई जिलों के लिए रेड और येलो अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने रत्नागिरी, पालघर और विदर्भ के चंद्रपुर, गढ़चिरौली, यवतमाल और गोंदिया ,रायगढ़, सातारा जिलों में लोगों को जरूरी काम होने पर घर से निकलने की अपील की है।

जी20 समिट में आए विदेशी मेहमानों ने देखा समृद्ध शहर इंदौर, जाना इतिहास

इंदौर, (हि.स.)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में आयोजित तीन दिवसीय श्रम एवं रोजगार से जुड़ी जी-20 समिट के सफल आयोजन के बाद विदेशी मेहमानों को शनिवार को इस ऐतिहासिक शहर का भ्रमण कराया गया। हेरिटेज वॉक के माध्यम से जी-20 डेलिगेट्स ने राजबाड़ा, कृष्णपुरा छतरी को काफी देर तक निहारा और इसके इतिहास को जाना। इस दौरान उन्होंने कलाकारों के साथ फोटो शूट कराए और सेल्फी भी ली। हेरिटेज वॉक के चलते पुलिस ने सुबह राजबाड़ा क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया था। इंदौर में 19 जुलाई से शुरू हुई जी-20 समिट का शुक्रवार देर शाम समापन हुआ। इसके बाद अतिथियों को रात में शहर के प्रसिद्ध फूड मार्केट 56 दुकान में डिनर कराया गया, जहां मेहमानों ने पावभाजी, पनीर टिक्का, बर्गर, गुलाब जामुन, रसमलाई खाई और इन डिशेज की जमकर तारीफ की। इसके साथ ही यहां की कुल्फी और शिकंजी का भी आनंद लिया। उन्होंने यहां एक फाइव स्टार होटल का अफगानिस्तान चिकन टिक्का, मटन गलोटी कबाब, अजवाइन फिश टिक्का, ऑलिव स्टफ्ड बेबी नॉन, उल्टा तवा पराठा, बेबी लच्छा पराठा, दाल मखानी का भी लुत्फ लिया। शनिवार सुबह जी-20 डेलिगेट्स बोलिया सरकार छत्री से राजवाड़ा तक हेरिटेज वॉक में शामिल हुए। सुबह सात बजे से शुरू हुई इस हेरिटेज वॉक में विदेशी मेहमानों ने शहर के समृद्ध इतिहास की जानकारी हासिल की। इसमें सबसे पहले बोलिया सरकार की छत्री पर ले जाया गया। इसके बाद विदेशी मेहमानों ने राजवाड़ा भी देखा। इस दौरान शहर के इतिहासकार जफर अंसारी, प्रकाश इंदुरकर और शवार्नी ने उन्हें इंदौर के इतिहास और देवी अहिल्याबाई होलकर के बारे में जानकारी दी। इतिहासकारों ने उन्हें बताया किस तरह इंदौर में व्यापार की शुरूआत हुई और यहां पर श्रमिकों के हित के लिए होलकर शासकों ने कार्य किए। विदेशी मेहमानों के लिए राजवाड़ा में नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। राजवाड़ा परिसर में इतिहासकार जफर अंसारी ने अपने संदर्भ में रखे होलकरकालीन बैच, सिक्के और अन्य ऐतिहासिक कलाकृतियों को प्रदर्शित किया था। इसके अलावा होलकर वंशजों की जानकारी संबंधित दस्तावेज भी प्रदर्शित किए थे। इस आयोजन में विदेश से आए करीब 25 डेलिगेट्स शामिल हुए। राजवाड़ा के गेट पर इनका सामूहिक फोटो भी लिया गया। राजवाड़ा पर विदेशी मेहमानों के लिए विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। मेहमानों के सामने बालिकाओं ने कथक नृत्य में मधुराष्टकम् की प्रस्तुति दी। संगीतकार स्मिता बाजपेई ने सितार, चिन्मय विंचूरकर ने सरोद और मृणाल नागर ने तबले पर शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी।

अर्जेंटीना के मंत्री को पसंद आया इंदौर का पोहा-जलेबी – अर्जेंटीना की मंत्री रेक्यूल सेसीलीया किसमेर डी अलमास को सुबह नाश्ते में इंदौर का पोहा और जलेबी काफी पसंद आई। नाश्ते में मेहमानों को पोहा-जलेबी के अलावा समोसा, कचोरी, डोनट्स, स्ट्रॉबेरी तरबूज का जूस, दही, ड्राई फ्रूट्स, कुकीज परोसे गए। इतिहासकार प्रकाश इंदुरकर ने मेहमानों को बताया कि किस तरह होलकरकाल में महाराज के आगमन पर दरबान उनकी अगवानी कर सभा को सूचित करते थे। जी-20 के आयोजन को सफल बनाने पर श्रम व रोजगार मंत्रालय के सचिव और अर्जेंटीना की मंत्री ने जिला प्रशासन वह नगर निगम के अधिकारियों को उपहार देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात जी-20 में आए मेहमानों की इंदौर शहर से विदाई शुरू हुई।

मुख्यमंत्री योगी की प्रदेशवासियों से अपील, 'कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं'

- हमारे लिए पर्यावरण की रक्षा आस्था का विषय : योगी आदित्यनाथ
- उप्र में पूर्वाह्न 11 बजे तक करीब 11 करोड़ पौधों को रोपण पूर्ण

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने संदेश में कहा है कि हमारे लिए पर्यावरण की रक्षा आस्था का विषय है। हमारे पास प्राकृतिक संसाधन हैं, क्योंकि हमारी पिछली पीढ़ियों ने इन संसाधनों की रक्षा की। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ऐसा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इन विचारों को आत्मसात करते हुए आज ह्यपेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ थीम पर प्रारंभ हो रहे वृक्षारोपण जन अभियान-2023 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। इस महाभियान की श्रृंखला में पूरे उत्तर प्रदेश में पूर्वाह्न 11 बजे तक करीब 11 करोड़ पौधों का रोपण हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि आज कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और इस लोक-कल्याणकारी मुहिम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य सहजीवन-सहअस्तिव का संदेश देती अपनी सनातन संस्कृति के जीवनदायक मूल्यों से हमारे जुड़ाव को बढ़ाने का एक महा-अनुष्ठान भी है। अतः पर्यावरण संरक्षण व पारिस्थितिकी संतुलन को सुनिश्चित करते इस ईश्वरीय कार्य में आप सभी की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ट्वीट के जरिये अपने संदेश में कहा है कि भारतीय मनीषा ने वृक्षों को देवतुल्य सम्मान दिया है। वेदों में कहा गया है, रक्षाएं प्रकृति पातुं लोका, अर्थात प्राणि मात्र के लिए प्रकृति की रक्षा कीजिए। उन्होंने लिखा है कि वृक्ष न सिर्फ हमारे जीवन के लिए प्राणवायु आक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन में वृक्षों का अति महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे पूर्वजों ने इस महत्व को स्वीकार कर वृक्ष लगाए और उनका संरक्षण किया। आज हमारी बारी है। आइए, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण महाभियान-2023 को सफल बनाएं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया लेबर-20 सम्मेलन का उद्घाटन

बीएमएस दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन, इसका भाजपा से कोई संबंध नहीं: अनुपम

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को होटल फार्च्यून में बैंक आफ इंडिया वर्कर्स आगेर्नाइजेशन की ओर से आयोजित लेबर-20 सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश एवं देश की समृद्धि में बैंकों का विशेष योगदान है। दुग्ध उत्पादन एवं गेहूं उत्पादन में आज उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। सभी क्षेत्रों में तरक्की के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने भय मुक्त वातारण दिया है। उन्होंने कहा कि मैं सरकार के साथ-साथ भारतीय मजदूर संघ के कार्यों की सराहना कर करता हूं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में भारतवर्ष की लोकप्रियता बढ़ी है। पिछले नौ वर्षों के अंदर ही मोदी सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हो गये हैं। भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता करना हमारे लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर भारतीय मजदर संघ (बीएमएस) के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम और बीएमएस के पूर्व वित्त सचिव सर्वेश चन्द्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम ने कहा कि बीएमएस का भारतीय जनता पार्टी से कोई संबंध नहीं है। कर्मचारियों का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। बीएमएस दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। गैर राजनीतिक संगठन होने के नाते ही हमें अन्य मजदूर संगठनों से अलग करता है। अन्य जितने भी श्रमिक संगठन हैं वह किसी न किसी राजनीतिक दल के सदस्य हैं। पहले लाल झंडा ही ट्रेड यूनियनों की पहचान हुआ करती थी आज स्थिति बदली है और पूरी दुनिया में बीएमएस की धाक है। बीएमएस के पूर्व वित्त सचिव सर्वेश चन्द्र ने कहा कि बीएमएस राष्ट्रहित, उद्योग हित एवं मजदूर हित को ध्यान में रखकर काम करता है। बीएमएस का दृष्टिकोण लोकहितकारी है। शोषितकारी आर्थिक नीति को बदलने की जरूरत है। इसके लिए ट्रेड यूनियन एवं मजदूरों को जागृत होने की जरूरत है। आर्थिक नीति एवं श्रम नीति विश्व की दिशा बदल सकते हैं। आने वाले समय में बीएमएस देश का भाग्य बदलने वाला है।

बैंक आफ इंडिया के सहायक प्रबंधक विवेक निगम ने कहा कि सरकारी बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। इसलिए बैंक ग्रोथ करेगा तो देश ग्रोथ करेगा। आज स्किल्ड लोगों की बैंक को जरूरत है। सरकारी बैंकों का काम सेवा का है। बैंक कर्मचारियों को ग्राहक सेवा को सर्वोपरि मानकर काम करना चाहिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक बैंक आफ इंडिया विश्वजीत मिश्रा, बैंक आफ इंडिया लखनऊ अंचल के प्रबंधक मनोज श्रीवास्तव और एनओबीडब्ल्यू के राष्ट्रीय महामंत्री मनमोहन दास प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अब्बास अंसारी पर भाजपा विधायक के बयान पर सुभासपा कार्यकर्ता खुश

लखनऊ, (हि.स.)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के टिकट पर विधायक बने अब्बास अंसारी पर भाजपा विधायक केतकी सिंह के बयान पर सुभासपा कार्यकर्ता गदगद हो उठे हैं। सुभासपा कार्यकताओं का कहना है कि उनकी पार्टी अब एनडीए का हिस्सा है और इसके साथ पार्टी के विधायक अब्बास भी एनडीए के पक्ष में ही आयेंगे। विधायक केतकी सिंह ने एक बयान में अब्बास अंसारी पर कहा है कि जब तक अब्बास अंसारी पर अपराध सिद्ध नहीं हो जाता है, उसे अपराधी कहना ठीक नहीं है। एनडीए में आने के बाद तो मानसिकता ठीक ही हो जाती है। ओमप्रकाश राजभर और उनके विधायकों का एनडीए में आना एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर है। वहीं सुभासपा के सक्रिय कार्यकताओं ने विधायक केतकी सिंह के बयान पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एनडीए का नेतृत्व करने वाली भाजपा के विधायक का जो बयान सामने आया है, वह सकारात्मक माहौल बनाने वाला है। पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर वर्तमान समय में एक सक्रिय राजनेता है और उन्हें एनडीए में लेने से एनडीए बेहद मजबूत होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में मुख्तार अंसारी के ऊपर कानून व्यवस्था का डंडा चला तो वहीं करोड़ों रुपये की अवैध सम्पत्ति भी जब्त हुई। इसी दौरान मुख्तार की विधानसभा सदस्यता भी चली गयी। मुख्तार के पुत्र अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता इस वक्त ओमप्रकाश राजभर के हाथ में है। जो अब्बास अंसारी एनडीए से दूरी बनाते हैं तो विधानसभा सदस्यता खतरे में पड़ सकती है।

काशी में विश्व का सबसे बड़ा इंटरनेशनल टेंपल्स कन्वेशन और एक्सपो शुरू

वाराणसी, (हि.स.)। विश्व का सबसे बड़ा इंटरनेशनल टेंपल्स कन्वेशन और एक्सपो सिगरा स्थित रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आज सुबह शुरू हो गया है। दुनिया भर के मंदिर प्रमुखों के इस महासम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत करेंगे। महासम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा प्रमुख रूप से केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी भी मौजूद रहेंगे। एक्सपो आयोजक संस्था कनेक्ट के संस्थापक गिरेश कुलकर्णी के अनुसार महासम्मेलन में भारत सहित 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे है। एक्सपो में हिन्दू, बौद्ध, जैन मंदिरों और गुरुद्वारों के करीब 1000 प्रबंधकों की भागीदारी हो रही है। दुनिया भर के 600 मंदिरों के प्रतिनिधि वर्चुअल जुड़ेंगे। महासम्मेलन तीन अलग-अलग सत्र में होगा। कुलकर्णी ने कहा इसमें श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, महाकाल ज्योतिर्लिंग, अयोध्या राम मंदिर, पटना साहेब गुरुद्वारा, चिदंबरम मंदिर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा विरूपक्ष मंदिर हम्पी आंध्र प्रदेश में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम, केरल में पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रतिनिधियों को भी निमंत्रण भेजा गया है। कर्नाटक में विरुपाक्ष मंदिर, मध्य प्रदेश में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और तमिलनाडु में चिदंबरम नटराज मंदिर, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस से जुड़े मंदिरों और जैन धर्मशालाओं के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों को भारतीय संस्कृति और विरासत के करीब लाने के लिए आध्यात्मिक क्षेत्र में एक एग्रीगेटर बनना है। एक्स्पो के जरिए लोग धर्म स्थलों की विविध संस्कृतियों, परंपराओं, कला और शिल्प समेत समृद्ध पूजा स्थल धरोहर के बारे में जान सकेंगे। महासम्मेलन में वित्तीय प्रबंधन और साइबर हमले से जुड़े मसलों पर भी चर्चा होगी। गिरेश कुलकर्णी के अनुसार महासम्मेलन में स्मार्ट टेंपल मिशन को लॉन्च किया जाएगा। इस एक्सपो का उद्देश्य हिंदू, सिख, बौद्ध, और जैन धर्म के भक्ति संस्थानों के प्रतिनिधियों को एक छत के नीचे लाना है।

बीएल संतोष ने भाजपा प्रदेश पदाधिकारी बैठक का किया शुभारंभ

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बी. एल. संतोष ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीन दयाल उपाध्यय के चित्रों पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल उपस्थित रहे। भाजपा की प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों की बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बी. एल. संतोष ने हाल में सम्पन्न पार्टी द्वारा चलाए गए घर-घर जनसम्पर्क महाभियान की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनता से लगातार संवाद व सम्पर्क कार्यकर्ताओं का बना रहना चाहिए। सभी जिलों से आए पदाधिकारियों ने अपने–अपने क्षेत्रों में चलाए गए महासम्पर्क अभियान के तहत कार्यक्रमों की रिपोर्ट रखी। इस पर राष्ट्रीय महामंत्री संगठन ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता से लगातार भाजपा के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सम्पर्क बना रहना चाहिए। उन तक सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देना और पात्रों को उसका लाभ दिलाने में अपने-अपने स्तर पर प्रयास करते रहना चाहिए। बैठक में उन्होंने आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर प्रदेश पदाधिकारियों से चर्चा की और जीत की रणनीति बताई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश भाजपा प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत, प्रदेश महामंत्री संजय राय, एमएलसी सुभाष यदुवंश, बृज बहादुर व संतोष सिंह प्रमुख रूप से देवेश कुरील, कमलावती सिंह, मानवेन्द्र सिंह समेत प्रदेशभर से आए पदाधिकारीगण उपस्थित हैं।

लॉ एंड ऑर्डर पर सीएम हेमंत सोरेन ने डीजीपी को किया तलब

-क्राइम कंट्रोल के लिए खुली छूट, फिर भी बिहार में नहीं रुक रहे अपराध

रांची (ईएमएस)। अपराधों पर अंकुश लगाने डीजीपी को खुली छूट है, फिर भी बिहार में अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे है। इस पर सीएम ने डीजीपी से जवाब मांगा है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के पुलिस अधिकारियों को अगले 15 दिन के अंदर राज्य में विधि-व्यवस्था संधारण की स्थिति में सुधार लाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अपनी कार्यशैली में सुधार करते हुए अपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाएं, अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित पुलिस अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में अपराधियों ने विधि व्यवस्था संधारण को धत्ता बताते हुए कई जघन्य अपराध को अंजाम देने का काम किया है। सीएम ने कहा कि किसी भी हाल में ऐसे अपराध स्वीकार्य नहीं हैं। वर्तमान समय में हो रही अपराधिक घटनाएं राज्य के लिए चिंता का विषय है। अपराधिक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस निमित्त पुलिस बिना किसी दबाव के अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। सीएम हेमंत सोरेन ने डीजीपी को साफ लहजे में कहा कि आपको अपराध पर नियंत्रण के लिए मेरे द्वारा खुली छूट दी हुई है परंतु अपराध नियंत्रण पर सफलता क्यों नहीं मिल रहा है?

मौके पर मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के वरीय अधिकारियों से वर्तमान समय में राज्य के भीतर हो रही अपराधिक घटनाओं एवं अपराध नियंत्रण हेतु कानून व्यवस्था की स्थिति की पूरी जानकारी ली और अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में राज्य के अंदर अपराध के चेहरे हर दिन बदल रहे हैं। नए-नए अपराध को अंजाम दिया जा रहा है। कई अपराध सुनियोजित तरीके से किए जा रहे हैं। कुछ लोग राज्य सरकार की छवि को धूमिल करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने डीजीपी से पूछा कि पुलिस विभाग राज्य में सुनियोजित अपराधिक गतिविधियों एवं नए-नए अपराधों पर शिकंजा क्यों नहीं कस पा रही है। सीएम ने नाराजगी जताते हुए पुलिस अधिकारियों को सूचना तंत्र को मजबूत करने का कड़ा निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि राज्य में विधि व्यवस्था का संधारण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध नियंत्रण में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस प्रशासन के समक्ष नई-नई चुनौतियां आ रही हैं। पुलिस विभाग इन चुनौतियों से निपटने में किसी तरह की लापरवाही न बरतें, अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो, अपराधियों पर किसी भी बड़े समूह का आश्रय क्यों न प्राप्त हुआ हो, पुलिस बिना किसी दबाव के कार्रवाई करना सुनिश्चित करे। किसी भी हाल में राज्य में अपराध का ग्राफ ऊपर नहीं जाना चाहिए।

कुख्यात बदमाश बबलू राय रातू से गिरफ्तार

रांची, (हि.स.)। कोडरमा पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से रातू क्षेत्र से कुख्यात अपराधी बबलू राय को गिरफ्तार किया है। वह जयनगर थाना का वांछित है। बबलू कोडरमा जिले के कई थानों में दर्ज 12 से ज्यादा कांडों में आरोपित रह चुका है। पूर्व में कोडरमा पुलिस ने बबलू राय पर सीसीए भी लगाया था। इससे पूर्व बबलू राय को 2017 में दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। कुछ सालों तक जेल में रहने के बाद बबलू को जमानत मिल गई थी। तीन जनवरी, 2021 को बबलू राय को हथियार की डिलीवरी करने पहुंचने की सूचना पर कोडरमा पुलिस ने थर्मल पावर प्लांट के फोरलेन चौक से गिरफ्तार किया था। उस पर कोडरमा के जयनगर, तिलैया, डोमचांच थाना, चतरा और गोमो रेल थाना में कई मामले दर्ज हैं। रातू थाना प्रभारी ने शनिवार को बताया कि कोडरमा पुलिस ने रातू थाना क्षेत्र से बबलू राय को गिरफ्तार किया। वह कुख्यात अपराधी है। इसके ऊपर कई मामले दर्ज हैं। कोडरमा पुलिस उसे साथ लेकर चली गयी।

कांग्रेस ने मणिपुर के मुख्यमंत्री को हटाने और राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

रांची, (हि.स.)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को तत्काल हटाने और पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। सिन्हा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और उन पर मणिपुर के लोगों की दुर्दशा पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने ने कहा कि मोदी सरकार संसद में इस मुद्दे पर चर्चा नहीं चाहती। क्योंकि, वे अक्षमता, हिंसा के लिए षड्यंत्रकारी उकसावे, रैंक की उदासीनता और लापरवाही के दोषी हैं। मणिपुर के लोग प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की गुहार लगा रहे हैं लेकिन उन्होंने लोगों को सिर्फ पीठ दिखाई है। उन्होंने कहा कि क्या पिछले 80 दिनों से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दंगे हो रहे हैं? क्या इन राज्यों में गांव जलाए जा रहे हैं? क्या इन राज्यों में 50 हजार लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं? सशस्त्र उग्रवादी विद्रोही समूह इन राज्यों में 4500 गंभीर हथियार लूटकर एक-दूसरे पर गोलीबारी कर रहे हैं? सिन्हा ने यह भी आरोप लगाया कि राजस्थान में जो कुछ भी हुआ वह एबीवीपी ने किया था। सरकार ने दो घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। मणिपुर सरकार को 1000 लोगों की भीड़ में से चार लोगों को गिरफ्तार करने में 77 दिन लग गए। उन्होंने यह भी सवाल किया कि मणिपुर सरकार, गृह मंत्रालय, पीएमओ, डब्ल्यूसीडी मंत्री, एनसीडब्ल्यू, एनएचआरसी इतने लंबे समय तक मणिपुर पर क्यों सो रहे थे। जब देश की महिलाएं ही सुरक्षित नहीं है, तो देश सुरक्षित कैसे होगा।

नीतीश मंत्रिमंडल का हो सकता है विस्तार, हर कोटे को खुश करने की रहेगी कोशिश

पटना (ईएमएस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के कैबिनेट विस्तार होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो इस बार हर कोटे को खुश करने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी कुछ दिनों में सीएम नीतीश अपने कैबिनेट में कुछ और मंत्रियों को शामिल कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस और राजद कोटे से दो-दो विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। राजद की ओर से दोबारा राजपूत और भूमिहार चेहरे को मंत्रिमंडल में स्थान दिया जा सकता है। वहीं, कांग्रेस को अगर दो सीटों का कोटा मिलता है, तो माना जा रहा है कि एक सवर्ण और एक पिछड़ी जाति के चेहरे को मौका मिल सकता है। इसी क्रम में बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ। अखिलेश प्रसाद सिंह और बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने का कार्यक्रम है। गौरतलब है कि नीतीश कैबिनेट में कांग्रेस की ओर से फिलहाल आफाक अहमद और मुरारी गौतम मंत्री हैं और कांग्रेस लंबे समय से अपने अन्य नेताओं को कैबिनेट में शामिल करने की मांग करती रही है। कांग्रेस अपनी पार्टी से दो लोगों को मंत्री बनाना चाहती है। हालांकि माना यह भी जा रहा है कि नीतीश सरकार में आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कुछ नए लोगों को कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। जानकारी यह भी मिल रही है कि सुधाकर सिंह और कार्तिक मास्टर के रिप्लेसमेंट के तौर पर उसी कोटे को भरा जाएगा। राजपूत कोटा से डब्लू सिंह और चेतन आनंद हो सकते हैं तो भूमिहार कोटा से कार्तिक मास्टर फिर से बनाए जा सकते हैं। वहीं, कांग्रेस से विजय शंकर दुबे, आनंद कुमार सिंह और वीजेंद्र चौधरी एक मंत्री का विभाग बदल सकता है। गौरतलब है कि बीते महीने जीतन राम मांझी की अगुवाई वाली पार्टी हम के नेता संतोष सुमन ने भी नीतीश सरकार से इस्तीफा दे दिया था। उनकी पार्टी अब एनडीए में शामिल हो चुकी है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत मंत्रियों की संख्या फिलहाल 30 है।

बिहार में कुर्सी के लिए चढ़ा दी गई कानून व्यवस्था की बलि : गिरिराज

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को कहा कि बेगूसराय के तेघड़ा थाना क्षेत्र के पकठौल गांव में लड़की को निर्वस्त्र कर पीटा गया। अब इतनी जघन्य घिनौनी घटना की जिम्मेदारी लेने के नाम पर नीतीश कुमार समेत विपक्ष के तमाम लोग शुतुरमुर्ग की तरह जमीन में मुंह गड़ा देंगे। न्याय की उम्मीद किससे करें, जब बिहार में कुर्सी के लिए कानून व्यवस्था की बलि चढ़ा दी गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि बेगूसराय की यह घटना बहुत ही शर्मनाक है। इस पर बिहार सरकार को तुरंत एक्शन लेना चाहिए। सिर्फ एफआईआर ही नहीं, जल्द से जल्द सभी आरोपित को जेल भेजा जाना चाहिए। इस मामले में कोई भी राजनीतिक नहीं होना चाहिए। बिहार में महिलाओं के साथ गलत व्यवहार हो रहा है, इसपर नीतीश कुमार को ध्यान देना चाहिए। विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जंगलराज के पुरोधा बेगूसराय के तेघड़ा में घटी घटनाओं को देखें और जवाब दें। दलित महिला का चीरहरण हो रहा है और प्रशासन इसे रफा-दफा करने में जुटी हुई है। किसने अधिकार दिया है महिलाओं को निर्वस्त्र करने का। इतनी बड़ी घटना पर चुप्पी क्यों, चीख-चीख कर आवाज उठाने वाले आज चुप क्यों हो गए हैं। बिहार में यह पहली घटना नहीं है, बल्कि पहले भी कई घटनाएं होती रही है लेकिन पुलिस दबा देती है।

मंसूरचक की अद्भुत मूर्तिकला के संवर्धन का मामला पहुंचा राज्यसभा, जीआई टैग मिलने की जगी आशा

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के बेगूसराय जिला के मंसूरचक की प्रसिद्ध मूर्तिकला को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का प्रयास शुरू हो गया है। यह मुद्दा देश के उच्च सदन राज्यसभा सभा के माध्यम से सरकार तक पहुंचा है। उम्मीद है कि अब यहां के मूर्तिकारों की बदहाली समाप्त होगी तथा जीआई टैग मिलने से यहां की सुप्रसिद्ध कला को बेहतर मुकाम मिलेगा। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा ने सदन में अतारांकित प्रश्न के माध्यम से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से पूछा है कि क्या सरकार को पता है कि मंसूरचक में मिट्टी की खूबसूरत मूर्तियां एवं खिलौने इत्यादि बनाने की परम्परा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। सरकार उत्कृष्ट श्रेणी की मूर्तियां बनाने वाले कलाकारों को प्रोत्साहित करने का विचार करेगी। क्या सरकार इस प्रकार के खूबसूरत और लोकप्रिय उत्पाद को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग देने की पहल पर विचार करेगी।इसके जवाब में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने कहा है कि पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) के पास बेगूसराय के मंसूरचक की मूर्तियों, खिलौनों आदि के संबंध में कोई आवेदन लंबित नहीं है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने जीआई सहित आईपीआर से संबंधित मामलों पर केंद्रित कार्रवाई करने के लिए बौद्धिक संपदा और प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीपैम) का गठन किया है। सीपैम को देशभर के स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और उद्योग में आईपीआर जागरूकता अभियान आयोजित करने, प्रवर्तन एजेंसियों और न्यायपालिका के लिए प्रशिक्षण और संवेदीकरण कार्यक्रम चलाने तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रभावी प्रवर्तन के समन्वय का कार्य भी सौंपा गया है। इसके अलावा सरकार ने जीआई के महत्व के संबंध में जागरूकता पैदा करने, पंजीकृत भारतीय जीआई को बढ़ावा देने, संभावित जीआई की पहचान करने तथा हितधारकों को पंजीकरण के लिए प्रेरित कर रही है। इसका क्रियाकलाप शुरू करने के लिए तीन वर्ष की अवधि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के लिए आईपीआर नीति प्रबंधन स्कीम के तहत 75 करोड़ रूपए निश्चित किए हैं। भौगोलिक संकेतक (जीआई) की परिभाषा एक संकेतक की व्याख्या करती है। यह कृषि वस्तुओं, प्राकृतिक वस्तुओं या विनिर्मित वस्तुओं के रूप में ऐसी वस्तुओं की पहचान करता है। जो किसी देश, किसी क्षेत्र अथवा इलाके में उत्पन्न या विनिर्मित है। जहां ऐसी वस्तुओं की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण है। जीआई टैग व्यक्तियों के समूह, उत्पादकों, संबंधित वस्तुओं के उत्पादकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कानून द्वारा स्थापित संगठन अथवा प्राधिकरण की ओर से किए गए आवेदन के आधार पर प्रदान किया जाता है। जीआई के पंजीकरण के लिए कोई भी संगठन जीआई के रजिस्ट्रार के पास आवेदन कर सकता है। मंत्री ने राज्यसभा में कहा है कि जीआई रजिस्ट्री, जीआई संबंधी हितधारकों के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है। आवेदकों को उनके जीआई आवेदन दायर करने तथा उस पर कार्यवाही के संबंध में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराती है। राज्यसभा में मामला उठाए जाने की जानकारी मिलते ही मंसूरचक के कलाकारों में हर्ष है तथा सबों ने सांसद का आभार जताया है।

संपादकीय

मणिपुर का चीरहरण

द्वापर युग में पांडवों की धर्मपत्नी द्रौपदी का चीरहरण नहीं किया जा सका, क्योंकि श्रीकृष्ण ने अपनी माया से उन्हें बेइज्जत होने से बचा लिया था, लेकिन कलियुग के मणिपुर में कोई 'कृष्ण' नहीं बन पाया, नतीजतन 3 महिलाओं को निर्वस्त्र कर सार्वजनिक तौर पर घुमाया गया और एक 21 साला युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। यह है नए भारत के एक राज्य की सोच की एक बानगी... ! यह घिनौनी हरकत और जघन्य आपराधिक घटना बीती 4 मई की है और हम 21 जुलाई को विश्लेषण कर रहे हैं, क्योंकि देश के प्रधानमंत्री तक को इस शर्मनाक, अमानवीय, अश्लील घटना की जानकारी नहीं थी। उनके बयान से साफ है कि इस घटना ने उन्हें अभी पीड़ित और क्रोधित किया है। हालांकि हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि प्रधानमंत्री को ऐसी वारदात का इल्म नहीं होगा। कमोबेश भाजपाई मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने ब्रीफ किया होगा ! खुफिया एजेंसियों के जो प्रमुख नियमित तौर पर प्रधानमंत्री को ब्रीफ करते रहते हैं, क्या उन्हें ऐसी खौफनाक घटना की जानकारी नहीं थी ? तो फिर मणिपुर सरीखे अशांत और हिंसा से जल रहे राज्य में खुफिया-तंत्र क्या कर रहा है? मणिपुर की राज्यपाल भी महिला और केंद्र की प्रतिनिधि हैं। क्या उन तक भी ऐसे भीडक़ांड की भनक तक नहीं पहुंची, क्योंकि औरतों के साथ ऐसा पाशविक सलूक, राज्य की राजधानी इंफाल से, 40-45 किलोमीटर दूर ही किया गया था? अकर्मण्यता की पराकाष्ठा है कि बीती 4 मई को घटना हुई, लेकिन 18 मई को जीरो प्राथमिकी दर्ज की गई और फिर 21 जून को नियमित प्राथमिकी दर्ज हुई, लेकिन 19 जुलाई तक सन्नाटा पसरा रहा। मुख्यमंत्री की सफाई है कि ऐसे ही 100 केस मणिपुर में हुए हैं, इसलिए इंटरनेट बंद करना पड़ा है। एक ही केस की बात न करें, जमीनी हकीकत को देखें। बहरहाल ट्विटर के जरिए यह वीडियो सामने आया, तो सिर्फ हैवानियत और दरिंदगी ही निर्वस्त्र नहीं हुईं, सब कुछ बेनकाब हो गया। हम शुक्रगुजार हैं कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ के संज्ञान में यह अश्लील वीडियो आया और उन्होंने इसे संवैधानिक, मानवाधिकारों का हनन माना। वह भी क्षुब्ध हुए, क्योंकि एक लोकतांत्रिक देश में ऐसी 'राक्षसी हरकतें' स्वीकार्य नहीं हैं। देश का वैश्विक मान-सम्मान निर्वस्त्र हो गया। हमारी सभ्यता, इनसानियत, सुरक्षा बलों, पुलिस और उस इलाके की आबादी भी निर्वस्त्र हो गई। महिलाएं रोती-चीखती रहीं, गिड़गिड़ाती रहीं, लेकिन चौतरफा इलाका मूकदर्शक बना रहा। नारी की इज्जत, गरिमा तार-तार कर दी गई। सिर्फ यह जघन्य अपराध करने वाली भीड़ के चेहरे, हैवान-शैतान की तरह, हंसते रहे। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने गुनहगारों को नहीं बख्शने का बयान दिया है, उसी के बाद मुख्य आरोपित समेत कुल 4 दरिंदों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने हैवानों को फांसी की सजा दिलवाने का आश्वासन दिया है, लेकिन मुख्यमंत्री पर भरोसा ही टूट चुका है। 78 दिन के बाद एक वीडियो के जरिए मणिपुर का यह चीरहरण और भयावह सच सामने आया है। इसकी बुनियादी जवाबदेही किसकी है ? प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इस पर मंथन करें। वे स्वीकार करें अथवा न करें, लेकिन मणिपुर में उनकी डबल इंजन की सरकार के मुख्यमंत्री राज्य को संभालने में नकारा, नाकाम और अक्षम रहे हैं। उन्हें बदला नहीं गया, तो मणिपुर एक राष्ट्रीय मुद्दा बन जाएगा और सत्ताधीशों के हाथ से बहुत कुछ फिसल सकता है। नारी-सम्मान को जिस तरह नग्न किया गया, वह मैतेई-कुकी जातीय टकराव से कहीं ज्यादा भयावह है। दरअसल इसके गर्भ में धर्म और जातीय आरक्षण हैं। बीते 80 दिनों से जो हिंसा, आगजनी, लूटपाट का दौर जारी है, उसका प्रतिशोध यह नहीं हो सकता कि कोई औरतों को ही सरेआम निर्वस्त्र कर दे। आरक्षण नीति पर मंथन होना चाहिए।

> मुख्यमंत्री की सफाई है कि ऐसे ही 100 केस मणिपुर में हुए हैं, इसलिए इंटरनेट बंद करना पड़ा है। एक ही केस की बात न करें, जमीनी हकीकत को देखें। बहरहाल ट्विटर के जरिए यह वीडियो सामने आया, तो सिर्फ हैवानियत और दरिंदगी ही विर्नस्त्र नहीं हुईं, सब कुछ बेनकाब हो गया ।हम शुक्रगुजार हैं कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ के संज्ञान में यह अश्लील वीडियो आया और उन्होंने इसे संवैधानिक, मावनाधिकारों का हनन माना। वह भी क्षुब्ध हुए, क्योंकि एक लोकतांत्रिक देश में ऐसी 'राक्षसी हरकतें' स्वीकार्य नहीं हैं। देश का वैश्विक मान-सम्मान विर्नस्त्र हो गया। हमारी सभ्यता, इनसानियत, सुरक्षा बलों, पुलिस और उस इलाके की आबादी भी विर्नस्त्र हो गई। महिलाएं रोती-चीखती रहीं, गिड़गिड़ाती रहीं, लेकिन चौतरफा इलाका मूकदर्शक बना रहा। नारी की इज्जत, गरिमा तार-तार कर दी गई। सिर्फ यह जघन्य अपराध करने वाली भीड़ के चेहरे, हैवान-शैतान की तरह, हंसते रहे। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने गुनहगारों को नहीं बख्शने का बयान दिया है।

कुछ अलग

शहरों की आत्मनिर्भरता

प्रगति की कवायद में अंतर यही कि आगे भागते इनसान भी अब मुफ्त का पीछा नहीं छोड़ते। हिमाचल की करवटों में कसूर भी यही है कि यहां सरकारी सेवाओं के दायित्व में नागरिक केवल मुफ्त की रेवड़ी को तोलता है। इसी आधार पर कर प्रणाली भी किंतु-परंतुओं में फंस कर असहाय व असमर्थ हो गई है। शहरीकरण की दौड़ में हिमाचल की हस्ती यूं तो आधुनिक बस्तियों, कामर्शियल कांप्लेक्सों तथा नगर निकायों से बढ़ती अपेक्षाओं में दर्ज हो रही है, लेकिन शहरी मानसिकता में पलती जनता सुविधाओं का वित्तीय बोझ उठाना नहीं चाहती। पहले मुर्गी या अंडे जैसी स्थिति में नए नगर निगमों का गठन भी इसी उधेड़बुन में है कि प्रॉपर्टी टैक्स का दायरा किस तरह बढ़ाया जाए। यानी नगर निगमों के दायरे में आए शहरी गांवों के आचरण में कर्ज अदायगी का फंडा कैसे अपनाया जाए। शिमला के बाद 2015 में बना धर्मशाला नगर निगम अपने सात साल के अस्तित्व के बावजूद नए क्षेत्रों में प्रॉपटी टैक्स नहीं वसूल पाया, तो इसके कई मायने हो सकते हैं। या तो शामिल किए गए गांवों में नगर निगम सरीखा कुछ नहीं हुआ या जन भागीदारी में इस तरह के संस्कार ही पैदा नहीं हुए कि शहर को आत्मनिर्भर बनाया जाए। दरअसल शहरी विकास मंत्रालय के पास न तो शहरी निकायों के आय-व्यय के बीच संतुलन बनाने का कोई विकल्प है, न फंडिंग का कोई जरिया और न ही आत्मनिर्भरता के लिए कोई खाका बना। नतीजतन 61 नगर निकायों तथा 35 अधिसूचित विशेष क्षेत्र विकास एजेंसी (साडा) के आर्थिक विकास के लिए कोई भी दिशा तय नहीं। बिना किसी सर्वेक्षण और मॉनिटरिंग के नगर निकाय तो बढ़ गए, लेकिन उनका हुलिया नहीं बदला। आय के साधन बढ़ाने के लिए शहरों का वर्गीकरण जरूरी है ताकि विकास योजना बनाते हुए ही यह तय हो जाए कि नगर की प्रवृत्ति में पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, शिक्षा हब, व्यापारिक केंद्र, औद्योगिक केंद्र, स्वास्थ्य या मनोरंजन केंद्र बनाने की किस तरह की संभावना व क्षमता है। हिमाचल के कुछ शहर अलग-अलग संभावनाओं, शिक्षा-चिकित्सा के कारण ग्रामीण व ट्राइबल पलायनकर्ताओं के आश्रय स्थल बनते-बनते आज व्यापक दृष्टि की मांग करते हैं। मनाली, धर्मशाला, सोलन व पालमपुर में लाहुल-स्पीति, किन्नौर, भरमौर व पांगी क्षेत्रों में पलायन करके आए लोगों का नया ठिकाना बने तो यहां आवासीय बस्तियों के माध्यम से नगर निकाय अपनी आर्थिक संभावनाओं को पूरा कर सकते थे। देखते ही देखते कई शहर व्यापारिक प्रतिष्ठानों के कारण प्रमुख केंद्र बन गए, लेकिन शहरी विकास में यह दर्ज होता तो नगर निकाय आधुनिक बाजारों के निर्माण से आय के स्रोत पैदा कर लेते। इसी तरह धार्मिक नगरियां अगर शहरी आय की स्रोत बनतीं, तो ज्वालाजी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा, चामुंडा, चिंतपूर्णी त्रिलोकपुर (बालासुंदरी) जैसे आस्था केंद्र अपने साथ आर्थिक विकास का मानचित्र भी विकसित कर सकते हैं। प्रदेश के 61 नगर निकाय नई तरह की आर्थिकी का संचार करते हुए रोजगार के अलावा ऐसे शहरों को जन्म दे सकते हैं, जो आत्मनिर्भर ढांचे के तहत हिमाचल को एक मुकाम तक ले जाने में सक्षम होंगे। इसके लिए शहरी विकास की नई परिभाषा में विभागीय रणनीति को संगठित तथा सक्रिय करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तारीकरण से गगल जैसा एक व्यापारिक कस्बा पूरी तरह उजड़ेगा, लेकिन इसके साथ नई संभावनाओं का अक्स जोड़ते हुए योजना बने तो एक नया बाइब्रेंट शहर का उदय हो सकता है। गगल को पुनर्स्थापित करते हुए एक ट्रांसपोर्ट नगर, एक व्यापारिक या निवेश केंद्र विकसित किया जा सकता है। इतना ही नहीं एयरपोर्ट विस्तार के साथ एयरपोर्ट नगर विकसित किया जाए, तो यह पर्यटन का अनूठा प्रयोग होगा।

लोकतंत्र में लोकसेवकों से निष्पक्षता, ईमानदारी एवं कार्यदक्षता के आधार पर फैसले की उम्मीद की जाती है

आखिर क्यों देश की उम्मीदों पर कभी खरी नहीं उतर पाती नौकरशाही?

ललित गर्ग

> नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्टता का जाल पात-पात। विडम्बना तो यह है कि नेतृत्व करने वाली ताकतें भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। मद्रास हाईकोर्ट की हाल ही में की गयी टिप्पणी नौकरशाहों की उस प्रवृत्ति को उजागर करने वाली है जिसमें वे सत्ताधारी दलों का पिछल्लगू बनकर काम करते हैं। तमिलनाडु के पूर्व सीएम एके पलानीस्वामी के खिलाफ हाईवे निविदा के मामले में नए सिरे से जांच के सरकार के आदेश को रद्द करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान लागू होने के 73 साल बाद कड़वी हकीकत यह है कि कार्यपालिका ने अपनी स्वतंत्रता लगभग खो दी है।

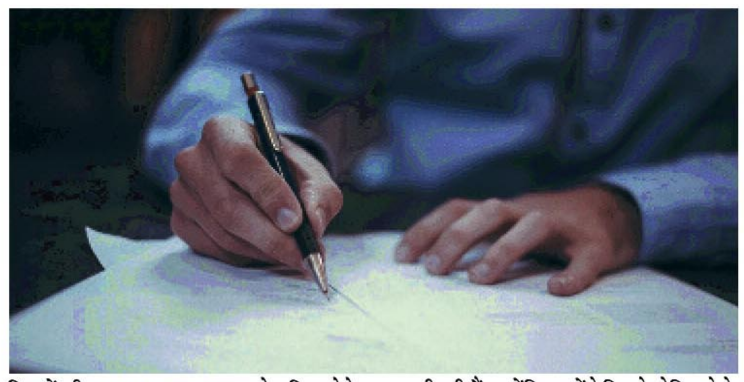

लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभों में से एक कार्यपालिका लगातार प्रश्नों के घेरों में रहती रही है, आजादी के अमृतकाल में भी कार्यपालिका के भ्रष्ट, लापरवाह एवं गैरजिम्मेदार होना नये भारत-सशक्त भारत की सबसे बड़ी बाधा है। नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्टता का जाल पात-पात। विडम्बना तो यह है कि नेतृत्व करने वाली ताकतें भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। मद्रास हाईकोर्ट की हाल ही में की गयी टिप्पणी नौकरशाहों की उस प्रवृत्ति को उजागर करने वाली है जिसमें वे सत्ताधारी दलों का पिछल्लगू बनकर काम करते हैं। तमिलनाडु के पूर्व सीएम एके पलानीस्वामी के खिलाफ हाईवे निविदा के मामले में नए सिरे से जांच के सरकार के आदेश को रद्द करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान लागू होने के 73 साल बाद कड़वी हकीकत यह है कि कार्यपालिका ने अपनी स्वतंत्रता लगभग खो दी है। इतना ही नहीं, वह सत्ताधारी राजनीतिक दल के आदेशों को क्रियान्वित करने वाला औजार बन गया है। सत्ता बदलाव के साथ ही कार्यपालिका की कार्यप्रणाली में बदलाव का यह उदाहरण अकेला नहीं है। कमोबेश सभी राज्यों में यह देखने में आता है कि सरकारी कार्यालयों में बदले की भावना से पूर्व सरकारों के कामकाज से जुड़े मामलों की जांच की फाइलें फिर से खंगालने का काम शुरु हो जाता है। न्यायपालिका की यह टिप्पणी जाहिर करती है कि सरकारें मौके-बेमौके अपने विरोधियों को सबक सिखाने के लिए जांच एजेंसियों का हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। नौकरशाही को यों तो विधायिका की आंख, नाक व कान की संज्ञा दी जाती है। लेकिन हकीकत यह है कि सत्ता में बैठे लोग कार्यपालिका से जो काम कराना चाहते हैं उसी फाइल पर पंख लगते हैं। भले ही वह काम जायज हो या नाजायज। ऐसे में कार्यपालिका से जुड़े ज्यादातर लोग सरकारों के राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप काम करने लगते हैं। राष्ट्र के संचालन, सुरक्षा, कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कार्यपालिका महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं जबकि नियमों की पालना व आम जनता को सुविधा देने में अफसरशाही ने लाल फीतों की बाधाएं बना रखी हैं। प्रशासकों की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है ? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है। नौकरशाह की सोच बन गई है कि सरकारी तनख्वाह तो केवल टेबल-कुर्सी पर बैठने के लिए मिलती है, काम के लिए तो और चाहिए। इसके लिये वे सत्ताधारी नेताओं एवं मंत्रियों के इशारों पर नाचते हैं। पदोन्नति, मलाईदार पदों पर नियुक्ति और अन्य तरीकों से दिया जाने वाला प्रलोभन प्रशासन तंत्र को सत्ता के पक्ष में करने के लिए काफी है, जबकि लोकतंत्र में लोकसेवकों से निष्पक्षता, ईमानदारी एवं कार्यदक्षता के आधार पर फैसले की उम्मीद की जाती है। नौकरशाह यदि सत्ताधारी दल के एजेंट के रूप में काम करते हुए दिखेंगे तो जाहिर है कार्यपालिका से जनता का भरोसा टूटेगा ही। ऐसे में कार्यपालिका के लिए अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखना जरूरी है। इसी कारण प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) के मौजूदा निदेशक संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को सर्वोच्च न्यायालय ने अवैध ठहराया है क्योंकि उनको 3 बार जो सेवा विस्तार दिया गया, इस तरह लगातार सेवा विस्तार देने का उद्देश्य क्या था? जबकि संजय कुमार मिश्रा की भ्रष्टाचारमुक्त कार्यप्रणाली के बावजूद उन पर लगातार उंगलियां उठती रही हैं। क्योंकि उन्होंने जितने नोटिस भेजे, छापे डाले, गिरफ्तारियां कीं या संपत्तियां जब्त कीं, वे सब विपक्ष के नेताओं के खिलाफ थीं। इससे भी ज्यादा विवाद का विषय यह था कि विपक्ष के जिन नेताओं ने ई.डी. की ऐसी कार्रवाई से डर कर भाजपा का दामन थामा, उनके विरुद्ध आगे की कार्रवाई फौरन रोक दी गई। यह निहायत अनैतिक कृत्य था, जिसका विपक्षी नेताओं ने तो विरोध किया ही, देश-विदेश में भी गलत संदेश गया। बावजूद इसके केंद्रीय एजेंसियां ईडी, सीबीआई अथवा आयकर विभाग ने जो इन दिनों राजनीतिक दलों एवं नेताओं के पर कार्रवाई की, भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिये नौकरशाही की यह भूमिका अपेक्षित भी है। आजादी के बाद से भ्रष्टाचार एवं घोटालों पर नियंत्रण के लिये आवाज उठती रही है, इसके लिये आन्दोलन एवं अनशन भी होते रहे हैं, लेकिन सबसे प्रभावी तरीका केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई एवं न्यायालयों की सख्ती ही है, जो भ्रष्टाचारियों पर सीधा हमला करती है। देश में सर्वाधिक भ्रष्टाचार राजनीतिक दलों में ही व्याप्त रहा है, इसलिये नौकरीशाही का नेताओं पर आक्रामक होने का यह पहला अवसर है, अब तक केन्द्रीय एजेंसियां की कार्रवाईयां नेताओं पर प्रभावी नहीं हो पा रही थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता हासिल करते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कमर कसी है, जिसका असर देखने को मिल रहा है। भले ही इन दिनों हो रही केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को राजनीतिक प्रेरित बताया जाये, लेकिन इससे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में एक कारगर एवं प्रभावी कदम कहा जायेगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी हो या कांग्रेस या अन्य राजनीतिक दल, जब-जब उनके भ्रष्टाचार उजागर हुए, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, उसे डराने का हथकंडा कहा गया हो या राजनीतिक प्रेरित, जनता ने उनका स्वागत ही किया है। राजनीतिक एवं नौकरशाही से जुड़े भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने की मानसिकता से उबरना ही होगा। प्रभावी कार्य के आधार पर अधिकारियों के पदस्थापन एवं एक ही पद पर बार-बार विस्तार भी होने लगते हैं। जाहिर तौर पर कार्यपालिका में सरकार के पक्ष व विपक्ष के धड़े भी बनते दिखते हैं। इनमें पक्ष का धड़ा सत्ता के साथ रहने में माहिर माना जाता है। नौकरशाही में यह बदलाव कार्यपालिका को लगातार कमजोर करता जा रहा है, इसमें संशय नहीं। जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबको कानून-कायदों की परिधि में रहकर काम करना होता है फिर चाहे वह सत्ता का अंग हो या कार्यपालिका का। पर देखा जाता है कि सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दल भी इन संस्थाओं को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश करते हैं। भले ही खुद भाजपा सरकार प्रश्नों से घिरी हो, फिर भी निश्चित ही वर्तमान सरकार के प्रयासों एवं नीतियों से प्रशासनिक क्षेत्र जागा है, भ्रष्टाचार कम हुआ है, जिम्मेदारी का अहसास सरकारी कामों में गति के साथ निष्पक्षता ला रहा है। सरकार में अब कर्मचारियों के कामकाज के नियमित मूल्यांकन पर भी विचार चल रहा है। प्रशासनिक सुधार की जरूरत महसूस करते हुए उसे दक्ष, जिम्मेदारी एवं समयबद्ध करने की आवश्यकता लंबे समय से रेखांकित की जाती रही है। इससे भी ज्यादा जरूरी है प्रशासन को भ्रष्टाचारमुक्त बनाने की। इसके लिए गठित समितियां और आयोग अनेक मौकों पर अपने सुझाव पेश कर चुके हैं। उनमें से कुछ को लागू भी किया गया, पर प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों से जैसी दक्षता, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, समयबद्धता और जवाबदेही की अपेक्षा की जाती रही है।

यूसीसी लोगों को जोड़ने के लिए, बांटने के लिए नहीं

> ग्रैनविले ऑस्टिन ने भारत के संविधान के निर्माण के बारे में अपनी पुस्तक में लिखा। नेहरू को बाद में एहसास हुआ कि यूसीसी को लागू करना कितना मुश्किल था जब उन्होंने 1951 में हिंदू कोड बिल को अधिनियमित करने की कोशिश की। राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने इसे ''अत्यधिक भेदभावपूर्ण'' बताते हुए इसका जोरदार विरोध किया, और देश एक संवैधानिक संकट से तभी बचा जब नेहरू इसे स्थगित करने के लिए सहमत हुए। इससे उनके कानून मंत्री बीआर अंबेडकर नाराज हो गए और उन्होंने इस मुद्दे पर इस्तीफा दे दिया। मोदी सरकार अधिक समझदारी से काम ले सकती है और धार्मिक स्वतंत्रता पर कदम उठाने से बच सकती है, यदि वह अमेरिका के संविधान से एक विचार उधार लेते हुए यूसीसी को एक एकल कानून के रूप में नहीं बनाती है।

भारत की प्रसिद्ध 'अनेकता में एकता' एक बार फिर खतरे में पड़ सकती है। हिंदू राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने संसद के आगामी सत्र में एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पारित करने के अपने इरादे की घोषणा की है। यह सभी भारतीयों के लिए स्थापित होगी- उनकी जातीयता या धर्म की परवाह किए बिना। यानी विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और विरासत सहित व्यक्तिगत मामलों के लिए नियमों का एक सेट। मोदी सरकार का तर्क है कि यूसीसी देश की एकता, कानूनों की एकरूपता, लोगों की समानता, और महिलाओं के अधिकारों के लिए वांछनीय है। हालाँकि, विपक्ष को उनके बहुसंख्यकवादी इरादे का डर है। उदाहरण के लिए, भारत के प्रमुख मुस्लिम निकायों ने घोषणा की है कि यूसीसी 'संविधान, स्वतंत्रता और विविधता के खिलाफ है। झारखंड में आदिवासी समूहों को डर है कि इससे उनके प्रथागत कानून कमजोर हो जायेंगे। यहां तक कि शिव सेना और अन्नाद्रमुक जैसे हिंदू संगठन भी विरोध में खड़े हो गए हैं। उनका तर्क है कि यूसीसी धार्मिक स्वतंत्रता को सीमित कर देगा और देश का ध्रुवीकरण कर देगा। लेकिन भारत की बहुसंख्यकवादी संसदीय प्रणाली के चलते सरकार के पास अपनी इच्छानुसार कोई भी कानून बनाने का साधन है। उसका तर्क है कि यूसीसी पहले से ही संविधान में है और यूसीसी को एकल कानून के रूप में तैयार करने के खिलाफ भारत के संस्थापकों ने यूसीसी को संविधान में एक न्याय अंतर्गत खंड के बजाय एक 'निर्देशक सिद्धांत' बनाया क्योंकि इस पर कोई आम सहमति नहीं थी। ''इस निर्णय के पीछे कारण, जैसा कि पहली नजर में लग सकता है, हिंदू रूढ़िवाद के साथ टकराव से बचने की इच्छा नहीं थी, बल्कि मुसलमानों और सिखों के डर के प्रति, विशेष रूप से नेहरू की संवेदनशीलता थी।'' ग्रैनविले ऑस्टिन ने भारत के संविधान के निर्माण के बारे में अपनी पुस्तक में लिखा। नेहरू को बाद में एहसास हुआ कि यूसीसी को लागू करना कितना मुश्किल था जब उन्होंने 1951 में हिंदू कोड बिल को अधिनियमित करने की कोशिश की। राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने इसे ''अत्यधिक भेदभावपूर्ण'' बताते हुए इसका जोरदार विरोध किया, और देश एक संवैधानिक संकट से तभी बचा जब नेहरू इसे स्थगित करने के लिए सहमत हुए। इससे उनके कानून मंत्री बीआर अंबेडकर नाराज हो गए और उन्होंने इस मुद्दे पर इस्तीफा दे दिया। मोदी सरकार अधिक समझदारी से काम ले सकती है और धार्मिक स्वतंत्रता पर कदम उठाने से बच सकती है, यदि वह अमेरिका के संविधान से एक विचार उधार लेते हुए यूसीसी को एक एकल कानून के रूप में नहीं बनाती है। यूसीसी को लागू करने का एक सर्वसम्मत तरीका राष्ट्रीय सर्वोच्चता, स्थानीय स्वतंत्रता, और धर्म और राज्य के अलगाव के अमेरिकी सिद्धांतों का पालन करना होगा। यह राष्ट्रीय एकरूपता और स्थानीय जातीय अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम संयोजन प्रदान करेगा। यह भारत के धार्मिक बहुलवाद को भी मजबूत करेगा, और किसी भी धर्म या राज्य की सांप्रदायिकता पर अंकुश लगाएगा। राष्ट्रीय सर्वोच्चता केंद्र को राज्यों द्वारा पारित कानूनों को निरस्त करने की अनुमति देती है। अमेरिकी संविधान में 'राष्ट्रीय सर्वोच्चता खंड' (अनुच्छेद 6, खंड 2) है, भारत में वही धारणा मौजूद है सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए एक निर्णय के रूप में। यदि भारत इस प्रावधान को मजबूत करता है, जैसे कि एक संवैधानिक संशोधन द्वारा, तो यह व्यापक राष्ट्रीय सहमति वाले संघीय कानूनों को पूरे देश में समान रूप से लागू करने की अनुमति देगा। इस प्रकार, मोदी सरकार नागरिक संहिता में सबसे महत्त्वपूर्ण मामलों, जैसे समानता, महिलाओं के अधिकार, गैर-भेदभाव और धार्मिक रूपांतरण पर 'एक राष्ट्र-एक कानून' ला सकती है। जैसे-जैसे देश में अधिक आम सहमति बनती है, भारत एकरूपता और धार्मिक सुधार में और अधिक प्रगति प्राप्त कर सकता है। स्थानीय स्वतंत्रता भी पहले से ही भारत के संघवाद की एक विशेषता है, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में है, लेकिन इसमें एक अंतर है। हमारी अंतर्निहित एकात्मक संसदीय प्रणाली के कारण, भारतीय राज्य कानून पारित करने में उतने स्वतंत्र नहीं हैं। लेकिन अगर उन्हें पार्टी आकाओं और केंद्र दोनों से अधिक स्वतंत्रता दी जाए तो वे स्थानीय जातीय और सांस्कृतिक भावनाओं को प्रतिबिंबित करने वाले नागरिक कानून बना सकते हैं। इसमें रीति-रिवाज, अनुष्ठान और समारोह जैसे मामले शामिल हो सकते हैं। और अन्य मामले जैसे कि जन्म, मृत्यु, विवाह और तलाक का पंजीकरण; अलगाव, तलाक, गुजारा भत्ता और पुनर्विवाह की आवश्यकताएं; उत्तराधिकार और विरासत के नियम, और अन्य प्रावधान जो राष्ट्रीय कानूनों में शामिल नहीं हैं। ऐसा लगता है कि मोदी सरकार पहले से ही यह दृष्टिकोण अपना रही है – कथित तौर पर उत्तराखंड राज्य अपना स्वयं का यूसीसी बना रहा है। लेकिन अधिक ठोस और कम वैचारिक राष्ट्रीय प्रयास की आवश्यकता है।

नागरिक बोध

टमाटर महंगे होने के फायदे

विकास विकास और विनाश का डंका एक साथ, ज़ोर शोर से बज रहा हो तो टमाटर भी महंगे कैसे न हों। टमाटर महंगे होने का पहला असर रसोई पर पड़ता है। उधर टमाटर ऐसे इतराते हैं मानो हलवाई ने स्वादिष्ट मिठाई सजाई हो, इधर घर पर टमाटर उपलब्ध न होने के कारण पत्नी 'स्वादिष्ट' सब्जी बनाने से इंकार कर देती है। हमने पत्नी से निवेदन किया, माहौल को सकारात्मक बनाए रखें और टमाटर महंगे हो जाने का फायदा उठाएं। उन्होंने मेहरबानी की और दही और इमली की ग्रेवी में लाजवाब सब्जी बना डाली। टमाटर न खरीद पाने का फायदा हो गया। कहा गया है 'आवश्यकता आविष्कार की जननी है'। सो हमने उन परिचितों से बात की जो हमेशा बिना टमाटर के ही सब्जी खाते हैं और पूर्णतया स्वस्थ भी हैं। टमाटर ही क्या, खाने की कोई भी चीज़ महंगी होकर, इनसान को किफायत से खर्च करना सिखा देती है। टमाटर महंगे होने के कारण ही नए तरीके से सब्जियां पकाई जाती हैं। सब्जियां शौक और मेहनत से पकाकर, कितने हफ्तों से न मिली न दिखी पड़ोसन को देने चली जाती हैं। उन्हें फेसबुक पढने से ज्यादा फेस टू फेस गप्पें मारना अच्छा लगने लगता है। कुछ उत्साही गृहणियां नया ज़रूर पकाकर ज़्यादा से ज्यादा लाइक्स पाने में भी जुट जाती हैं। टमाटर की जगह दही या इमली उपयोग होती है जो सस्ती पड़ती है और ग्रेवी भी अधिक बनती है। टमाटर ज़्यादा दिन महंगे ही रहें तो पत्नियां, जि न्हें अच्छी दही ज मा ना नहीं आता, सीख जाती हैं। यह बातें नवयुगीन वधुओं के सन्दर्भ में नहीं कर सकते क्योंकि टमाटर जैसी 'सिल्ली' वस्तु उनकी 'प्रीओरिटी' में नहीं है। बागवानी के शौकीनों को गमलों में टमाटर उगाने की प्रेरणा मिलती है, साथ में धनिया, पुदीना, मिर्च, कड़ी पत्ता, अजवाइन भी घर में उगने लगते हैं। थोक विक्रेताओं और कोल्ड स्टोरेज वालों का लाभ बढ़ जाता है जो टमाटर महंगा बेचने की जुगाड़ करते हैं। टमाटर सस्ते हों तो भी हम प्रत्येक टमाटर छांट कर लेंगे और कहेंगे ठीक लगा लो भैया, वह बात अलग है कि दुकानदार सड़ते हुए टमाटरों को उल्टा कर रखते हैं ताकि एक बार बिक जाएं। टमाटर फल है सब्जी नहीं और जब सेब, टमाटर वाली दरों पर मिल रहे हों तो सेब प्रयोग करना चाहिए। 'सेब पेस्ट' में छौंकी सब्जी कई रसोइयों में पहली बार बनेगी और सेल्फी लेकर प्रसिद्ध कर देगी। ख़ास हो जाने वाले टमाटर रसोई में नहीं होंगे तो पत्नियां साबित कर देंगी कि असली स्वाद खाद्य पदार्थों में नहीं, प्रेम और समर्पण में छिपा है। पति तारीफ करेंगे तो पत्नियों को अन्य फायदे भी हो सकते हैं। देश की राजधानी दिल्ली का इतिहास अगर बदल न दिया हो तो कहीं एक पृष्ठ पर लिखा है महंगे प्याज़ ने एक बार सरकार गिरवा दी थी, मगर अभी ऐसा होना संभव नहीं है क्योंकि फिलहाल, टमाटर महंगा है। वैसे, टमाटरों ने महंगे बिक कर बागवानों के चेहरों और परिवारों में रौनक ला दी है और अब बहुतों के ऋण खाते एनपीए होने से बच जाएंगे। इससे कुछ बैंक शाखाओं की साख बची रहेगी। टमाटर महंगे होने के नुकसान आपको पता हैं, मगर यहां लिखने नहीं हैं। जब विकास की धुन पर सकारात्मकता, सुन्दर लुभावना नृत्य कर रही तो संतुष्ट रह कर केवल ताली बजानी चाहिए।

देश दुनीया से

मिडल बाजार का धमाका व खूबसूरत चर्चाएं

जिस दिन शिमला के मिडल बाजार में धमाका हुआ, हम आशियाना रेस्तरां में चाय पी रहे थे। धमाका इतना तेज था कि रेस्तरां पूरा हिल गया और भीतर बैठे लोग बाहर भाग लिए। जब टाउन हाल के पास आए तो रास्ते बंद थे। दमकल के साथ साथ कई एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई। तरह तरह की बातें, तरह तरह के कयास। कोई कह रहा था चार मौतें हुई तो कोई आठ तो कोई एक बता रहा था। लगभग 25 दुकानों को धमाके से नुकसान हुआ और एक व्यापारी की मौत हो गई जो साथ के ही शिव मंदिर से पूजा करके आ रहे थे। यह राह चलती मौत थी। हादसे में 10 से 12 लोग घायल हो गए। धमाका उस दुकान में हुआ जो बंद थी। लोग बताते हैं कि इस धमाके का रेडियस एक किलोमीटर तक था। यानी बीएसएनएल भवन से शिमला क्लब तक। मॉल, मिडिल और लोअर बाजार तक के व्यापारी अपनी अपनी शॉप्स से बाहर भाग लिए। दुकानों के शीशे टूट गए। साथ वाली दुकानें तो तहस नहस। कहा गया सिलेंडर फट गया। जो अगले दिन झूठ निकला। फिर कंप्रेशर पर बात अटकी और फिर किसी एक्सप्लोजन की। और अंत में अब गैस रिसाव। तीन दिनों से मॉल पर टहलते लोगों, व्यापारियों की घबराहटें देखी सुनी जा सकती हैं। वे इसे कुछ बड़ा मान रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक कॉफी हाउस शिमला से लेकर शेरे पंजाब तक मिडिल बाजार की गलियों में लगभग सौ से ज्यादा ढाबे चल रहे हैं। शहर के लोग बताते हैं किसी के पास एनओसी नहीं। फायर उपकरण नहीं। कोई डेढ़ कमरे में तो कोई ढाई कमरे में चल रहे हैं। किचन तंग और कोई प्रॉपर वेंटिलेशन नहीं। कई ढाबों में यूपी, बिहार, पंजाब के नौकर ही खिला पिला रहे। मालिक बस पैसे लेने आते हैं। कुछ दूरी पर जिलाधीश कार्यालय है। एसपी ऑफिस है। फूड संचालन कार्यालय। साथ मॉल पर पुलिस चौकी। लगातार पुलिस गश्त। अब पुलिस वालों के पास स्वचालित पैर गाडियां नहीं, पैदल ही चल रहे हैं। शायद किसी को याद नहीं वे मॉल से मिडिल बाजार कब उतरे होंगे... ? कब कोई फूड इंस्पेक्टर उधर चाय की घूंट लेने आया होगा... ? हमारी परंपरा रही है कि हादसे होने दो, उसके बाद भागो दौड़ो, कानूनी कमियां निकालो, गैस रिसाव, सिलेंडर, आग को दोषी बताओ...किसी मालिक महोदय की कोई जिम्मेदारी नहीं...। अब मामले व्यापार कानूनों पर नहीं रसूखों पर चलते हैं, पर बेचारे वे कहां जाएं जो कानून पर, नियमों पर चलते हैं और भारी भरकम जीएसटी देते हैं। जांच हो गई है...मामला हल...जिस परिवार का सदस्य गया वहां कई कई दिनों मातम। जो घायल, वे अस्पतालों में तड़पते हुए। एक कथा सुनिए...एक छाबड़ी वाला आम बेच रहा है। ग्राहक जनता देख रही है, कह रही है उसकी टोकरी में आम है। तभी प्रशासन सरकार का कोई आदमी आकर कहने लगता है कि टोकरी में आम नहीं, नींबू है। मीडिया उसकी बात मान कर टोकरी में नींबू कहने लगता है। एक तरफ जनता है जो आम देख रही है। दूसरी तरफ सरकार प्रशासन को उसे नींबू बता रही है। छाबड़ी वाला परेशान होकर जोर जोर से चिल्लाने लगता है...नींबू ले लो, नींबू ले लो। जनता मौन है। अब समय सरकार का है, जनता का नहीं है। इसलिए धमाका गैस रिसाव से हुआ है तो...आप सरकार, प्रशासन, मीडिया को कैसे झुठला सकते हैं।

> यह समय सरकार और मीडिया का है...उनके बोल, उनकी रिपोर्ट, उनकी जांच सिर माथे। क्या पता दूसरी तीसरी जांच में आ जाए कि धमाका अगरबत्ती से हुआ था। लाला जी भगवान जी की मूर्ति के सामने धूप जलाकर दुकान बंद करके चले गए थे, अगरबत्ती का दम घुटा और धमाका... । इसलिए अपना ध्यान खुद रखो। सुरक्षित रहो। क्या पता ईश्वर जी कब पुल तोड़ दे, कब किसी डंगे को गिरा दे, कब बाढ़ ला दे, घर गिरा दे। अब आप ईश्वर पर तो मुकद्दमा नहीं कर सकते... ? उसी तरह न सिलेंडर पर, न गैस रिसाव पर। फिर वो शे'र याद आ गया : 'ये हादसों का शहर है /तुम संभल संभल कर चला करो।' शिमला में दुकानों और घरों का निर्माण इस तरह हुआ है कि बीच में एंबुलैंस, फायर ब्रिगेड या चलने-फिरने तक को जगह नहीं छोड़ी गई है। शिमला अब कंकरीट का शहर है। यहां अगर बड़ा हादसा हो गया, तो घटनास्थल पर राहत कार्य चलाना मुश्किल है...

कनाडा में चीन की मदद करने वाला रिटायर्ड पुलिसकर्मी गिरफ्तार : जासूसी और साजिश रचने के आरोप लगे; ड्रैगन के नाम पर लोगों को डराया

ओटावा।
कनाडा ने अपने एक रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर को गिरफ्तार किया है। 60 वर्षीय रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर पर आरोप है कि वह अवैध तरीके से चीन की मदद कर रहा था। मामले की जांच 2021 में शुरू हुई थी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बताया कि गिरफ्तार पुलिस ऑफिसर का नाम विलियम मैजशर है और वह मूल रूप से हांगकांग का है। मैजशर पर आरोप लगे हैं कि उसने अपनी जानकारी और नेटवर्क का इस्तेमाल कर चीन को फायदा पहुंचाने वाली खुफिया जानकारी इकट्ठा की। पुलिस ने बताया है कि मैजशर के खिलाफ सूचना सुरक्षा कानून और विदेशी संगठन के लिए जासूसी और साजिश रचने के मामलों में केस दर्ज किया गया है।

लोगों को धमकी देता था रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर

मैजशर की इन संदिग्ध गतिविधियों को लेकर 2021 में जांच बिठाई गई थी। आरोप है कि इस रिटायर्ड ऑफिसर ने कनाडा के कानून के दायरे से बाहर रहे लोगों की पहचान करने और उन्हें डराने और धमकियां देने में भी चीन सरकार की मदद की। इन आरोपों पर जब चीन के दूतावास से संपर्क किया गया तो वहां से कोई जवाब नहीं आया।

वहीं, ये पहला मामला नहीं है जब कनाडा में चीन पर इस तरह के आरोप लगे हैं। इससे पहले चीन पर कनाडा में खुफिया पुलिस स्टेशन बनाने और यहां तक कि हांगकांग में कनाडाई एमपी के रिश्तेदारों पर हमले करवाने के भी आरोप लग चुके हैं। चीन हमेशा इन गलत बताता रहा है।

जी20 में कनाडाई पीएम -जिनपिंग भिड़े थे शी जिनपिंग

2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी-20 समिट के दूसरे और आखिरी दिन एक अजीब वाकया हुआ था। समिट के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच मीडिया कैमरों के सामने बहस हो गई थी। जिनपिंग ने ट्रूडो से शिकायती लहजे में कहा था कि आपसे जो बातचीत होती है, वो मीडिया में लीक क्यों हो जाती है इस पर ट्रूडो ने भी मुस्कराते हुए, लेकिन सख्ती से जवाब दिया कि हम कुछ छिपाने में यकीन नहीं रखते और कनाडा में ऐसा ही होता है। बहस के दौरान दोनों नेताओं और खासकर जिनपिंग की बॉडी लैंग्वेज बिल्कुल अलग नजर आई थी। वो मंदारिन (चीन की भाषा) में बात कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

हम पर परमाणु हमला उत्तर कोरिया के शासन का अंत होगा, दक्षिण कोरिया ने दी किम जोंग को चेतावनी

सोल । उत्तर कोरिया की तरफ से लगातार बढ़ते मिसाइल और रॉकेट परीक्षणों के बीच दक्षिण कोरिया ने किम जोंग-उन शासन के लिए चेतावनी जारी की है। सोल की तरफ से कहा गया है कि अगर उत्तर कोरिया उस पर किसी भी तरह का परमाणु हमला करता है तो यह किम जोंग-उन के नेतृत्व वाले शासन का अंत होगा। हाल ही में अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य स्तर पर हथियारों की तैनाती को लेकर बातचीत हुई थी। इससे भड़कते हुए उत्तर कोरिया ने एक मिसाइल टेस्ट किया था। साथ ही चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि क्षेत्र में अमेरिका की परमाणु क्षमता वाली सबमरीन और अन्य कूटनीतिक संपत्तियों की तैनाती उसके न्यूक्लियर हथियार इस्तेमाल करने की मजबूरी बन सकती है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री कैंग सुन-नैम ने एक दिन पहले ही अमेरिका की 18,750 टन वजनी ओहायो क्लास मिसाइल सबमरीन (एसएसबीएन) यूएसएस केन्टकी के दक्षिण कोरिया आने की निंदा की थी। 1981 के बाद यह पहली बार है, जब अमेरिका ने अपनी सबमरीन दक्षिण कोरिया भेजी है। अमेरिकी नौसेना की यह सबमरीन दोनों देशों के बीच पहले परमाणु परामर्श समूह (एनसीजी) की बैठक के मद्देनजर मंगलवार को बुसान पहुंची थी। इसे लेकर ही उत्तर कोरिया ने दोनों देशों को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनी दी थी। दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया की इस धमकी पर कहा कि किम शासन के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल परीक्षण संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों और का स्पष्ट उल्लंघन हैं।

इटली में समुद्र में तैरता मिला 5300 किलो कोकीनः इसकी कीमत 7 हजार करोड़ रुपए; पुलिस ने 5 लोगों को किया गिरफ्तार

रोम। इटली ने समुद्र में तैरती 5300 किलो कोकीन को जब्त किया है। इसकी जानकारी सिसली शहर की पुलिस ने दी। कोकेन की कीमत 7 हजार करोड़ रुपए बताई गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस को जानकारी मिली थी कि साउथ अमेरिका से एक जहाज में कोकीन भेजी जा रहा है। इटली का कोस्ट गार्ड वहां से आने वाले जहाजों पर नजर रख रहा था। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए कोकीन के पैकेटों को समुद्र में फेंक दिया था। इसके बाद इटली में ड्रग माफिया कोकीन को मछली पकड़ने वाली बोट में डालकर ले जा रहे थे। इसी दौरान इटली के सर्विलांस एयरक्राफ्ट की नजर इन पर पड़ गई। तस्करों को ड्रग्स ले जाते हुए देखने के बाद कोस्ट गार्ड के एयरक्राफ्ट ने सिसली की पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर 2 ट्यूनिशिया, 1 इटली, 1 अल्बानिया और एक फ्रेंच तस्कर को गिरफ्तार किया। इन लोगों से पूछताछ कर इटली में कोकेन भेजने वाले तस्करों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

ब्रिटेन की संसद में उठा मणिपुर का मुद्दाः सांसद ने कहा- हिंसा में चर्च भी जलाए जा रहे, 100 से ज्यादा लोग मरे; इंग्लैंड के चर्च से मांगी मदद

लंदन। मणिपुर में दो समुदायों के बीच 3 मई को शुरू हुई हिंसा अब भी जारी है। इस बीच ये मुद्दा ब्रिटेन की संसद में भी उठाया गया है। ब्रिटेन में धार्मिक आजादी से जुड़े मामलों की स्पेशल राजदूत और सांसद फियोना ब्रूस ने मणिपुर हिंसा की ठीक से रिपोर्टिंग न करने के आरोप लगाए हैं। ब्रूस ने ब्रिटेन के निचले सदन में सवाल किया- मणिपुर में मई से कई सौ चर्च जलाए गए हैं, 100 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 50 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़ना पड़ा है। न सिर्फ चर्च, बल्कि उनसे जुड़े स्कूलों को भी निशाने पर रखा गया है। ब्रूस ने कहा कि इससे साफ होता है कि ये सब प्लानिंग के तहत किया जा रहा है और धर्म इन हमलों में बड़ा फैक्टर है। ब्रूस ने कहा कि मणिपुर में लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं। उन्होंने पूछा है कि इंग्लैंड का चर्च उन लोगों की ओर गौर करने के लिए क्या कर सकता है। ब्रूस ने ये सब बातें अंतरराष्ट्रीय धार्मिक आजादी को लेकर बनाई गई एक रिपोर्ट के आधार पर कही हैं। जो काम कर चुके रिपोर्टर डेविड कैंपनेल ने बनाई है। वहीं, एंड्रयू सेलोउस नाम के एक दूसरे सांसद ने मणिपुर के मुद्दे को ब्रिटिश संसद में उठाने के लिए ब्रूस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ब्रूस ने इस मुद्दे को संसद के सामने लाकर बड़ा काम किया है।

भारत से ज्यादा सुरक्षित पाक के परमाणु हथियार

अमेरिकी संस्था ने पाकिस्तान को बेहतर रैंकिंग दी, कहा- न्यूक्लियर सिक्योरिटी रिस्क बढ़ रही

वॉशिंगटन।
पिछले एक दशक में पहली बार न्यूक्लियर सिक्योरिटी रिस्क बढ़ रही है। परमाणु सुरक्षा की स्थिति का मूल्यांकन करने वाले अमेरिका स्थित अंतरराष्ट्रीय संगठन न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव ने अपनी रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की है। वहीं, एनटीआई ने न्यूक्लियर वेपन की सेफ्टी के मामले में पाकिस्तान को भारत से बेहतर रैंकिंग दी है।

नई रैंकिंग में संगठन ने पाकिस्तान को भारत, ईरान और उत्तर कोरिया से आगे रखा है। पाक को इस बार पहले से तीन अंक ज्यादा मिले हैं और 22 देशों की सूची में 19वां स्थान हासिल किया है। उसके बाद 40 अंकों के साथ भारत 20वें स्थान पर है। एनटीआई के मुताबिक, दुनिया में प्लूटोनियम के स्टॉक में इजाफा हुआ है। यूरेनियम की तरह ही इसका इस्तेमाल भी परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है।

प्लूटोनियम का भंडार 17 हजार किलोग्राम बढ़ा, इससे बन सकते हैं 2100 न्यूक्लियर वेपन

इंडेक्स के मुताबिक 2019 के बाद से प्लूटोनियम के वैश्विक भंडार में 17 हजार किलोग्राम, यानी करीब 19 टन की बढ़ोतरी हुई है। ये 2,100 परमाणु हथियार बनाने के लिए काफी हैं। न्यूक्लियर पावर प्लांट्स में प्लूटोनियम का काफी इस्तेमाल होता है, जिसकी वजह से भारत, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान और रूस में यह सबसे ज्यादा मात्रा में मौजूद है। इसके अलावा अमेरिका में भी इस न्यूक्लियर मटेरियल का काफी भंडार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 22 में से 12 देशों में राजनीतिक अस्थिरता की वजह से न्यूक्लियर मटेरियल को लेकर रिस्क सबसे ज्यादा है। वहीं, न्यूक्लियर फैसिलिटी की सुरक्षा के मामले में भी पाकिस्तान की रैंकिंग भारत से आगे है। 47 देशों की सूची में पाकिस्तान को 61 अंक मिले और वो रूस-इजराइल के साथ 32वें स्थान पर है, जबकि भारत इस लिस्ट में 52 अंकों के साथ 40वें पायदान पर है।

कैसे दी जाती है न्यूक्लियर सेफ्टी इंडेक्स रैंकिंग

न्यूक्लियर सेफ्टी इंडेक्स की रैंकिंग 175 देशों और ताइवान में परमाणु सुरक्षा की स्थिति का आंकलन करती है। इसमें एक किलोग्राम से ज्यादा न्यूक्लियर मटेरियल (यूरेनियम और प्लूटोनियम) वाले 22 देशों का असेसमेंट किया जाता है कि वो अपने न्यूक्लियर मटेरियल की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहे हैं। यह रैंकिंग उन देशों को भी इवैल्युएट करती है, जिनके पास एक किलोग्राम से कम या हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली परमाणु सामग्री नहीं है। न्यूक्लियर मटेरियल की सेफ्टी के मामले में ईरान और नॉर्थ कोरिया को सबसे कम रैंकिंग मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार साउथ एशियन देशों में हुआ है। न्यूक्लियर रिस्क ग्लोबल अनस्टेबिलिटी की वजह से बढ़ रहा है। रूस-यूक्रेन जंग इसका बड़ा कारण है।

दुनिया में साढ़े 12 हजार से ज्यादा, परमाणु हथियार

इससे पहले स्वीडन के थिंक टैंक सीपरी ने पिछले महीने दावा किया था कि दुनिया में अब 12,512 परमाणु हथियार हैं। इनमें से 9,576 ऐसे हैं, जो हमले के लिए तैयार है। पूरी दुनिया में चीन ने अपने परमाणु हथियारों का जखीरा तेजी से बढ़ाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 90प्रतिशत परमाणु हथियार रूस और अमेरिका के पास हैं। वहीं चीन और पाकिस्तान ने भारत के मुकाबले तेजी से अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाई है। पूरी दुनिया में परमाणु हथियारों की रेस शुरू हो चुकी है।

इस्लामाबाद एयरपोर्ट को ठेके पर देगा पाकिस्तान

सरकार बोली बेच नहीं रहे, ऑपरेशन बेहतर करना हमारा मकसद; यूएई को बेच चुके कराची पोर्ट

इस्लामाबाद।
आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान ने अब इस्लामाबाद एयरपोर्ट को ठेके पर देने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के एविएशन मिनिस्टर ख्वाजा साद रफीक ने संसद में इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने कहा- एयरपोर्ट के ऑपरेशन को बेहतर करने के लिए इसे 15 साल के लिए प्राइवेट कंपनियों को ठेके पर दिया जाएगा। साद रफीक ने ये साफ किया है कि इसका मतलब ये नहीं है कि सरकार एयरपोर्ट को बेच रही है, बल्कि अच्छे ऑपरेटर को एयरपोर्ट के काम में शामिल करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

खत्म होता सरकारी खजाना बढ़ेगा

पाकिस्तान के एविएशन मिनिस्टर ने कहा है कि एयरपोर्ट को ठेके पर देने से पाकिस्तान का सरकारी खजाना बढ़ेगा। दरअसल, पाकिस्तान में काफी समय से फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व घट गया था, जिसके चलते सरकार को अपने जरूरी खर्चे भी कम करने पड़ रहे थे। हालांकि, अब स्थिति बेहतर हो रही है। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 8.73 बिलियन डॉलर हो गया है, जो पिछले 9 महीनों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इसकी वजह आईएमएफ और मित्र देश सऊदी और यूएई से मिली मदद को बताया जा रहा है। वहीं, एविएशन मिनिस्टर ने कहा है कि एयपोर्ट को आउटसोर्स करने की प्रोसेस को पारदर्शी रखा जाएगा। इसमें अब तक 12 से 13 कंपनियां दिलचस्पी दिखा चुकी हैं। नेविगेशन और रनवे के काम को ठेके से हटाया गया है।

कराची पोर्ट को बेच चुकी है पाक सरकार

पाकिस्तान ने अपने सबसे बड़े कराची पोर्ट को लेकर यूएई के साथ एक कंसेशन एग्रीमेंट साइन किया है। पाकिस्तान सरकार ने बिजली की रफ्तार से महज 4 दिनों में ये डील फाइनल की।

पहली बार अमेरिका में महिला बनेगी नौसेना प्रमुख, बाइडन ने एडमिरल लीजा फ्रांचेटी को चुना

वाशिंगटन ।
राष्ट्रपति जो बाइडन ने एडमिरल लीजा फ्रांचेटी को अमेरिकी नौसेना का नेतृत्व करने के लिए चुना है। यदि अमेरिकी सीनेट उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे देती है तो वह अमेरिका में किसी भी सैन्य सेवा की प्रमुख बनने वाली पहली महिला होंगी। रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने नेवी के पैसिफिक बेड़े के कमांडर एडमिरल सैमुअल पेपारो को इस पद पर नियुक्त करने की सिफारिश की थी लेकिन उन्हें यूएस इंडो-पेसिफिक कमांड का प्रमुख नामजद किया गया है। वैसे इन दोनों ही नियुक्तियों की सूचना अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। फ्रांचेटी अभी नौसेना की उप प्रमुख हैं। वह 1985 में नौसेना में शामिल हुईं थीं। उनकी आधिकारिक जीवनी के अनुसार, उन्होंने अमेरिकी नौसेना बल में कोरिया के कमांडर, युद्ध के लिए नौसेना संचालन के उप प्रमुख और रणनीति के निदेशक, योजनाओं और नीति के निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने दो कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की कमान भी संभाली है और सितंबर 2022 में नौसेना की उप प्रमुख बनीं। राष्ट्रपति बाइडन ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा कि हमारे अगले नौसेना संचालन प्रमुख के रूप में एडमिरल लीजा फ्रांचेटी एक कमीशन अधिकारी के रूप में हमारे देश में 38 वर्षों की समर्पित सेवा प्रदान करेंगी, जिसमें नौसेना संचालन के उप प्रमुख के रूप में उनकी वर्तमान भूमिका भी शामिल है। बाइडन ने कहा कि अपने पूरे करियर के दौरान एडमिरल फ्रांचेटी ने परिचालन और नीति दोनों क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। वह अमेरिकी नौसेना में चार सितारा एडमिरल का पद हासिल करने वाली दूसरी महिला हैं और जब इसकी पुष्टि हो जाएगी, तो वह नौसेना संचालन प्रमुख और संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में सेवा देने वाली पहली महिला के रूप में फिर से इतिहास बनाएंगी। बाइडन ने यह भी घोषणा की कि वह यूएस फ्लीट फोर्सेज कमांड के डिप्टी कमांडर वाइस एडमिरल जेम्स किल्बी को अगले नौसेना उप प्रमुख के रूप में नामित कर रहे हैं और अमेरिकी नेवी के पैसिफिक बेड़े के कमांडर एडमिरल सैमुअल पेपारो को इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर के रूप में प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने के लिए नामित कर रहे हैं।

जेलेंस्की ने आलोचना पर ब्रिटेन में अपने राजदूत को हटाया : ऐंबैस्डर ने ब्रिटिश रक्षा मंत्री के बयान पर जेलेंस्की के तंज को गलत बताया था

कीव।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ब्रिटेन में मौजूद अपने ऐंबैस्डर वादिम प्रिस्टाइको को बर्खास्त कर दिया है। प्रिस्टाइको ने कुछ दिनों पहले सार्वजनिक रूप से जेलेंस्की की आलोचना की थी। यूक्रेन के प्रेसिडेंट ऑफिस की तरफ से जारी एक स्टेटमेंट में बताया गया कि प्रिस्टाइको को राजदूत और इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन में यूक्रेन के प्रतिनिधि के पद से हटाया जाता है।

हालांकि, इसमें बर्खास्तगी का कारण नहीं बताया गया। दरअसल, लिथुआनिया में नाटो समिट के दौरान ब्रिटेन के डिफेंस सेक्रेटरी बेन वैलेस ने कहा था कि कीव को पश्चिमी देशों से मिल रही मदद के लिए और ज्यादा आभार जताना चाहिए। इस पर जेलेंस्की ने व्यंग्य करते हुए कहा था कि वैलेस चाहें तो यूक्रेन के लोग रोज सुबह उठकर उन्हें पर्सनली शुक्रिया कह सकते हैं। इस बयान पर बात करते हुए प्रिस्टाइको ने जेलेंस्की की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि इस तरह की अनहेल्दी बयानबाजी देशहित में नहीं है।

वैलेस ने कहा था- हम यूक्रेन की मदद कर रहे, लेकिन हम अमेजन सर्विस नहीं

11-12 जुलाई को हुई नाटो समिट के दौरान वैलेस ने कहा था- रूस के साथ जंग में यूक्रेन को पश्चिमी देश लगातार मदद पहुंचा रहे हैं। आपको ये अच्छा लगे या न लगे लेकिन लोग चाहते हैं कि इस मदद के लिए पश्चिमी देशों की सराहना की जाए। मैं पिछले साल जून में जब 11 घंटे की यात्रा करके यूक्रेन गया था तो मैंने कहा था कि हम अमेजन सर्विस नहीं हैं। अगर कोई देश आपकी मदद कर रहा है तो आपको उसे बार-बार ये जताना होगा कि उसकी मेहनत बेकार नहीं जा रही है। उन्हें इस मदद का क्रेडिट भी मिल रहा है।

जेलेंस्की ने कहा था- हम हमेशा ब्रिटेन के शुक्रगुजार

वैलेस के इस बयान पर जेलेंस्की ने कहा था कि हम जंग में मदद के लिए हमेशा ब्रिटेन, वहां के प्रधानमंत्री और डिफेंस मिनिस्टर के शुक्रगुजार रहेंगे। ब्रिटेन हमारा पार्टनर है और उन्होंने हमारी बहुत मदद की है। मुझे नहीं पता कि अब वो क्या चाहते हैं। हम और किस तरह से उन्हें धन्यवाद कह सकते हैं। वैलेस को मुझे चिट्ठी लिखकर ये बताना चाहिए कि हम उनका आभार जताने के लिए और क्या कर सकते हैं।

प्रिस्टाइको बोले- जेलेंस्की का बयान सही नहीं

इसके बाद इस बयानबाजी के अगले दिन पूरे मामले पर ब्रिटेन में यूक्रेन के ऐंबैस्डर वादिम प्रिस्टाइको से बात की। प्रिस्टाइको ने कहा- जेलेंस्की के बयान में व्यंग्य नजर आ रहा था। मुझे नहीं लगता ये हमारे लिए अच्छा है। हमें रूस को ये नहीं दिखाना चाहिए कि हमारे बीच किसी भी तरह का तनाव है। उन्हें सिर्फ यही संदेश जाना चाहिए कि हम हर स्थिति में साथ खड़े रहेंगे।

दलाई लामा से बैकडोर बातचीत कर रहा चीन

तिब्बती सरकार बोली- उनका हर फैसला मंजूर; दलाई लामा ने कहा था- चीन से आजादी नहीं चाहते

बीजिंग/धर्मशाला।
चीन ने हाल ही में तिब्बत के धर्मगुरु दलाई लामा से संपर्क किया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, दलाई लामा ने करीब 1 हफ्ते पहले बताया कि चीनी नेताओं ने उनसे कॉन्टैक्ट किया था। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि ऐसा कब हुआ और उनकी चीन से क्या बातचीत हुई। दलाई लामा ने कहा कि वो हमेशा बातचीत के लिए तैयार हैं।

दलाई लामा ने भारत में रहकर तिब्बत की एक सरकार बनाई थी। इसे तिब्बत गवर्नमेंट इन एक्जाइल कहा जाता है। हाल ही में इस सरकार की मंत्री नॉर्जिन डोल्मा जापान की यात्रा पर गई थीं। वहां उन्होंने इस बात की पुष्टि की थी चीन अनौपचारिक तौर पर बैकडोर से दलाई लामा से बातचीत कर रहा है और ये बहुत जरूरी भी है। दलाई लामा अपने रहते हुए तिब्बत की समस्या का जो भी समाधान निकालेंगे उस पर हम सभी लोग सहमत होंगे।

दलाई लामा बोले- चीन से बातचीत के लिए तैयार

इससे पहले अपने जन्मदिन के मौके पर दलाई लामा ने कहा था- चीन अब बदल रहा है और मैं उनसे बातचीत के लिए तैयार हूं। तिब्बत की समस्या के हल के लिए जो मुझसे मिलना चाहते हैं वो आ सकते हैं। हम पूर्ण आजादी नहीं चाहते हैं। कई साल पहले हमने फैसला किया था कि हम चीन का हिस्सा बने रहेंगे। अब चीन को भी एहसास हो गया है कि तिब्बती लोगों की भावना बहुत मजबूत है। इसलिए अब वो उनसे डील करने के लिए मेरे पास आ रहे हैं।

एक्सपर्ट्स बोले- ये चीन-तिब्बत के लिए बातचीत का सही वक्त

चीन में एथनिक पॉलिटिक्स के एक्सपर्ट बैरी सॉटमैन ने पूरे मामले पर कहा- दलाई लामा अपनी उम्र की वजह से अब अलग-अलग देशों की यात्राएं नहीं कर सकते हैं। ऐसे में दोनों पक्षों के लिए ही बातचीत करना जरूरी हो गया है। तिब्बती सरकार के लिए दलाई लामा उनकी सबसे बड़ी ताकत हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें पहचान दिलाते हैं। वहीं बीजिंग के लिए ये सही वक्त है क्योंकि अभी दूसरे वैश्विक मुद्दों के चलते ज्यादातर देशों का ध्यान तिब्बत से हट गया है। तिब्बत काफी समय से पश्चिमी देशों के एजेंडे में नहीं है। एक्सपर्ट के मुताबिक, चीन ये जानता है कि पश्चिमी देश तिब्बत के लिए जो कर रहे हैं उसका एक बड़ा कारण दलाई लामा हैं।

ऐसे में आने वाले समय में तिब्बत में उनका दखल कम हो सकता है। सॉटमैन ने कहा- अगर चीन अपने पक्ष में नेगोसिएशन चाहता है तो ये उसके लिए दबाव बनाने का सही समय है।

खुद अगला दलाई लामा चुनना चाहता है चीन

चीन से तनाव के बीच मार्च 1959 में दलाई लामा सैनिक के वेश में तिब्बत से भागकर भारत आ गए थे। वे पिछले 64 साल से हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में रह रहे हैं। चीन लगातार उन्हें अलगाववादी और तिब्बत के लिए खतरा बताता रहा है।

2011 में चीन के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि वो सिर्फ उसी दलाई लामा और पंचेन लामा को मान्यता देंगे जिसे चीन की सरकार अप्रूव करेगी। हालांकि, दलाई लामा ने कहा था कि तिब्बत को अगला धर्मगुरु भारत में भी मिल सकता है। 2002 से 2010 तक, दलाई लामा के प्रतिनिधियों और चीनी सरकार ने नौ दौर की बातचीत की, जिससे कुछ परिणाम भी निकले। हालांकि, उसके बाद से दोनों पक्षों के बीच कोई ऑफिशियल मीटिंग नहीं हुई है।

भाजपा ने फूंका चुनावी बिगुल, प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को दिए टिप्स

हिसार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बिगुल फूंक दिया है। इसके तहत प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने प्रदेश स्तरीय बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को टिप्स दिए और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के सभागार में शनिवार को प्रदेश स्तरीय बैठक के पहले सत्र को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कार्यक्रमों का विस्तार से ब्यौरा रखा। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन के साथ बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल, संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू, राई विधायक एवं प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ोली, प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेदपाल, डॉ. पवन सैनी, सभी जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से 7 से 15 अगस्त तक प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह अपने-अपने क्षेत्र में इस यात्रा को सफल करें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 14 अगस्त को जिला स्तर पर विभाजन

विभीषिका दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर भाजपा ऐसी पार्टी बन गई है जो कि बूथ स्तर पर मजबूत है। प्रदेश में 19 हजार 863 बूथ हैं और 3 लाख 46 हजार 700 पन्ना प्रमुख हैं। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह सरल पोर्टल पर चढ़ाया हुआ डाटा अपडेट करें व कहीं सुधार की गुंजाइश है तो सुधार करें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। भाजपा इसके लिए पूरी तरह से तैयार है और पार्टी ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी है। उन्होंने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की स्थिति पर चर्चा करते हुए वर्तमान संगठन पर विस्तार से चर्चा की और जिला अध्यक्षों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा 30 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम होना है। इसके बाद मंडल अध्यक्ष चिरायु योजना के कम से कम 10 लाभार्थियों से संपर्क करके उनसे फीडबैक लेंगे। प्रदेश में आई बाढ़ व इससे हुए नुकसान बारे पूछे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सदैव किसानों व आम जनता की हितैषी रही है। सरकार नुकसान का आंकलन कर रही है और जिसको जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई की जाएगी। पत्रकार वार्ता में उपरोक्त के अलावा प्रदेश मीडिया प्रमुख डॉ. संजय शर्मा, जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र, प्रदेश प्रवक्ता विधु रावल, वंदना पोपली, जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा सहित अन्य उपस्थित रहे।

छात्राओं पर भद्दे कमेंट करते 3 मनचलों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपियों को सबक सिखाने के लिए ऑपरेशन मजनू के तहत शनिवार को महिला पुलिस थाना बल्लभगढ़ प्रभारी इंदुबाला व दुर्गा शक्ति की टीम ने छात्राओं पर भद्दे कमेंट पास करने वाले 3 मनचलों को काबू करके अच्छा सबक सिखाया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने शनिवार को बताया कि काबू किए गए आरोपी फरीदाबाद के रहने वाले हैं। इन आरोपियों को बल्लबगढ के गर्ल सीनियर सेकेंडरी सरकारी स्कूल के पास से काबू किया है। ऐसे मनचलों को काबू करने के लिए महिला पुलिसकर्मी सादी वर्दी में मौजूद रहती है। इसी प्रकार महिला थाना बल्लबगढ़ तथा दुर्गा शक्ति की टीम ने स्कूल के पास से मनचलों को काबू किया। छेड़छाड़ करने वाले युवकों के परिजनों को थाने बुलाया गया तथा उन्हें सख्त हिदायत देते हुए चेतावनी दी गई कि यदि अगली बार वह ऐसी हरकत करते पाए गए तो उन उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उन्हें जेल तक जाना पड़ सकता है।

28 साल से फरार, 5 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

यमुनानगर (हिंस)। अपराध शाखा-2 की टीम ने डकैती के केस में 28 साल से फरार चल रहे 5 हजार के इनामी वांछित अपराधी सतीश कुमार उर्फ पप्पू को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इंचार्ज राकेश कुमार ने शनिवार को यह बताया कि पप्पू को को गिरफ्तार करने के लिए टीम का गठन किया गया था। उनकी टीम ने आरोपी को टौल टैक्स पानीपत के पास से गिरफ्तार किया। इंचार्ज ने बताया कि आरोपी ने 1995 में अपने साथियों के साथ मिलकर रादौर में रात के समय एक मकान में घुस कर दंपति को चोटें मारकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। उसी समय से सतीश फरार चल रहा था। आरोपी के खिलाफ थाना रादौर में केस दर्ज था। आरोपी के दो अन्य साथियों को भी कुछ दिन पहले गिरफ्तार किया गया था। इंचार्ज ने बताया कि आरोपी सतीश कुमार अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए पंजाब, हिमाचल, सहारनपुर, मेरठ, दिल्ली में बार-बार ठिकाने बदलता रहता था। आरोपी को गहनता से पूछताछ के बाद अगली कार्रवाई के लिए थाना रादौर के हवाले किया गया।ै थल: जनता के बीच कार्यकर्ताओं की मेहनत ही रंग लाती है: मनोहर लाल हिसार जाते हुए कैथल रुके मुख्यमंत्री, कार्यकर्ताओं की ली बैठक कैथल (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ की हड्डी होते है। जनता के बीच कार्यकर्ताओं की मेहनत ही रंग लाती है। इसलिए सभी कार्यकर्ता पार्टी की जनहित योजनाओं को जन जन तक पहुंचाकर उनको योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद करें। हर व्यक्ति के दुख सुख में शामिल हों और लोगों को पार्टी से जोड़े। मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को हिसार में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रदेश स्तरीय बैठक में जाते हुए सुबह कैथल के पुलिस लाइन ग्राउंड में रुके थे। मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन के कार्यालय में कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। वहां के लोगों को खाने, पीने, रहने और चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए। डीसी जगदीश शर्मा ने मुख्यमंत्री को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री के अचानक कैथल पहुंचने की सूचनाओं के बाद पुलिस और प्रशासन एकदम हरकत में आ गया।

अमरनाथ यात्रा की समीक्षा के लिए उपराज्यपाल पहुंचे नुनवान बेस कैंप और चंदनबाड़ी

श्रीनगर (हिंस)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए नुनवान बेस कैंप और चंदनबाड़ी का दौरा किया। उन्होंने चल रही यात्रा के सुचारू संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए तीर्थयात्रियों के साथ बातचीत भी की। एलजी मनोज सिन्हा ने ट्विटर के माध्यम से कहा कि देश और विदेश के तीर्थयात्री अब जम्मू-कश्मीर के ब्रांड एंबेसडर हैं। आध्यात्मिक तीर्थयात्रा से जुड़ी आर्थिक गतिविधियां स्थानीय लोगों के लिए आजीविका पैदा करती हैं और केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटकों की आमद बढ़ाती हैं। चल रही यात्रा के सुचारू संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए सिन्हा ने कहा कि मुझे श्राइन बोर्ड, जेकेपी, सीएपीएफ, सेना, बीआरओ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, माउंटेन रेस्क्यू टीमों, सेवा प्रदाताओं, नागरिकों पर बेहद गर्व है। हमारी एकजुटता, संकल्प और तैयारी के माध्यम से हम भविष्य की किसी भी चुनौती पर काबू पा लेंगे। उपराज्यपाल ने आज नुनवान बेस कैंप की अपनी यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के साथ बातचीत करके कतार प्रबंधन की व्यवस्था की समीक्षा की। खराब मौसम के मामले में यात्रियों के लिए आरामदायक रहने, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल, कनेक्टिविटी, स्वच्छता, पानी और अन्य सुविधाओं के लिए किए गए उपायों पर भी चर्चा की। उन्होंने चंदनबाड़ी का भी दौरा किया और तीर्थयात्रियों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं से बातचीत की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिनका खुद का निर्वासन तय, वे अब रोजगार गारंटी पर आश्वासन दे रहे : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तंज कसा कि गहलोत सरकार ने रोजगार गारंटी बिल पास किया, लेकिन इनकी खुद की गारंटी अब खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि जिनका खुद का निर्वासन तय हो गया है, वे अब आश्वासन दे रहे हैं। शनिवार दोपहर अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे केंद्रीय मंत्री शेखावत ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि साढ़े चार साल पूरे हो गए। पांच साल पूरे होने में तीन-चार महीने शेष हैं और वे रोजगार की गारंटी देने की बात कर रहे हैं। किसने रोका था, साढ़े चार साल पहले इस तरह का बिल लेकर आते। अब कब लेकर आ रहे हैं, जब राजस्थान का बच्चा-बच्चा जानता है कि राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार का जाना तय हो गया है। शेखावत ने कहा कि जुलाई, अगस्त और सितंबर में राजस्थान में सामान्य रूप से बारिश के दिन होते हैं। जब से मनरेगा शुरू हुआ है। दस साल के आंकड़े उठाकर देख लीजिए। इन तीन महीनों में किसी भी काम के बजट का केवल पांच प्रतिशत खर्च होता है। आप पांच प्रतिशत से गारंटी देकर अपने आप को हंसी का पात्र बना रहे हो। बसपा से कांग्रेस में आए राजेंद्र सिंह गुढ़ा की बर्खास्तगी पर शेखावत ने कहा कि राजस्थान में सच बोलने वाला व्यक्ति

मुख्यमंत्री को बर्दाश्त नहीं, चाहे वह पार्टी में हो या पार्टी के बाहर। महिलाओं के सम्मान की बात करने वाले व्यक्ति उन्हें पसंद नहीं है, चाहे वह पार्टी में हो या पार्टी के बाहर हो। महिलाओं के असम्मान के विरुद्ध उठने वाली हर आवाज को इसी तरह कुचलने की जो परिपाटी है। मुझे लगता है उनकी अगली गाज कई विधायकों पर गिरने वाली है, जिन्होंने इस तरह की बात की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री को इस बात का खुलासा करना चाहिए कि राजस्थान में माताओं-बहनों की इज्जत खतरे में है या नहीं। राजस्थान में रोजाना औसत 17 दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं या नहीं। अगर हो रही हैं तो सत्य की बात उठाने वाले व्यक्ति पर उन्होंने इस तरह का दंडात्मक व्यवहार क्यों किया? शेखावत ने कहा कि अगर पार्टी में पार्टी की लाइन से हटकर बोलने की बात होती तो कल की विधानसभा की डिबेट देख लीजिए, कितने विधायकों ने, कितने मंत्री पद का दर्जा प्राप्त व्यक्तियों ने मंत्रियों को भ्रष्टाचार पर सरेआम सदन में घेरने का काम किया। शेखावत ने कहा कि यह पिक एंड चूस की कार्रवाई इस बात को दर्शाती है कि कांग्रेस की सरकार अशोक गहलोत साहब के नेतृत्व में जो काम कर रही है, वह महिलाओं के सम्मान की रक्षा में उठने वाले हर आवाज को इसी तरह कुचलेंगे। मुख्यमंत्री के बयान कि यह हमारे घर की बात है पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि उनके अंदर की बात अब सार्वजनिक हो गई है। उन्होंने पूछा कि अब अंदर कुछ बचा है क्या? राजेंद्र गुढ़ा के बयान कि आलाकमान को खुश करने में राजस्थान सरकार लगी हुई है, पर शेखावत ने कहा कि मैं यह बात साढ़े चार साल से कह रहा हूं। केवल और केवल एक परिवार को खुश करने के लिए राजस्थान की जनता से पैसा लूटकर अपने आलाकमान की झोली भरने के अलावा राजस्थान की सरकार क्या कर रही है?

युवक का अपहरण कर मांगी फिरौती

जयपुर (हिंस)। हरमाड़ा थाना इलाके में एक युवक का अपहरण कर तीस लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया माचड़ा निवासी अशोक कुमार अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया है कि 18 जुलाई की सुबह बाइक और कार सवार आधा दर्जन से अधिक लोग उसके बेटे जय गोयल का अपहरण कर ले गए। उसकी स्कूटी भी लूट ली। कार में बेटे का मुंह बंद कर दिया और 30 लाख की फिरौती मांगी। उसका वीडियो बना लिया। इस दौरान जयरामपुरा गांव में ग्रामीणों ने बच्चे को मुक्त कराया। अब आरोपित बेटे के नंबर पर मैसेज कॉल कर पांच लाख रुपए मांग रहे है, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सर्व कर्मचारी संघ ने डिप्टी स्पीकर के आवास पर किया प्रदर्शन

हिसार (हिंस)। सर्व कर्मचारी संघ से जुड़े हिसार ब्लॉक के कर्मचारियों ने डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा के आवास के समक्ष प्रदर्शन किया। संगठन का आरोप है कि वह मांग पत्र पर उनका स्टैंड पूछने आए थे, लेकिन वह नदारद मिले। कर्मचारी शनिवार को प्रदर्शन करते हुए नलवा हलका के विधायक एवं विधायक सभा के डिप्टी स्पीकर रणवीर गंगवा के कैमरी रोड स्थित आवास पर पहुंचे। प्रदर्शन की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान ओम प्रकाश माल ने की तथा संचालन ब्लॉक सचिव विनोद प्रभाकर ने किया। ओम प्रकाश माल व सचिव विनोद प्रभाकर ने बताया कि सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के मांग पत्र पर डिप्टी स्पीकर से उनकी सहमति या असहमति को जानने के लिए सैकड़ों कर्मचारी उनके आवास पर पहुंचे, लेकिन वह अपने आवास पर नहीं मिले। उन्होंने बताया कि डिप्टी स्पीकर को 10 जुलाई को मांग पत्र की प्रतिलिपि सौंपी गई थी और उस समय उनको बताया गया था कि कर्मचारी 22 जुलाई को उनके पास मांग पत्र पर सहमति या असहमति जानने के लिए पहुंचेंगे। दुर्भाग्य की बात है कि जानकारी होने के बावजूद डिप्टी स्पीकर अपने आवास पर नहीं मिले। कर्मचारी नेताओं ने घोषणा की कि सर्व कर्मचारी संघ कर्मचारियों के मांग पत्र को लेकर डिप्टी स्पीकर के हलके में जाएगा और जनता से सवाल करेगा कि हमारा मांग पत्र ठीक है या गलत। संघ के नेताओं ने बताया कि राज्य सरकार आम जनता के मुद्दों को लेकर संवेदनशील नहीं है। इस अवसर पर हमसा के राज्य प्रधान हितेंद्र सिहाग, बिजली की यूनियन के राज्य उप प्रधान दलीप सोनी, सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव राजेश बागड़ी, वरिष्ठ उपप्रधान नरेश गौतम, सह सचिव अशोक सैनी, ब्लॉक हिसार के वित्त सचिव रमेश शर्मा, वरिष्ठ उपप्रधान सुनील लाडवा, अनिल वर्मा सुरेंद्र चहल, दीपक लोट, विकास गोस्वामी, सतीश दनोदा, दीपक मेहरा, राजेश माहिच, दीपक शर्मा, बिशन सिंह, रणबीर रावत, सोना देवी व सुरजीत सिंह आदि कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया।

माकपा को झटका पूर्व विधायक दुग्गल भाजपा में शामिल

श्रीगंगानगर (हिंस)। विधानसभा चुनाव-2023 को लेकर उठापटक शुरू हो गई है। शनिवार को माकपा के पूर्व विधायक पवन दुग्गल जयपुर में भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में दुग्गल ने विधिवत रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के इन वरिष्ठ नेताओं ने दुग्गल को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। इनके अलावा पंचायत समिति की पूर्व प्रधान रह चुकी इनकी पत्नी रानी दुग्गल भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। उल्लेखनीय है कि रावला-घड़साना क्षेत्र में सिंचाई पानी की मांग को लेकर वर्ष 2005 में हुए किसान आंदोलन में दुग्गल अग्रणी नेताओं में शामिल थे। इसके बाद वर्ष 2008 में हुए विधानसभा चुनाव में अनूपगढ़ विधानसभा से दुग्गल विधायक निर्वाचित हुए।

लिखने वाला कहानी के पात्र बदल सकता है लेकिन कथानक समाज का आईना होता है

उदयपुर (हिंस)। कहा गया है कि साहित्य समाज का आईना होता है। लेखक अपनी कहानी, लघुकथा में पात्र बदल सकता है, संवादों को पठनीय रूप दे सकता है, लेकिन उसकी कथा का कथानक कहीं न कहीं उसके जीवन के उस अनुभव को पन्नों पर उकेरता है, जो उसे अपने आसपास महसूस होता है। कुछ ऐसा ही सामाजिक जीवन की हकीकत को दर्शाता लेखन इन दिनों उदयपुर के सेवा मंदिर में उभर रहा है, जहां राजस्थान के विभिन्न जिलों से आईं 43 नवोदित लेखिकाएं आपस में अपने लेखन को बांट रही हैं और लेखन को सशक्त करने के गुर भी सीख रही हैं। हिन्दी, राजस्थानी, उर्दू, अंग्रेजी इन चार भाषाओं में साहित्य क्षेत्र के अनुभवी हस्ताक्षरों गजनफर अली, सीपी देवल, अनुपमा मोहन और प्रभात रंजन का मार्गदर्शन भी उन्हें मिल रहा है। रमा मेहता ट्रस्टी तथा कार्यक्रम संयोजिका नीलिमा खेतान ने शनिवार को बताया कि रमा मेहता चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में चार दिवसीय राइटर्स रिट्रीट के बाद चार भाषाओं की विजेता लेखिकाओं के नाम की घोषणा 23 सितम्बर 2023 को साहित्य मनीषी मुंशी प्रेमचंद की पोती सारा राय करेंगी जो स्वयं लेखिका, अनुवादक और सम्पादक हैं। उन्होंने बताया कि जिनके नाम से ट्रस्ट है, वे रमा मेहता मूलत: गुजरात की रहने वाली थीं और आजादी के पश्चात भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के लिए चयनित पहली तीन महिलाओं में से एक थीं। रमा मेहता का विवाह उदयपुर निवासी उनके ही साथ कार्यरत भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी जगत एस. मेहता से हुई। पद्म भूषण जगत मेहता देश के सफलतम विदेश सचिव रहे। वर्ष 1951 में, बेटी के जन्म के पश्चात तथा उनके पति के विदेश में तैनात हो जाने के कारण, रमा मेहता ने विदेश सेवा छोड़ दी और उन्होंने द ट्रिब्यून और हिंदुस्तान टाइम्स अखबारों में एक नियमित कॉलमिस्ट के रूप में लिखना प्रारंभ कर दिया। उनके लेख के विषय मुख्यतया परिवार संस्कृति, कला और शिल्प, परिवार व समाज में महिलाओं की स्थिति पर केंद्रित होते थे। उनके वर्ष 1977 में प्रकाशित उनके उपन्यास हवेली के अंदर को वर्ष 1979 में केंद्रीय सहित्य अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। उनके देहावसान के पश्चात उनकी स्मृति में 30 अगस्त 1980 को श्रीमती रमा मेहता चेरिरटेबल ट्रस्ट की स्थापना की गई। चार दशकों से यह ट्रस्ट जरूरत मंद महिलाओं को शिक्षा सहायता प्रदान करता रहा है। ट्रस्ट ने अपने 40वें वर्ष में रमा मेहता लेखन अनुदान योजना प्रारंभ की। पहले अनुदान के विजेताओं का ऐलान 23 सितम्बर 2021 को हुआ और वर्ष 2023 लेखन ग्रांट का तीसरा वर्ष है। जन्म, विवाह, शिक्षा, कॅरियर या पिछले निवास के द्वारा राजस्थान से संबंध रखने वाली हर महिला इस ग्रांट के लिए पात्रता रखती है। ग्रांट हिंदी, राजस्थानी, उर्दू व अंग्रेजी में एक-एक लेखिका को दी जाती है। लेखन का विषय ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष नवम्बर में घोषित किया जाता है और 31 मार्च तक प्रविष्टियां स्वीकार किया जाता है।

कांग्रेस-बसपा-माकपा छोड़ भाजपा में शामिल हुए कई नेता

जयपुर (हिंस)। प्रदेश भाजपा के लिए शनिवार का दिन काफी महत्वपूर्ण रहा। राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों की 17 प्रतिष्ठित शख्सियतों ने प्रदेश भाजपा का दामन थाम लिया। जयपुर स्थित प्रदेश मुख्यालय में हुए एक कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की मौजूदगी में इन शख्सियतों का पार्टी में स्वागत किया और उन्हें औपचारिक सदस्यता दिलाई गई। कार्यक्रम में 17 प्रमुख शख्सियतें भाजपा में शामिल हुई। इनमें पूर्व सांसद धनसिंह रावत, पूर्व विधायक गीता वर्मा, पूर्व विधायक एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी नेता पवन दुग्गल, पूर्व स्टेट जीएसटी आयुक्त दिनेश रंगा, कांग्रेस के पूर्व विधायक एवं बोहरा समाज के प्रतिष्ठित नेता रविन्द्र सिंह बोहरा, जयपुर की फुलेरा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी रहे डीडी कुमावत (घर वापसी), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता विष्णु भांभू, ग्राम पंचायत डाबड़ा की सरपंच ममता कंवर राठौड़, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता रानी दुग्गल, धौलपुर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे विवेक सिंह बोहरा, धौलपुर विधानसभा से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. शिवचरण कुशवाहा, बैरवा समाज के प्रतिष्ठित नेता एवं अखिल भारतीय बैरवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लल्लूराम बैरवा, पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त केआर मेघवाल, पूर्व आईपीएस जसवंत सम्पतराम, पूर्व आईएएस अधिकारी मनोज शर्मा, पूर्व आईएएस अधिकारी एसपी सिंह, एडवोकेट रिंकी वर्मा शामिल रही। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि आज कांग्रेस की हालत डूबती नाव की तरह हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर आमजन और दूसरे दलों के नेताओं का भाजपा में विश्वास बढ़ता जा रहा है। आज जहां कांग्रेस एक ओर कमजोर होती जा रही है, वहीं भाजपा का कारवां, अधिक सशक्त और मजबूत होता जा रहा है। जोशी ने कहा कि सभी नए पार्टी ज्वाइन करने वाले नेताओं को गर्व होना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी ने सिर्फ देश में ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व में देश का नाम रोशन किया है और ये श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। प्रदेश अध्यक्ष जोशी ने आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता मिल कर 2023 में कमल खिलाएंगे और 2024 में नरेंद्र मोदी को फिर से देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि कांग्रेस और अन्य सभी नेताओं का भाजपा में हार्दिक स्वागत है। सब मिलकर 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को राजस्थान से हमेशा हमेशा के लिए विदा कर देंगे।

बारिश से सड़कें डूबी, पानी की रफ्तार के सामने बहने लगे इंसान-वाहन

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान में शनिवार से कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण बारिश का दौर फिर से शुरू होगा। सवेरे से श्रीगंगानगर जिले में बारिश का दौर जारी है। इससे पहले बीती रात जयपुर, जोधपुर समेत कई जिलों में अच्छी बारिश हुई। जोधपुर में देर रात हुई मूसलाधार बारिश से सड़कों पर गाड़ियां बह गईं। भीतरी शहर में गलियां नदियां बन गईं। एक बाइक के साथ आदमी भी बह गया। यहां 66.8 मिमी बारिश हुई। जोधपुर में बारिश के चलते शहर की कई कॉलोनियों में पानी इतनी तेज रहा कि सड़कें देखते ही देखते नदियों में बदल गई। ड्रेनेज सही नहीं होने के कारण कई जगहों पर दो से ढाई फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार 24 जुलाई यानि सोमवार से बंगाल की खाड़ी से एक और कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है कि वह बारिश की तेजी को बढ़ाने वाला साबित रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज और कल यानि शनिवार और रविवार को सोलह जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में बांसवाड़ा, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, कोटा, प्रतापगढ़, बाड़मेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जालौर, बूंदी, जोधपुर, नागौर, झालावाड़ और श्रीगंगानगर

शामिल है। जयपुर एवं आसपास के जिलों में रहने वाले लोगों को आज और कल भी उमस और गर्मी से परेशान रहना पड़ सकता है। हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर की ओर पहले ही घग्गर नदी प्रशासन के लिए परेशानी बनी हुई है। इसे काबू करने के लिए सात दिन पहले से ही अफसरों ने तैयारी कर दी थी। शुक्रवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में बादल बरसे तो कुछ हिस्सा सूखा रहा। भीलवाड़ा, सीकर,चित्तौड़गढ़, डबोक, बाड़मेर, माउंट आबू, चूरू, श्रीगंगानगर और जालोर में बरसात हुई लेकिन अन्य जिलों में बरसात नहीं होने से फिर गर्मी और उमस की स्थिति देखने को मिली। प्रदेश के 20 जिलों का दिन का पारा 35.0 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक मापा गया। सबसे अधिक दिन का तापमान श्रीगंगानगर का 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, चूरु, बाड़मेर, जालौर, जोधपुर, सिरोही, उदयपुर, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, जिलों के कुछ स्थानों में यलो अलर्ट जारी किया है। इन जगहों पर मौसम विभाग ने हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। मेघ गर्जन के समय सुरक्षित स्थान पर शरण लेवें, पेड़ों के नीचे शरण ना लेवें, मौसम सामान्य होने की प्रतीक्षा करें। मौसम विभाग के अनुसार इस महीने अच्छी बारिश की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र इस बार कुछ नीचे था, जो ओडिसा पोस्ट से गुजरात और महाराष्ट्र की तरफ से होता हुआ राजस्थान की तरफ बढ़ गया। ट्रफ लाइन का रूट बदलने से जोधपुर की तरफ अरब सागर से भी नमी पहुंची और बादल बरस गए। अभी मानसून ट्रफ लाइन गुजरात की तरफ से गुजर रही है। जो अरब सागर के निकट है। इससे राजस्थान में अच्छी बारिश हो सकती है।

28प्रतिशत जीएसटी पर गेमिंग इन्वेस्टर्स ने पीएम को लिखा लेटर : कहा– 1100प्रतिशत बढ़ जाएगा टैक्स का बोझ, दोबारा से विचार करे सरकार

नई दिल्ली।
ऑनलाइन गेमिंग पर 28प्रतिशत जीएसटी लगाने के सरकार के फैसले का विरोध करते हुए गेमिंग कंपनियों के इन्वेस्टर्स ने सरकार को लेटर लिखा है। 30 डोमेस्टिक और विदेशी गेमिंग इन्वेस्टर्स ने प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखकर जीएसटी काउंसिल के फैसले पर चिंता जताई है।

सेक्टर में अगले 3-4 साल में 4 अरब डॉलर के निवेश पर असर पड़ेगा

इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री और इससे जुड़े अधिकारियों से मुलाकात की इच्छा भी जताई है और फैसले पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है। लेटर में इन्वेस्टर्स ने लिखा, जीएसटी काउंसिल के फैसले से इस सेक्टर में अगले 3–4 साल में लगभग 4 अरब डॉलर के निवेश पर असर पड़ेगा। इससे भारत में इस सेक्टर की ग्रोथ रुक जाएगी। इसके साथ ही इस फैसले से इस सेक्टर के इनवेस्टर्स के कॉन्फिडेंस में भी कमी आएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक लेटर में निवेशकों ने कहा कि काउंसिल के फैसले में संवैधानिक रूप से संरक्षित लीगल ऑनलाइन स्किल गेमिंग इंडस्ट्री की जुआ, सट्टेबाजी और दूसरे गेम ऑफ चांस के साथ गैर जरूरी तुलना की गई है।

भारत को गेमिंग कैपीटल बनाने के सपने पर चोट

पीएम को लिखे लेटर में इन्वेस्टर्स ने कहा, भारत को गेमिंग कैपीटल बनाने के विजन से हमने इस सेक्टर में निवेश किया था। हमारा उद्देश्य देश में हाइ–स्कील्ड जॉब के साथ इनोवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और विजुअल इफेक्ट्स जैसे सेक्टर में रोजगार के नए रास्ते खोलने का था। लेकिन सरकार का यह निर्णय 20.50 हजार करोड़ रुपए के निवेश वाले क्षेत्र को संकट में डाल दिया है। 50 हजार से ज्यादा हाई–स्किल्ड नौकरियों को नुकसान निवेशकों ने यह भी कहा कि इस फैसले का गेमिंग इंडस्ट्री पर बुरा प्रभाव पड़ेगा और लगभग 50 हजार से ज्यादा हाई–स्किल्ड नौकरियों के भी नुकसान होने की आशंका है। साथ ही, 10 लाख से ज्यादा लोगों के रोजगार पर भी संकट है जो इस खेल उद्योग से इन–डायरेक्ट तौर पर जुड़े हुए हैं। इन्वेस्टर्स ने कहा कि गेमिंग इंडस्ट्री विज्ञापन के लिए 8,198 करोड़ रुपए का खर्च करती है। इसके बंद हो जाने से बड़े मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग पर भी बहुत बुरा असर पड़ेगा। जीएसटी में हीं चला जाएगा 50–70प्रतिशत हिस्सा इसके अलावा, उन्होंने कहा कि यदि हर बार खेले जाने वाले हर एक कॉन्टेस्ट की फेस वैल्यू पर इस तरह से जीएसटी लगाया जाएगा, तो कुल जीएसटी का बोझ 1100प्रतिशत बढ़ जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

देश का पहला निजी हिल स्टेशन लवासा 1814 करोड़ में बिका, एनसीएलटी ने दी मंजूरी

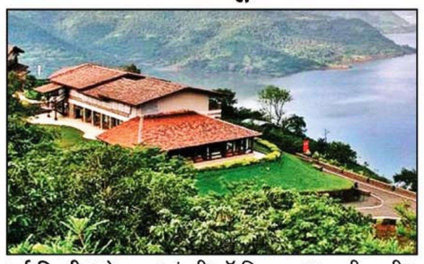

नई दिल्ली । नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने भारत के पहले निजी हिल स्टेशन लवासा को डार्विन प्लेटफॉर्म इंफ्रास्ट्रक्चर को बेचने की मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी के आदेश में प्रस्तुत समाधान योजना को डार्विन के कर्जदाताओं की ओर से हरी झंडी मिलने बाद एनसीएलटी ने लवासा को बेचने की मजूरी दी है। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने निजी हिल स्टेशन लवासा के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू होने के लगभग पांच साल बाद 1,814 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दी है। इसमें आठ वर्षों में 1,814 करोड़ रुपये के भुगतान की परिकल्पना की गई है। इस समाधान योजना में कर्जदाताओं को 929 करोड़ रुपये और घर खरीदारों को पूरी तरह से निर्मित घरों को मुहैया कराने पर 438 करोड़ रुपये खर्च करना शामिल है। 837 होमबायर्स ऐसे हैं जिनके दावे स्वीकार कर लिए गए हैं। उनके स्वीकार किए गए दावों में कुल 409 करोड़ रुपये हैं। कंपनी ने कर्जदाताओं और परिचालन कर्जदाताओं सहित कुल 6,642 करोड़ रुपये का दावा स्वीकार किया है। डार्विन प्लेटफॉर्म इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (डीपीआईएल) लवासा कॉरपोरेशन लिमिटेड के लिए विजेता बोलीदाता बनी है। यह कंपनी मुख्य रूप से पुणे में निजी हिल स्टेशन के व्यवसाय में है। न्यायाधिकरण ने शुक्रवार को पारित 25 पेज के आदेश में 1,814 करोड़ रुपये के निवेश की समाधान योजना को मंजूरी दी। आदेश में कहा गया, इस राशि में 1,466.50 करोड़ रुपये की समाधान योजना राशि शामिल है, जिससे कॉरपोरेट कर्जदार को किश्तों में दिए गए धन के लिए भुगतान किया जाएगा।

यथार्थ हॉस्पिटल का आईपीओ अगले हफ्ते ओपन होगा: 26 से 28 जुलाई तक कर सकेंगे अप्लाय, 7 अगस्त को एनएसई-बीएसई पर लिस्ट होंगे शेयर्स

मुंबई। यथार्थ हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए अगले हफ्ते ओपन हो रहा है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 490 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 26 जून से 28 जून तक बोली लगा सकेंगे। 7 अगस्त को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। अगर आप भी इस आईपीओ में पैसा लगाने का प्लान बना रहे हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि आप इसमें कितना निवेश कर सकते हैं। रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 50 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 285–300 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 300 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 15,000 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 1,95,000 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है।

बीवायडी भारत में नहीं लगा पाएगा ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट: सरकार ने चाइनीज कंपनी के 8199 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव ठुकराया

नई दिल्ली। चीन की इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी बीवायडी मोटर्स भारत में अपना ईवी

मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित नहीं कर पाएगी। सरकार ने कंपनी के 1 बिलियन डॉलर (लगभर 8199 करोड़) की ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के साथ पार्टरशिप करके ईवी बनाने के लिए प्लांट लगाना चाहती थी, जिसके लिए कंपनी ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के पास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था।

अब तक दाखिल नहीं किया आयकर रिटर्न तो सही फॉर्म का चयन कर तुरंत करें ये काम, नहीं तो होगी दिक्कत

नई दिल्ली ।
वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2023 है। सरकार ने लगभग साफ कर दिया है कि आयकर रिटर्न दाखिल करने का दायरा बढ़ाया नहीं जाएगा, ऐसे में अगर आप की आमदनी रिटर्न फाइल करने के दायरे में आती है 31 जुलाई 2023 तक अपना रिटर्न हर हाल में भर लें नहीं तो परेशानी उठानी पड़ सकती है और जुर्माना भरना पड़ सकता है। हालांकि आप विलंब से रिटर्न दाखिल करने का विकल्प 31 दिसंबर, 2023 तक उपलब्ध रहेगा पर उसके लिए आपको जुर्माना भरना पड़ेगा। पांच लाख रुपये से अधिक की कुल आय वाले व्यक्तियों को देर से आईटीआर फाइल करने पर 5000 रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। आईटीआर के सीजन में अक्सर नौकरीपेशा लोग इस बात को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं कि उन्हें किस आईटीआर फॉर्म का इस्तेमाल करना है। इसी उधेड़बुन में लोग समय रहते आईटीआर भरने से चूक जाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो आपको किस आईटीआर का इस्तेमाल करना चाहिए।

आईटीआर–1 फॉर्म क्या है, इसे कौन लोग दाखिल कर सकते हैं – यह सबसे लोकप्रिय, सरल और सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला आईटीआर फॉर्म है, इसलिए इस बात पर संशय सबसे ज्यादा रहती है कि कौन लोग इस फॉर्म का उपयोग कर सकते हैं और कौन नहीं आईटीआर–1 का उपयोग वैसे व्यक्ति कर सकते हैं जो भारत के निवासी है और जिनकी आय का साधन केवल वेतन व अन्य स्रोतों से होने वाली आमदनी है। ऐसे लोग जिनके पास केवल एक ही घर है जिनकी कुल आय सालाना पचास लाख से अधिक नहीं है। वे भी आईटीआर–1 का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईटीआर–1 फॉर्म का इस्तेमाल कौन लोग नहीं कर सकते है – ऐसे एक व्यक्ति और एचयूएफ जिनकी आमदनी नौकरी से होने वाली आय नहीं है वे आईटीआर –1 का उपयोग नहीं कर सकते हैं। यदि एनआरआई हैं तो आप आईटीआर–1 का उपयोग नहीं कर सकते हैं। इसी तरह, यदि आपके पास एक से अधिक संपत्ति है, चाहे व स्वयं के कब्जे में हो या किराये पर तो आप आईटीआर –1 का उपयोग नहीं कर सकते हैं। वे सभी व्यक्ति जो किसी कंपनी में निदेशक पद हैं या किसी भी गैर–सूचीबद्ध कंपनी के शेयरों में निवेश करते हैं वे भी आईटीआर –1 का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

यदि आप भारत के बाहर मौजूद किसी खाते में प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता हैं तो भी आप आईटीआर1 का इस्तेमाल नहीं करते हैं। ऐसे लोग जिनके पास देश के बाहर कोई संपत्ति है या किसी संपत्ति से आमदनी है वे भी आईटीआर–1 फॉर्म का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। किसी किसी व्यक्ति की खेती से सालाना 5000 रुपये से अधिक की आमदनी है तो भी वह व्यक्ति आईटीआर 1 का इस्तेमाल नहीं कर सकता है। यदि आपने वर्ष के दौरान कोई लॉटरी जीती है, तो तो भी आईटीआर फॉर्म का उपयोग नहीं कर सकते हैं। इसके अलावे वे सभी जो रेसहॉर्स के मालिक हैं और उनका रखरखाव करते हैं, वे भी आईटीआर –1 दाखिल करने के लिए पात्र नहीं हैं। यदि आपने वर्ष के दौरान कोई लॉटरी जीती है, तो आप इस आईटीआर फॉर्म का उपयोग नहीं कर सकते हैं। इसी तरह, वे सभी जो रेसहॉर्स के मालिक हैं और उनका रखरखाव करते हैं, वे आईटीआर –1 दाखिल करने के लिए पात्र नहीं हैं। यदि आपके पास अन्य स्रोतों से आय शीर्षक के तहत आय है और ऐसी आय के खिलाफ किसी भी कटौती का दावा करना चाहते हैं, तो आप इस सरल आईटीआर –1 का उपयोग करने की सुविधा का लाभ नहीं उठा सकते हैं, हालांकि ऐसे व्यक्ति जो पारिवारिक पेंशन के रूप में अधिक 15000 रुपये की पेंशन का दावा करने के हकदार हैं वे आईटीआर 1 का उपयोग कर सकते हैं।

आईटीआर–2 फॉर्म का इस्तेमाल कौन कर सकता है – आईटीआर–2 का उपयोग वे सभी लोग कर सकते हैं जो आईटीआर–1 का उपयोग करने के पात्र नहीं हैं और जिनकी कोई व्यावसायिक या पेशेवर आय नहीं है। संक्षेप में कहा गया है कि आईटीआर–2 का उपयोग ऐसे किसी व्यक्ति या एचयूएफ द्वारा नहीं किया जा सकता है, जिसके पास कोई व्यावसायिक या पेशेवर आय है। एचयूएफ आईटीआर–2 भी फाइल कर सकता है अगर उसकी कोई कारोबारी आय नहीं है। यहां आय में नुकसान भी शामिल है और यदि आपको अपने व्यवसाय में कोई नुकसान हुआ है, तो भी आप आईटीआर –2 का उपयोग नहीं कर सकते हैं। आपके लिए आईटीआर–3 या आईटीआर–4 का उपयोग करना ज्यादा आसान होगा। इस फॉर्म का उपयोग उन व्यक्तियों की ओर से भी किया जा सकता है जो एक फर्म में भागीदार हैं लेकिन अपने नाम पर कोई व्यवसाय या पेशा नहीं कर रहे हैं।

फॉर्म आईटीआर–3 फॉर्म का इस्तेमाल कौन कर सकता है – यदि आप किसी व्यवसाय या पेशे में लगे हुए व्यक्ति या एचयूएफ हैं, जिसकी आय अनुमानित कराधान के तहत पूर्व कर निर्धारण के लिए पेश नहीं की जा रही है, तो आपको आईटीआर 3 का उपयोग करना होगा। हालांकि, यदि आप अपने व्यवसाय या पेशेवर आय को अनुमानित आधार पर पेश कर रहे हैं, लेकिन आपकी कुल आय 50 लाख से अधिक है, तो आप आईटीआर–4 का उपयोग नहीं कर सकते हैं, लेकिन केवल आईटीआर –3 का उपयोग करना होगा।

फॉर्म आईटीआर–4 फॉर्म का इस्तेमाल कौन कर सकता है – आईटीआर–4 जिसे सुगम के नाम से जाना जाता है, का उपयोग कोई भी व्यक्ति कर उद्देश्यों के लिए कर उद्देश्यों, एचयूएफ, या एक साझेदारी फर्म के लिए कर सकता है जो निवासी हैं और जो अनुमानित आधार पर अपनी आय की पेशकश करना चाहते हैं, जहां आय को वाणिज्यिक वाहनों के स्वामित्व के आधार पर या आपकी सकल प्राप्तियों या कारोबार के प्रतिशत के रूप में न्यूनतम दर पर माना जाता है। कृपया ध्यान दें कि एलएलपी आईटीआर 4 का उपयोग करने के लिए पात्र नहीं है। यदि आप किसी कंपनी में निदेशक हैं या किसी गैर–सूचीबद्ध कंपनी में शेयर रखते हैं, तो आप आईटीआर–4 का उपयोग नहीं कर सकते हैं और यदि आपके पास कराधान की संभावित योजना के लिए पात्र व्यवसाय या पेशेवर आय कर योग्य है तो आपको आईटीआर –3 का उपयोग करना होगा। यदि आपकी वास्तविक व्यवसाय या पेशेवर आय कानून द्वारा अनुमानित राशि से कम है, तो आप इस फॉर्म का उपयोग नहीं कर सकते हैं और आईटीआर–3 का उपयोग करना होगा। इसके अलावा, आपको अपने खातों का ऑडिट कराना होगा और आईटीआर जमा करने से पहले रिपोर्ट जमा करनी होगी।

स्मार्टवॉच जैसे फीचर्स वाली बोट की स्मार्ट अंगूठी

महिलाओं को पीरिएड्स का नोटिफिकेशन भेजेगी, हार्ट रेट और बॉडी टेम्परेचर भी बताएगी

नई दिल्ली।
वियरेबल गैजेट्स बनाने वाली कंपनी बोट ने भारत में शुक्रवार को स्मार्ट रिंग पेश की है। यह साधारण सी दिखने वाली रिंग (अंगुठी) एडवांस फिटनेस फीचर्स से लैस है। रिंग फीमेल यूजर्स को मेन्स्ट्रुअल साइकल का नोटिफिकेशन स्मार्टफोन पर भेजेगी। इसके अलावा रिंग से हार्ट रेट और बॉडी टेम्परेचर की जानकारी भी मिलेगी। रिंग को सेरेमिक और मैटल से मिलाकर बनाया गया है। ये रिंग वॉटर रेसिसटेंस होगी, जिसे पहनकर आप स्वीमिंग भी कर सकेंगे। भारतीय मार्केट में इस रिंग का मुकाबला अल्ट्रा ह्यूमन रिंग एयर और सैमसंग की गैलेक्सी रिंग से होगा।

अगस्त में लॉन्च हो सकती है स्मार्ट रिंग – बोट ने स्मार्ट रिंग की लॉन्च डेट के बारे में जानकारी नहीं दी है। उम्मीद है अगस्त में इस रिंग को भारतीय मार्केट उतारा जा सकता है। कंपनी का कहना है कि बोट को प्राइस किफायती ही रखा जाएगा। बोट स्मार्ट रिंग अमेजॉन, फ्लिपकार्ट और बोट के ऑफिशियल ऑनलाइन स्टोर सहित ई–कॉमर्स प्लेटफार्म्स पर अवेलेबल होगी।

बोट स्मार्ट रिंग के फीचर्स – मेन्स्ट्रुअल ट्रैकर : स्मार्ट रिंग की सबसे बड़ी खासियत मेन्स्ट्रुअल ट्रैकर है। इसकी मदद से महिला यूजर्स माहवारी चक्र (पीरियड) ट्रैक कर सकेंगी। इसके साथ ही नोटिफिकेशन और रिमाइंडर के जरिए इसकी जानकारी भी मिलेगी। एक्टिविटी ट्रैकिंग : स्मार्ट रिंग यूजर की डेली फिजिकल मूवमेंट को ट्रैक करेगी। यह वॉकिंग स्टेप्स, डिस्टेंस कवर्ड, बर्न कैलोरी आदि की जानकारी देगी। इसमें गोल सेट करने के साथ हर दिन की प्रोग्रेस भी देख सकेंगे। हार्ट रेट मॉनिटरिंग : स्मार्ट रिंग हार्ट रेट सेंसर से लैस है। रूटीन काम करने से लेकर वर्कआउट के दौरान भी रिंग से हार्ट रेट की जानकारी मिलती रहेगी। बॉडी रिकवरी ट्रैकिंग : स्मार्ट रिंग यूजर की बॉडी में आने वाले ओवरआल चेंजेस को ट्रेक करेगी और ये भी बताएगी कि चेंजेस पॉजिटिव है या नहीं। बॉडी टेम्परेचर मॉनीटरिंग : रिंग बॉडी टेम्परेचर को भी मापेगी। ज्यादा ठंडा या गर्म होने पर यह नॉटिफिकेशन भेजेगी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि स्मार्ट रिंग फीवर नापने वाले थर्मामीटर का काम करेगी या नहीं। मॉनिटरिंग : स्मार्ट रिंग में एसपी मीटर दिया गया है, जो खून में मौजूद ऑक्सीजन का लेवल मापता है।

मंथली इनकम अकाउंट में मिल रहा 7.4प्रतिशत ब्याज: इससे हर महीने 9,250 रुपए तक की कमाई

नई दिल्ली।
अगर आप हर महीने अपने लिए कमाई का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस का नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम अकाउंट सही रहेगा। इस स्कीम में अभी 7.4प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। इसके जरिए आप अपने लिए हर महीने 9,250 रुपए की इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। हम आपको इस स्कीम के बारे में बता रहे हैं, ताकि आप भी इसमें निवेश करके अपने लिए मंथली इनकम का इंतजाम कर सकें। इसमें 7.4प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। सालाना मिलने वाले ब्याज को 12 महीनों में बांट दिया जाता है और वह अमाउंट आपको हर महीने मिलता रहता है। अगर आप मंथली पैसा न निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट में रहेगा और मूलधन के साथ इन पैसों को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। मान लीजिए अगर आप इस योजना में 9 लाख रुपए का निवेश करते हैं तो अब आपको 7.4प्रतिशत सालाना ब्याज के हिसाब से सालाना 66 हजार 600 रुपए ब्याज

मिलेगा। वहीं अगर आप इसमें ज्वाइंट अकाउंट के तहत 15 लाख का निवेश करते हैं तो आपको 1 लाख 11 हजार रुपए सालाना ब्याज मिलेगा। इसे 12 महीनों में बराबर बांटे तो आपको हर महीने 9,250 रुपए मिलेंगे। अगर रिटर्न को विद्ड्रॉ नहीं करते हैं तो उस पर भी ब्याज मिलता है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 5 साल है। यानी स्कीम पूरी होने पर आपकी पूरी जमा पूंजी आपको वापस मिलगी। हालांकि, अगर आप चाहें तो इस पैसे को फिर से इसी योजना में निवेश करके मंथली आय का साधन बनाए रख सकते हैं। इस खाते को किसी नाबालिग के नाम पर और 3 वयस्कों के नाम पर जॉइंट अकाउंट भी खोला जा सकता है। 10 साल से ज्यादा उम्र के माइनर के नाम भी पेरेंट्स की देखरेख में खाता खोला जा सकता है। केंद्र सरकार ने सुकन्या समृद्धि और नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम अकाउंट समेत अन्य पोस्ट ऑफिस बचत योजनाओं में निवेश के लिए पैन और आधार कार्ड को अनिवार्य कर दिया है।

विदेशी मुद्रा भंडार 15 माह के शीर्ष पर, 12.7 अरब डॉलर की वृद्धि; कोयला उत्पादन में 8.55प्रतिशत बढ़ोतरी

मुंबई ।
देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जुलाई, 2023 को समाप्त सप्ताह में 12.743 अरब डॉलर बढ़कर करीब 15 महीने के उच्च स्तर 609.022 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में मुद्रा भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.28 अरब डॉलर पहुंच गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्तूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन, वैश्विक घटनाओं के कारण बने दबावों के बीच रुपये को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई। आरबीआई के शुक्रवार के आंकड़ों के मुताबिक, 14 जुलाई वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में अहम हिस्सेदारी रखने वाली विदेशी मुद्रा संपत्तियां 11.198 अरब डॉलर बढ़कर 540.116 अरब डॉलर पहुंच गई। सोने का भंडार 1.137 अरब की वृद्धि के साथ 45.197 अरब डॉलर पहुंच गया। आईएमएफ के पास रखा देश का मुद्रा भंडार

15.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.17 अरब डॉलर पहुंच गया। कृषि कामगारों और ग्रामीणश्रमिकों के लिएखुदरा महंगाईजून, 2023 में मामूली बढ़कर क्रमश: 6.31 फीसदी एवं 6.16 फीसदी पहुंच गई।मई में यह क्रमश: 5.99 फीसदी और 5.84 फीसदी रही थी।वहीं, खाद्य महंगाई बढ़कर 7.03 फीसदी तक पहुंच गई।

कोयला उत्पादन में 8.55 फीसदी बढ़ोतरी

देश में कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–जून तिमाही में 8.55 फीसदी बढ़कर 22.34 करोड़ टन पहुंच गया।कोयला मंत्रालय के अनुसार, 2022–23 की समान अवधि देश में कुल 20.58 करोड़ टन कोयले का उत्पादन हुआथा।

3,000 करोड़ के एनपीए खाते बेचेगा यूनियन बैंक यूनियन बैंक 3,000 करोड़ रुपये के मूल्य के आठ एनपीए खाते बैड बैंक यानी नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी को बेचेगा।बैंक का सकल एनपीए अनुपात 2.88 फीसदी घटकर 7.34 फीसदी पर आगया।रुपये में यह 60,104 करोड़ रहा। सरकार ने अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना की अंतिम तिथि तीसरी बार बढ़ाकर 30, जून, 2024 तक कर दी है। इससे पहले 2020 और 2021 में भी इसकी अवधि बढ़ाईगई थी। इसके तहत, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के लाभार्थियों को सुविधा मिलती है, जो कोरोना के कारण बेरोजगार हो गए हैं। इसे 2018 में शुरू किया गया था। इसमें बीमित व्यक्ति को 90 दिन तक के लिए नकदी मुआवजा मिलता है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का रिजल्ट

नेट प्रॉफिट 16,011 करोड़ रहा, 9 प्रति शेयर डिविडेंड देगी; जियो का मुनाफा 12प्रतिशत बढ़ा

मुंबई।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पहली तिमाही (अप्रैल–जून) के रिजल्ट्स अनाउंस कर दिए हैं। कंपनी का नेट प्रॉफिट 16,011 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 17,955 करोड़ रुपए रहा था। यानी इस फाइनेंशियल ईयर की पहली तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में 11प्रतिशत गिरावट आई है।

9 प्रति शेयर डिविडेंड देगी रिलायंस इंडस्ट्रीज

रिजल्ट के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने निवेशकों के लिए 9 रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड का ऐलान भी किया है। पिछली तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 19,299 करोड़ रुपए रहा था।

कंपनी का रेवेन्यू 2.07 लाख करोड़ रुपए रहा

में कंपनी का रेवेन्यू 2.07 लाख करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 2.19 लाख करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट इस तिमाही में बढ़कर 38,093 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 37,997 करोड़ रुपए रहा था। ऑपरेटिंग मार्जिन 18.3प्रतिशत रहा, जो पिछले साल की सामान तिमाही में 17.3प्रतिशत रहा था।

नतीजों पर रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने क्या कहा

नतीजों के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि पहली तिमाही का मजबूत प्रदर्शन हमारे विविधता भरे पोर्टफोलियो की क्षमता दिखाता है। जियो की बेहतर सेवाओं की पूरी रेंज से सब्सक्राइबर बेस बढ़ा है। रिटेल ने तेज ग्रोथ दर्ज की है। डिजिटल सहित नई पहलों की हिस्सेदारी बढ़ रही है और ओटीसी कारोबार ने दुनिया भर में जारी चुनौतियों के बीच बेहतर प्रदर्शन किया है।

पहली तिमाही में जियो का नेट प्रॉफिट 12प्रतिशत बढ़ा

पहली तिमाही में रिलायंस ग्रुप की टेलिकॉम कंपनी जियो का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर

12प्रतिशत बढ़कर 4,863 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले साल समान तिमाही में 4,335 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। वहीं पिछले फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट 4,716 करोड़ रहा था। जियो का नेट प्रॉफिट तिमाही आधार पर 3.11प्रतिशत बढ़ा है।

कंपनी का रेवेन्यू 10प्रतिशत बढ़ा

ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू करीब 10प्रतिशत बढ़कर 24,042 करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 21,873 करोड़ रुपए रहा था। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 23,394 करोड़ रुपए रहा था। इस हिसाब से कंपनी का रेवेन्यू तिमाही आधार पर 2.76प्रतिशत बढ़ा है।

जियो इंफोकॉम का ऑपरेटिंग प्रॉफिट जून तिमाही में 12,278 करोड़ रुपए रहा। यह इसके ठीक पिछली तिमाही में रहे 12,210 करोड़ रुपए के ऑपरेटिंग प्रॉफिट से 0.55प्रतिशत ज्यादा है। वहीं पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का 10,964 करोड़ रुपए रहा था। यानी जून तिमाही में सालाना आधार पर कंपनी का 15प्रतिशत बढ़ा है।

जून तिमाही में मार्जिन बढ़कर 52.3प्रतिशत रहा

जियो का मार्जिन जून तिमाही में बढ़कर 52.3प्रतिशत रहा, पिछले साल की समान तिमाही में यह 50.1प्रतिशत था। कंपनी का डेट–इक्विटी रेशियो एक साल पहले के 0.16 गुना की तुलना में 0.21 गुना हो गया। ऑपरेटिंग मार्जिन 26.2प्रतिशत पर स्थिर रहा, जबकि नेट प्रॉफिट मार्जिन 0.30प्रतिशत बढ़कर 17.2प्रतिशत हो गया।

जियो के एआरपीयू में दिखा उछाल

जियो को हर यूजर के जरिए होने वाली एवरेज इनकम में उछाल देखने को मिला है। पिछले साल के मुकाबले जियो का एवरेज रेवेन्यू पर यूजर 175.7 रुपए से बढ़कर 180.5 रुपए पर पहुंच गया है। जियो का कस्टमर बेस पिछले साल के 41.99 करोड़ से बढ़कर 44.85 करोड़ पर आ गया है। डाटा ट्रैफिक 25.9 बिलियन जीबी के मुकाबले 33.2 बिलियन जीबी रहा। वायस ट्रैफिक पिछले साल के मुकाबले 1.25 लाख करोड़ मिनट से बढ़कर 1.34 लाख करोड़ मिनट रहा।

रिलायंस रिटेल

पहली तिमाही में रिलायंस रिटेल ने रिकॉर्ड रेवेन्यू दर्ज किया है। जारी आंकड़ों के अनुसार, इस तिमाही में रिटेल का रेवेन्यू 69,962 करोड़ रुपए रहा है।

बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी साउथ की एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश

-जवान के निर्देशक एटली कुमार करेंगे प्रस्तुत

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर वरुण धवन के साथ दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म, जिसका अस्थायी शीर्षक #वीडी18 है, का निर्माण मुराद खेतानी (सिने1 स्टूडियोज) और प्रिया एटली (ए फॉर एप्पल स्टूडियोज) द्वारा किया जा रहा है। इसे जवान के निर्देशक एटली कुमार प्रस्तुत करेंगे। दोनों तमिल फिल्म निमार्ता कालीस द्वारा निर्देशित एक्शन से भरपूर नाटकीय मनोरंजन फिल्म में अभिनय करेंगे। कीर्ति अपने बॉलीवुड लॉन्च वाहन में कुछ तत्वों की तलाश में थीं, और वरुण धवन की यह फिल्म उनकी प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। वह भावनाओं, नाटक और एक्शन से भरी इस व्यावसायिक फिल्म में एक मजबूत और ग्लैमरस किरदार निभाएंगी। दक्षिण में खुद को स्थापित करने के बाद अपनी असाधारण अभिनय क्षमता और प्राकृतिक आकर्षण के साथ, कीर्ति पूरे भारत में अपने पंख फैलाने के लिए पूरी तरह तैयार है, और#वीडी18 उस दिशा में पहला कदम है, फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने पिंकविला को बताया। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होने वाली है। निमार्ताओं ने स्पष्ट रूप से 31 मई, 2024 को प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को नवंबर तक पूरा करने के लिए तीन महीने की योजना बनाई है। वरुण, जिन्हें आखिरी बार अमर कौशिक की फिल्म भेड़िया में एक वेयरवोल्फ की भूमिका निभाते हुए देखा गया था, कथित तौर पर इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। वर्तमान में, वह नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित और जान्हवी कपूर द्वारा अभिनीत अपनी अगली फिल्म बवाल की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

अपकमिंग सालारः पार्ट 1 सीजफायर सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक

-रिलीज से पहले ही इस तरह बनाया रिकॉर्ड

मुंबई (ईएमएस)। अपकमिंग पैन इंडिया सालारः पार्ट 1 सीजफायर वाली सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में सुपरस्टार प्रभास ने प्रमुख भूमिका निभाई है। फिल्म का टीजर लॉन्च के बाद से ही दर्शकों और फैन्स की एक्साइटमेंट कई गुना और बढ़ गई है। ऐसे में अब सभी बस फिल्म के सिनेमाघरों में लगने का इंतजार कर रहें है। वहीं ये फिल्म लगातार सुर्खियों में भी है, और फिल्म को लेकर आई लेटेस्ट अपडेट की माने तो फिल्म ने एक नया बेंचमार्क सेट किया है और नॉर्थ अमेरिका में 1979 से ज्यादा जगहों और 5,000 से अधिक विदेशी लोकेशन्स में पहली बार स्क्रीनिंग हासिल की है।

इसके साथ ही सालारः पार्ट 1 - सीजफायर ने रिलीज से काफी पहले ही रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराना शुरू कर दिया है। मुश्किलों को पार करते हुए और नए बेंचमार्क सेट करते हुए, यह फिल्म 27 सितंबर 2023 को यूएसए में रिलीज होगी, जो पहले कभी किसी भारतीय फिल्म के साथ नहीं हुआ है। कह सकते है यह सब फिल्म को लेकर हो रही जबरदस्त चर्चा का ही नतीजा है कि फिल्म को विदेशों में बड़े पैमाने पर रिलीज मिल रही है। यह वास्तव में दशार्ता है कि दुनिया भर के डिस्ट्रीब्यूटर्स को फिल्म पर पूरा भरोसा है। ऐसे में बड़ी ग्लबोल रिलीज फिल्म की मांग और विदेशी बाजार में चर्चा को दशार्ता है, जो वास्तव में फिल्म की ग्लोबल पहुंच का फायदा उठाता है। इस खबर की घोषणा प्रत्यंगिरा सिनेमाज द्वारा की गई, जो बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म की ओवरसीज रिलीज को देख रहा है। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अपने सोशल मीडिया पर कैप्शन दिया हमारी तरफ से बॉक्स ऑफिस बुलडोजर को ग्रैंड सैल्यूट.... उस आदमी के जन्मदिन साल को उन जगहों के साथ चिह्नित करते हुए जिन्हें हम नॉर्थ अमेरिका में रिलीज कर रहे हैं। प्रभास 1979 लोकेशन्स - किसी भी भारतीय फिल्म के लिए ऑल टाइम रिकॉर्ड रिलीज। सालारः पार्ट 1 - सीजफायर को प्रमुख प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स द्वारा काफी बड़े बजट में बनाया गया है और इसका निर्देशन प्रशांत नील ने किया हैं।

मैं अभी प्रेग्नेंट नहीं हूं, तो शादी की जल्दी नहीं : तापसी पन्नू

-एक्ट्रेस ने फैंस का कराया मुंह बंद

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड मशहूर अभिनेत्री तापसी पन्नू ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फैंस के साथ आस्क मी सेशन रखा। तापसी ने अपने निजी और पेशेवर जीवन के बारे में अपने फैंस के कई सवालों के जवाब दिए। एक फॉलोअर्स को शादी के बारे में एक निजी सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने बहुत ही करारा जवाब दिया और कहा, मैं कब शादी कर रही हूं? मैं अभी प्रेग्नेंट नहीं हूं। तो जल्दी तो नहीं। जब करूंगी तो सबको बता दूंगी। जवाब देने के बाद तापसी कुछ देर तक हंसती भी नजर आईं। माना जा रहा है कि तापसी ने यह तंज बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस पर कसा है जो शादी से पहले प्रेग्नेंट हो जाती हैं। तापसी पन्नू अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर बेहद प्राइवेट मानी जाती हैं। वह बैडमिंटन खिलाड़ी माथियास बो को डेट कर रही हैं। उन्होंने इसका जिक्र कॉमेडियन अबीश मैथ्यूज के स्ट्रीमिंग शो सन ऑफ अबीश में किया था।अभिनेत्री ने पहले मीडिया से कहा था कि वह विवाह में बड़ा उत्सव नहीं चाहतीं, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह बहुत थका देने वाला है। 2013 की फिल्म चश्मे बद्दूर से हिंदी फिल्म में डेब्यू करने से पहले तापसी ने दक्षिण में बड़े पैमाने पर काम किया है। वह अगली बार राजकुमार हिरानी निर्देशित डंकी में दिखाई देंगी, जिसमें वो शाहरुख खान के अपोजिट नजर आएंगी। शाहरुख के पास फिल्म जवान भी है। तापसी के पास वो लड़की है कहां और फिर आई हसीन दिलरुबा भी पाइपलाइन में हैं। तापसी एक फिल्म निमार्ता भी हैं और उनका पहला प्रोडक्शन ब्लर दिसंबर, 2022 में डिजिटल रूप से रिलीज हुआ था। फिल्म में उन्होंने दो बहनों की दोहरी भूमिका निभाई थी। बता दें कि तापसी पन्नू पिंक, मनमर्जियां, गेम ओवर थप्पड़ जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में अभिनय करने के लिए पहचानी जाती है।

अजय-काजोल का बेटा युग को किया गया स्पॉट

अभिनेता अजय देवगन और काजोल के बेटे युग को अपने अंगरक्षक के साथ एयरपोर्ट से बाहर निकलते देखा गया। युग के साथ उसके माता-पिता मौजूद नहीं थे। युग को पूरी तरह से काले रंग की पोशाक, टी-शर्ट जॉगर्स और स्पोर्ट शूज पहने देखा गया। वह एक हाथ में फोन के साथ एक बैकपैक ले जा रहा था। छोटे लड़के को पैपराजी के बीच से गुजरते हुए अपने अंगरक्षक के साथ मजेदार बातचीत करते देखा जा सकता है। युग को अपने बालों को सहलाते हुए मुंबई चिल्लाते हुए भी देखा गया।

काजोल को आखिरी बार गंभीर कोर्टरूम ड्रामा द ट्रायल में नोयोनिका सेनगुप्ता के रूप में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म दो पत्ती और सरजमीन है।

तुम्हे मनाना मुझे अच्छा लगता है : निक जोनस

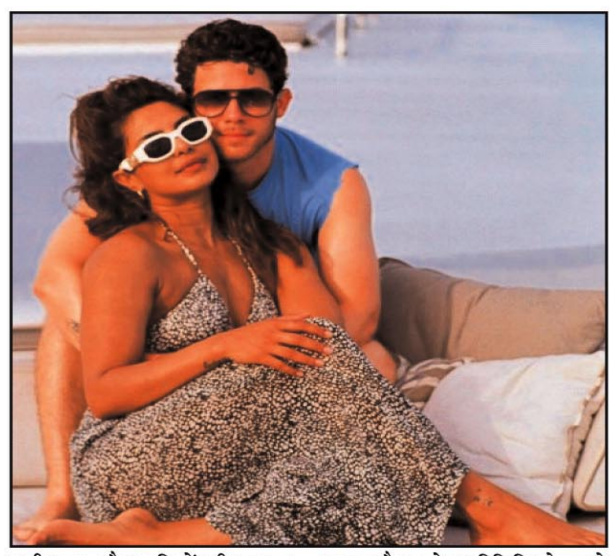

अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने 18 जुलाई को अपना 41वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। उनके जन्मदिन के मौके पर उनके पति व पॉप स्टार निक जोनस ने एक पोस्ट शेयर की। इंस्टाग्राम पर निक ने प्रियंका के साथ एक अनदेखी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें कपल यॉट पर बैठे हैं। प्रियंका ने व्हाइट एंड ब्लैक कलर के डॉटेड हॉल्टर-नेक ड्रेस के साथ सनग्लासेस पहना हुआ है और निक ने ब्लू स्लीवलेस टी शर्ट पहनी हुई है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, मुझे तुम्हें मनाना अच्छा लगता है, हैप्पी बर्थडे माई लव। कमेंट सेक्शन में फैंस द्वारा जन्मदिन के बधाइयों की बाढ़ आ गई। उन्होंने लिखा, आप दोनों को ढेर सारा आशीर्वाद, मुझे खुशी है कि आप हमारी क्वीन के जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं, वह इस दुनिया में सभी प्यार और खुशियों की हकदार है। प्रियंका को जन्मदिन पर उनकी बहन और एक्ट्रेस परिणिति चोपडा ने भी बधाई दी है।

हार्ट ऑफ स्टोन से हॉलीवुड में डेब्यू कर रही आलिया भट्ट

-फिल्म का पहला पोस्टर जारी

मुंबई (ईएमएस)। नेटफ्लिक्स फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन से एक्ट्रेस आलिया भट्ट हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। अभिनेत्री अपने करियर में पहली बार खलनायक की भूमिका निभा रही है, यह भी देखना बाकी है कि वह आउट-एंड-आउट एक्शन दृश्यों को कैसे निभाती है। प्रशंसक फिल्म में उनकी भूमिका देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिल्म में अभिनेत्री गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। नेटफ्लिक्स फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन के साथ अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म में आलिया भट्ट अपने करियर में पहली बार एक खलनायक की भूमिका निभा रही हैं। आज इसका पहला पोस्टर जारी किया है। एक्शन फिल्म में अभिनेत्री के किरदार का नाम केया धवन होगा। इस हाई-स्टेक जासूसी के केंद्र में आलिया है, जो एक रहस्यमय हैकर का किरदार निभा रही है जो सभी बाधाओं को नियंत्रित करती है। राचेल स्टोन (गैल गैडोट) एक अनुभवहीन तकनीकी विशेषज्ञ है, जो प्रमुख एजेंट पार्कर (जेमी डोर्नन) की अध्यक्षता वाली एक विशिष्ट एमआई6 इकाई में है। उसकी एमआई6 टीम को यह नहीं पता कि स्टोन वास्तव में चार्टर के लिए काम करता है - एक गुप्त शांति स्थापना संगठन, जो अन्य जासूसों से भी गुप्त है, जो वैश्विक खतरों को बेअसर करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करता है। एक अभूतपूर्व फील्ड एजेंट जो मिशन पर कायम रहता है, संख्याओं का पालन करता है, और किसी पर भरोसा नहीं करता है। जब रहस्यमय हैकर कीया धवन (आलिया भट्ट) द्वारा एक नियमित मिशन को पटरी से उतार दिया जाता है, तो रेचेल की दो जिंदगियां टकरा जाती हैं। चूँकि वह चार्टर की रक्षा के लिए दौड़ती है और बाधाओं को हराने का प्रयास करती है।

मुंबई मेट्रो में सफर करते हुए देखा गया विद्युत जामवाल को

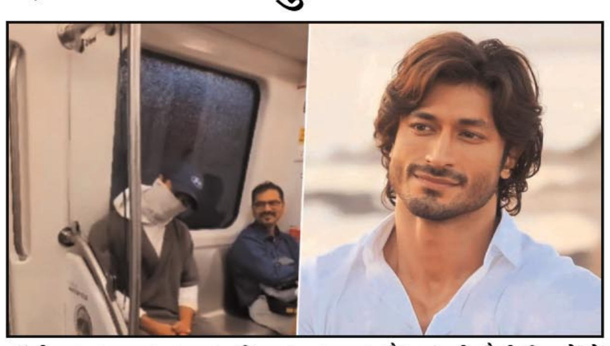

बॉलीवुड एक्शन स्टार विद्युत जामवाल को शूटिंग के बाद घर पहुंचने के लिए मुंबई मेट्रो में सफर करते हुए देखा गया। मुंबई मेट्रो में एक्टर की सफर करते हुए एक वीडियो सामने आई है। वीडियो में विद्युत को नेवी ब्लू बेसबॉल कैप, ग्रे स्वेटशर्ट और नीले स्नीकर्स के साथ ग्रे शॉर्ट्स पहने देखा जा सकता है। उन्होंने अपना चेहरा ढका हुआ है। विद्युत लोगों के बीच छुपे रहने में पूरी तरह से कामयाब रहे। उनके बगल वाला व्यक्ति भी उन्हें नहीं पहचान पाया। अभिनेता बोरीवली में अपनी शूटिंग के बाद मेट्रो की यात्रा कर रहे थे। विद्युत ने कमांडो, खुदा हाफिज, सनक और जंगली जैसी फिल्मों में काम किया है। आईबी-71 स्टार फिलहाल अपनी आगामी फिल्म क्रैक-जीतेगा तो जिएगा की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो एक एड्रेनालाईन-रशिंग एक्सट्रीम स्पोर्ट्स फिल्म है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो भाइयों पर आधारित है जो जीतने के लिए खेलों के साथ स्टंट करने के लिए तैयार हैं।

फिल्म को सरीम मोमिन और रेहान खान ने लिखा है। विद्युत की आखिरी फिल्म आईबी-71 थी, जो निमार्ता के रूप में उनकी पहली रिलीज थी। विद्युत ने 2011 में फोर्स से डेब्यू किया था।

"द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड" का ट्रेलर रिलीज

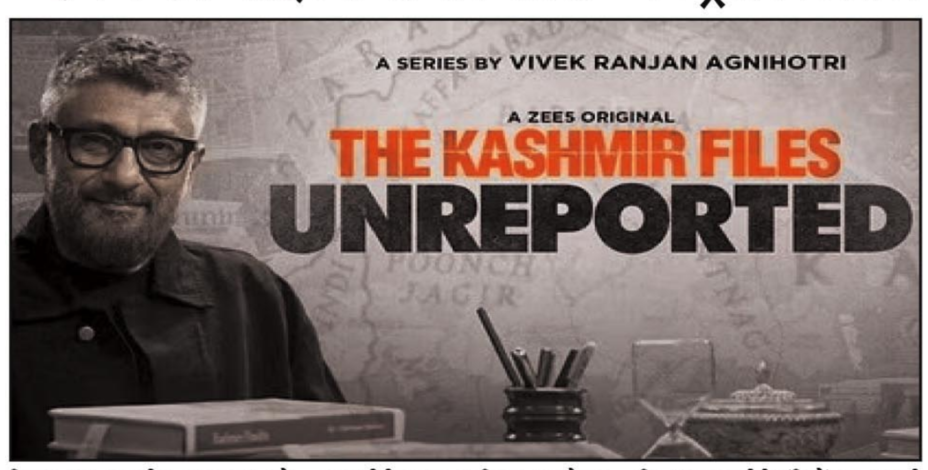

फिल्म "द कश्मीर फाइल्स" को दर्शकों ने खूब सराहा। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। अब विवेक अग्रिहोत्री "द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड" सीरीज लेकर आ रहे हैं। इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। फिल्म "द कश्मीर फाइल्स" में पीड़ितों की कहानी दिखाई गई है। अभिनेताओं ने पीड़ितों की भूमिका निभाई। लेकिन अब "द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड" सीरीज में पीड़िताएं खुद अपना रोमांचक अनुभव सुनाती नजर आएंगी। जल्द ही "द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड" सीरीज जी5 पर प्रसारित होगी। आज इस सीरीज का 2 मिनट का ट्रेलर रिलीज किया गया। इसमें पीड़ित अपनी आपबीती बताते नजर आ रहे हैं ट्रेलर की शुरूआत में एक महिला कहती है, "आपने देखा कि यश चोपड़ा कश्मीर में एक फिल्म बना रहे थे। कश्मीर में एक शिकारी देख रहे थे। लेकिन इसके परे एक अलग कश्मीर था, जिसे हम देख रहे थे।" फिर कश्मीर में उस वक्त के आतंक का मंजर दिखाया जाता है। इस ट्रेलर में आगे विवेक अग्निहोत्री कहते नजर आ रहे हैं कि, "शायद भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ।" साथ ही इस टीजर के अंत में पल्लवी जोशी सवाल पूछती नजर आ रही हैं कि "इन कश्मीरी पंडितों का असली सच क्या था" ?" "द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड" का ट्रेलर देखने के बाद अब दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लेकिन यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। इस बीच इस नई सीरीज को लेकर विवेक अग्निहोत्री ने एक इवेंट में कहा कि "द कश्मीर फाइल्स" का यह सीक्वल आंखें खोलने वाला है और दर्शकों में उत्साह लाएगा। जब हमने दुनिया को सदियों पुरानी कश्मीरी पंडितों की कहानी बताने का फैसला किया। तभी से हमने इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया।

सूडोकु नवताल- 6500

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6499 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्दजाल - 7247

र	रा	डा.	आं	बे	ड	क	र	झ	क	अ
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल
क	म	दा	च	ल	क	इं	हा	दा	रा	क
र	जा	र	सी	हा	मि	री	दि	स	जी	ला
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	गां	क
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में 10 भारत रत्न प्राप्त लोगों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रवि शंकर, अमर्त्य सेन, राजीव गांधी, अब्दुल कलाम, डा. आंबेडकर, सी.वी. रमन, जाकिर हुसैन, मदर टेरेसा, इंदिरा गांधी, विनोबा भावे

शब्दजाल - 7246 का हल

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	डो	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6200

7	6		4			
2	28	4	33	7	35	4
	2	5				
5	28	3	38	6	34	1
	2		3		1	
3	31	2	31	1	30	6
			4		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6199 का हल

5	1	6	3	7	2	4
1	30	2	37	6	31	3
3	5	7	4	2	1	6
6	30	3	27	1	33	5
2	3	1	4	5	6	7
7	33	4	32	4	30	2
4	7	5	6	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

जन्म से नहीं दोनों हाथ पर कर रहीं कमाल की तीरंदाजी

नई दिल्ली।

किश्तवाड़ (जम्मू कश्मीर) जिले के दूरदराज गांव लोई धार की शीतल देवी के जन्म से ही दोनों हाथ नहीं है। बावजूद इसके 16 साल की इस बेटी के लिए दिव्यांगता अभिशाप नहीं बन पाई। डेढ़ साल पहले ही सेना के अधिकारी ने कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड तीरंदाजी अकादमी के कोच कुलदीप वेदवान को शीतल के बारे में बताया। बस यहीं से शीतल की जिंदगी पलट गई। उनके लिए विशेष धनुष तैयार कराया गया, जिसे हाथ से नहीं बल्कि पैर और छाती से चलाया जाता है। छह माह के अंदर शीतल ने इसमें महारत हासिल कर ली और पिल्सन (चेक गणराज्य) में खेली जा रही विश्व पैरा तीरंदाजी के फाइनल में पहुचनें वाली वह दुनिया की पहली बिना हाथों की महिला तीरंदाज बन गईं।

दुनिया की पहली बिना हाथ की महिला तीरंदाज बनीं – शीतल यही कहती हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह तीरंदाज बनेंगी। यह उन्हें अभी भी सपना लगता है। डेढ़ वर्ष पूर्व जब शीतल ने तीरंदाजी शुरू की थी तब वह दुनिया की पहली बिना हाथों की महिला तीरंदाज बनी थीं, लेकिन अब पूरी दुनिया में कुल छह बिना हाथ के तीरंदाज आ चुके हैं। पिल्सन में शीतल के साथ मौजूद श्राइन बोर्ड अकादमी में कोच अभिलाषा बताती हैं कि उन्हें तीरंदाजी शुरू कराना चुनौतीपूर्ण काम था। शीतल जब यहां आईं तो उन्होंने अकादमी में दूसरे पैरा तीरंदाजों को तीरंदाजी करते देखा तो वह यह खेल अपनाने को तैयार हो गईं। उनके लिए अकादमी में एक विशेष धनुष तैयार कराया गया। छह माह के अंदर ही वह निपुण तीरंदाज बन गईं। यहां तक वह पैरा के अलावा आम तीरंदाजों के साथ खेलने लगीं।

पेरिस पैरालंपिक का हासिल किया टिकट – अभिलाषा के मुताबिक दो माह पहले ही चेक रिपब्लिक में उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पैरा टूर्नामेंट खेला, जिसमें उन्होंने दो रजत और कांस्य जीते, लेकिन पेरिस पैरालंपिक की क्वालिफाइंग विश्व चैंपियनशिप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने बुधवार को 720 में से 689 का स्कोर कर कंपाउंड तीरंदाजी के फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका अपने ही देश की 697 के स्कोर के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली सरिता से शनिवार को फाइनल होगा। दोनों तीरंदाजों ने पेरिस पैरालंपिक का टिकट भी हासिल कर लिया है। अगर वह फाइनल जीत जाती हैं तो वह खिताब जीतने वाली दुनिया की बिना हाथों की पहली महिला तीरंदाज बन जाएंगी। शीतल बेहद गरीब परिवार से हैं। उनके पिता किसान और मां बकरियों को संभालती हैं।

पहले बिना हाथों के तीरंदाज मैट के वीडियो दिखाए – अभिलाषा के मुताबिक शीतल को तीरंदाजी सिखाना आसान नहीं था। उन्हें कैसे तीर चलाना यह बताना मुश्किल था। इसके लिए कुलदीप और उन्होंने दुनिया के पहले बिना हाथों के तीरंदाज अमेरिका के मैट स्टुट्जमैन के वीडियो शीतल को दिखाना शुरू किए। इससे काफी मदद मिली। मैट भी यहां खेलने आए हैं। वह शीतल से मिलने आए थे और उन्होंने शीतल का धनुष भी देखा। उन्होंने इसमें कुछ परिवर्तन करने की सलाह दी है। पैरालंपिक में पदक जीत चुके मैट ने यहां 685 का स्कोर किया, जबकि शीतल ने 689 का। शीतल को शुक्रवार को टीम इवेंट का मुकाबला भी खेलना था, लेकिन गुरुवार को उनकी काफी तबियत खराब हो गई। अभिलाषा के मुताबिक उन्हें यहां के अस्पताल में दाखिल कराना पड़ा। वह रात दो बजे अस्पताल से आई हैं।

न्यूज ब्रीफ

शिलांग में डूरंड कप ट्रॉफियों का अनावरण, खेल प्रेमियों का दिल धड़काने को तैयार

नई दिल्ली। 132वां डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट तीन अगस्त से तीन सितंबर तक खेल प्रेमियों की धड़कनें बढ़ाने के लिए तैयार है। शुक्रवार को मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने राज्य कन्वेंशन सेंटर शिलांग में तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों का भव्य अनावरण किया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने गुवाहाटी में बताया कि इस अवसर पर 101 एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संजय मलिक ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र की खेल संस्कृति की सराहना की। इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इस साल का टूर्नामेंट मेघालय के लिए अग्रणी है। उन्होंने बताया कि शिलांग लाजोंग फुटबॉल क्लब पहली बार डूरंड कप में भाग लेगा। इसके साथ ही ट्रॉफियों का अनावरण भी पहली बार शिलांग में किया गया है। उन्होंने बताय कि तीन ट्रॉफियां यानी डूरंड कप ट्रॉफी और शिमला ट्रॉफी (दोनों रोलिंग ट्रॉफियां) और प्रेसिडेंट्स कप (स्थायी रूप से रखने के लिए) को शहर के एक भव्य दौरे पर ले जाया गया। इस दौरान जगह-जगह तालियों की गड़गड़ाहट के साथ शिलांग के लोगों ने जोश के साथ इसका स्वागत किया। आकर्षक सार्वजनिक प्रदर्शन का समापन स्थानीय बैंड और सेना के जैज बैंड द्वारा संगीतमय प्रदर्शन के साथ खिंडैलाड में एक भव्य उत्सव के साथ हुआ। शिलांग लाजोंग फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों की उपस्थिति दर्शकों के लिए यादगार रही और जनता के भारी समर्थन ने खिलाड़ियों को काफी उत्साहित किया। शिलांग लाजोंग अपना पहला मैच चार अगस्त की शाम को गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ खेलेगा। रावत ने बताया कि तीन डूरंड ट्रॉफियों के 15 शहरों के दौरे को 30 जून को दिल्ली से जनरल मनोज पांडे और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीके चौधरी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाई गई थी। कार्यक्रम में एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे भी मौजूद थे।

ऋषभ पंत ने बैटिंग-विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस शुरू कीः बुमराह और कृष्णा फिट होने के करीब; राहुल और अय्यर भी नेट्स पर लौटे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को विकेटकीपर ऋषभ पंत, तेज गेंदबाज जसप्रीत

बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और बल्लेबाज केएल राहुल और श्रेयस अय्यर का फिटनेस अपडेट जारी किया। अपडेट में बताया गया है कि पंत तेजी से रिकवर हो रहे हैं और नेट्स पर बल्लेबाजी के साथ-साथ कीपिंग की प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। पंत इस समय एक्सपर्ट्स के डिजाइन किए गए एक फिटनेस प्रोग्राम का पालन कर रहे हैं। इसमें स्ट्रेंथ, फ्लेक्सिबिलिटी और रनिंग शामिल है। पिछले साल 30 दिसंबर को पंत का एक्सीडेंट हो गया था। वे अपनी कार से उत्तराखंड के रुड़की शहर जा रहे थे, जहां उनका परिवार रहता है, लेकिन रुड़की से पहले ही रास्ते में उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। बुमराह और कृष्णा दोनों तेज गेंदबाज अपने रिहैब के अंतिम स्टेज में हैं और नेट्स में पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। ये दोनों गेंदबाज अब कुछ प्रैक्टिस मैच खेलेंगे, जिसका आयोजन एनसीए करेगा। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी रिकवरी से खुश है और प्रैक्टिस मैच के बाद उनका आकलन करने के बाद अंतिम निर्णय लेगी। बुमराह पिछले साल सितंबर से पीठ की चोट के कारण बाहर हैं। उन्होंने इसी साल मार्च में न्यूजीलैंड जाकर सर्जरी भी कराई थी। इस कारण ही वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023, आईपीएल 2023 और टी-20 वर्ल्ड कप 2022 का भी हिस्सा नहीं बन सके।

कोरिया ओपन बैडमिंटन...सात्विक-चिराग की जोड़ी फाइनल मेंः डिफेंडिंग चैंपियन को सीधे गेमों में हराया; वर्ल्ड नंबर-2 चाइनीज जोड़ी के खिलाफ पहली जीत

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने कोरिया ओपन

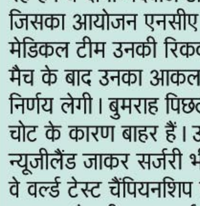

सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वर्ल्ड नंबर-3 भारतीय जोड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन चाइनीज जोड़ी वेइ केंग लिआंग-चंग वांग को सीधे गेमों में हराया। भारतीय जोड़ी ने दूसरी सीड चाइनीज जोड़ी को 21-15, 24-22 से हराया। अब तक खेले गए तीन मैचों में यह पहला मौा है जब सात्विक-चिराग की जोड़ी ने वे केंग और वांग चांग की जोड़ी को हराया है। भारतीय जोड़ी ने इस साल अपने तीसरे वर्ल्ड टूर के फाइनल में जगह बनाई है।

कोहली 500वें इंटरनेशनल मैच में शतक लगाने वाले पहले बैटर

सबसे तेज 76 शतक लगाए, तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट का दूसरा दिन विराट कोहली के रिकॉर्ड्स के नाम रहा। कोहली ने ऑल टाइम ग्रेट बैटर सर डॉनाल्ड ब्रैडमैन के टेस्ट शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की। वह 500वें इंटरनेशनल मैच में शतक लगाने वाले पहले बैटर बने और सबसे तेज 76 इंटरनेशनल शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। पोर्ट ऑफ स्पेन में जारी मुकाबले में कोहली ने 121 रन की पारी खेली। उनकी पारी के दम पर टीम इंडिया ने 400 रन का आंकड़ा पार किया और वेस्टइंडीज पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

1. 500वें इंटरनेशनल मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर

कोहली करियर के 500वें मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बने हैं। उन्होंने 121 रन की पारी खेली। इतना ही नहीं, कोहली 500वें मैच में शतक जमाने वाले पहले खिलाड़ी बने। उनसे पहले अब तक कोई खिलाड़ी अपने 500वें मैच में अर्धशतक भी नहीं लगा सका था। कोहली के बाद कुमार संगाकारा ने 500वें मैच में 48 रन बनाए थे। श्रीलंकाई बल्लेबाज ने मार्च 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में यह पारी खेली थी।

2. 500 मैच में सबसे ज्यादा सेंचुरी, सचिन को पीछे छोड़ा

कोहली 500 इंटरनेशनल मैच में सबसे ज्यादा सेंचुरी जमाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने दिग्गज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली के 76 शतक हो गए, जबकि सचिन तेंदुलकर ने 500 मैच तक 75 शतक लगाए थे। इंटरनेशनल क्रिकेट में विराट से ज्यादा शतक सिर्फ सचिन तेंदुलकर (100 शतक) ने ही लगाए हैं। इसके लिए उन्होंने 664 इंटरनेशनल मैच खेले।

3. वेस्टइंडीज के खिलाफ 12वां इंटरनेशनल शतक लगाया, कैलिस की बराबरी की

वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक जमाने के मामले में भी विराट कोहली ने रिकॉर्ड बनाया। विराट ने विंडीज के खिलाफ 12वां इंटरनेशनल शतक लगाया और साउथ अफ्रीका के लीजेंडरी ऑलराउंडर जैक कैलिस की बराबरी की। इंटरनेशनल क्रिकेट में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक जमाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 शतक लगाए हैं।

4. कोहली का 29वां टेस्ट शतक, ब्रैडमैन की बराबरी की

कोहली ने टेस्ट शतकों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन की बराबरी कर ली है। उन्होंने 29वां शतक लगाया। ब्रैडमैन ने 52 टेस्ट में 29 शतक लगाए थे। सबसे ज्यादा टेस्ट शतक के मामले में विराट 16वें नंबर और भारतीय बैटर्स में चौथे नंबर पर हैं। भारतीयों में विराट से ज्यादा टेस्ट शतक सचिन (51 शतक), राहुल द्रविड़ (36 शतक) और सुनील गावसकर (34 शतक) ने ही लगाए हैं।

500वें मुकाबले में विराट कोहली के शतक के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मजबूत शुरुआत की है। टीम दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद 352 रन आगे है। त्रिनिदाद के पोर्ट ऑफ स्पेन में शुक्रवार रात को वेस्टइंडीज ने एक विकेट पर 86 रन बना लिए। कप्तान कैग ब्रेथवेट 37 और कर्क मैकेंजी 14 रन पर नाबाद लौटे, जबकि तेगनारायण चंद्रपॉल 33 रन बनाए।

भारत-पाक मैच के लिए हॉस्पिटल रूम बुक कर रहे लोग

अहमदाबाद में होटल का किराया 70 हजार तक पहुंचा; 15 अक्टूबर को मुकाबला

अहमदाबाद।

भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट वर्ल्ड कप का महामुकाबला होगा। जैसे-जैसे महामुकाबले की घड़ी नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे शहर में होटलों का किराया आसमान छू रहा है। एक दिन के लिए होटल का कमरा 50 हजार से 70 हजार रुपए तक में मिलने लगा है। रिकॉर्ड किराये को देखते हुए देश-विदेश से आने वाले लोगों ने अनोखा जुगाड़ निकाला है। वे महंगे होटलों की जगह अस्पतालों में कमरे बुक कर रहे हैं। क्योंकि, यहां किफायती दाम में उन्हें कमरे के साथ खाना भी मिल रहा है।

अहमदाबाद के ही एक हॉस्पिटल के डॉ. पारस शाह बताते हैं कि लोग हॉस्पिटल में फुल बॉडी चेकअप के बहाने एक या दो रात के लिए कमरे बुक कर रहे हैं। शाह ने कहा- 'ज्यादातर एनआरआई मुंहमांगे दाम पर डीलक्स से लेकर सुइट रूम बुक कर रहे हैं।' रिपोर्ट बताती हैं कि अहमदाबाद में होटल का किराया 20 गुना तक बढ़ गया है। ज्यादातर होटलों में 15 अक्टूबर के लिए कमरा खाली नहीं है। अहमदाबाद के एक अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. निखिल लाला ने कहा- 'हमारे यहां बॉडी चेकअप, नाइट स्टे के लिए कुछ पैकेज हैं। मैच की तारीख घोषित होने के बाद 14 और 15 अक्टूबर को एडवांस बुकिंग के लिए कनाडा और दिल्ली से इंक्वायरी आई है। कुछ लोग तो यह भी पूछ रहे हैं कि आपके अस्पताल से क्रिकेट स्टेडियम कितनी दूर है वहीं, एक अन्य अस्पताल के सीईओ नीरज लाल ने कहा- 'इस साल अक्टूबर के दूसरे और तीसरे सप्ताह में बॉडी चेकअप की बुकिंग के लिए केन्या तक से पूछताछ आ रही है।' बता दें कि वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबला भी 19 नवंबर को अहमदाबाद में होगा।

स्पेन को आठ साल बाद कोस्टा रिका पर मिली जीत, स्विट्जरलैंड ने फिलीपीन को दी शिकस्त

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)।

विश्व की छठे नंबर की टीम स्पेन ने शुक्रवार को महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप-सी के मुकाबले में कोस्टा रिका को 3-0 से शिकस्त दी। स्पेनिश टीम को पहले हाफ में छह मिनट के अंदर ही तीन गोल की बढ़त मिल गई थी। स्पेन को इस टूर्नामेंट में विश्व की 36वें नंबर की टीम कोस्टा रिका पर आठ साल बाद जीत मिली है। इससे पहले दोनों टीमें महिला विश्व कप 2015 में आमने-सामने हुई थी और तब वह मैच 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। कोस्टा रिका की गोलकीपर डेनिला सोलेरा ने पहले हाफ में एक पेनाल्टी को शानदार तरीके से बचाया, लेकिन स्पेनिश टीम को जीतने से नहीं रोक पाईं। कोस्टा रिका की वालेरिया डे कैंपो के 21वें मिनट में आत्मघाती गोल कर बैठीं जिससे स्पेन का मैच में खाता खुल गया। फिर ऐताना बोनमाटी ने 23वें और ईस्थर गोंजालेज ने 27वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया और यह बढ़त अंत तक बरकरार रखी। स्पेन की दो बार की बलोन डि ओर पुरस्कार विजेता एलेक्सिस पुतेलास 77वें मिनट में मैदान में उतरीं, लेकिन तब तक टीम की जीत पक्की हो गई थी।

गोलकीपर चियामाका की मदद से नाइजीरिया ने कनाडा को ड्रॉ पर रोका

ग्रुप-बी में ओलंपिक चैंपियन कनाडा को नाइजीरिया ने गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। नाइजीरिया की गोलकीपर चियामाका नाडोजी ने कई गोल बचाए, जिनमें क्रिस्टीन सिनक्लेयर की पेनाल्टी शामिल है। कनाडा के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरुष या महिला फुटबॉल में सर्वाधिक 190 गोल कर चुकी 40 वर्ष की सिनक्लेयर ने नौवें मिनट में भी गोल करने का मौका गंवाया जब उनका शॉट बॉक्स से टकरा गया। चियामाका को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया जो फ्रांस में पेरिस फुटबॉल क्लब के लिए खेलती हैं।

स्विट्जरलैंड ने फिलीपीन को दी शिकस्त

पहली बार महिला विश्व कप में खेल रही फिलीपीन की टीम को स्विट्जरलैंड से ग्रुप-ए के मुकाबले में 0-2 से शिकस्त मिली। स्विट्जरलैंड के लिए रमोना बाकमैन (45वां मिनट) ने पहले हाफ में पेनाल्टी पर गोल करके टीम का खाता खोला, जबकि सेराइना पीयूबेल (64वां मिनट) ने दूसरे हाफ में टीम की बढ़त को बढ़ा दिया। इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं। डुनेडिन के फोरसिथ बार स्टेडियम में यह पहला मैच था जो टूर्नामेंट का एकमात्र इंडोर स्टेडियम है।

पुनेरी पलटन ने दबंग दिल्ली को 8-7 से हराया; मानुष, अर्चना ने दिलाई रोमांचक जीत

पुणे।

अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन में पुनेरी पलटन के लिए युवा भारतीय सितारे मानुष शाह और अर्चना कामथ ने शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों के कमाल के चलते पुणे की टीम ने दबंग दिल्ली पर 8-7 के अंतर से रोमांचक जीत दिलाई। मानुष ने मैच की शुरुआत से ही जॉन परसन के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और इसे 2-1 से जीतकर अपनी फ्रेंचाइजी को ड्राइविंग सीट पर बैठा दिया। वडोदरा के इस युवा खिलाड़ी ने गेम प्वाइंट के जरिए पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में, परसन ने प्रभावी ढंग से अपनी स्पिन सर्विस को सबके सामने रखा। इससे मानुष के लिए बड़ी परेशानी हुई। उन्हें परसन के शॉट्स रिटर्न करने और अंक हासिल करने में कठिनाई हो रही थी। परसन ने दूसरा गेम 11-8 से जीता। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त हासिल करने के लिए तेज मूवमेंट्स दिखाए और तीसरा गेम 11-4 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। अर्चना ने भी अपना बेहतरीन खेल दिखाया और अपनी हमवतन श्रीजा अकुला के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की।

बेंगलुरु की इस पैडलर ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पहला गेम 11-4 के अंतर से अपने नाम किया लेकिन दूसरा गेम 7-11 के अंतर से हार गई। तीसरे गेम में दोनों होनहार पैडलर्स के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली और अंत में, पुनेरी पलटन की खिलाड़ी ने इसे 11-6 से अपने नाम कर अपनी फ्रेंचाइजी के लिए टाई जीत ली। इससे पहले, दबंग दिल्ली टीटीसी के लिए खेलते हुए, साथियान गनासेकरन ने अपने तेज मूवमेंट्स से पहला गेम अपने नाम किया, लेकिन पूर्व आईटीटीएफ अफ्रीकी-कप चैंपियन उमर अस्सर के खिलाफ 1-2 से मैच हार गए। वर्ल्ड नंबर 58 किरिल गेरासिमेंको को हराने वाले साथियान ने मिस्र के शीर्ष पैडलर अस्सर के खिलाफ पहले गेम में काफी सकारात्मक प्रदर्शन किया। उन्होंने आक्रामक मोड में अपने फोरहैंड का कमाल दिखाते हुए उमर के मजबूत शॉट्स को रिटर्न करने में शानदार सटीकता दिखाई और शुरुआती गेम 11-6 से जीत लिया। दूसरा गेम भी संघर्षपूर्ण रहा। भारतीय खिलाड़ी ने उमर को परेशानी में डालने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया और फोरहैंड तथा बैकहैंड शॉट्स के अच्छे उपयोग से अस्सर को हर अंक के लिए पसीना बहाना पड़ा। उमर अस्सर ने हालांकि अंत में चेन्नई के इस खिलाड़ी पर 11-8 से जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने तीसरे गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और निर्णायक गेम में 11-4 के स्कोर के साथ मैच समाप्त किया। इस दौरान अस्सर ने साथियान को कोई मौका नहीं दिया। दबंग दिल्ली की बारबोरा बालाजोवा ने पुनेरी पलटन की हाना माटेलोवा को 2-1 से हराकर अपनी टीम की वापसी कराई। स्लोवाकिया की इस पैडलर को पहले गेम में हाना की पेस से मुकाबला करने में कठिनाई हुई। इस कारण वह इसे 2-11 के भारी अंतर से हार गई थी। हालांकि, उन्होंने मैच में जोरदार वापसी की और अगले दो गेम गोल्डन पॉइंट के जरिए जीत लिए।

रेसलिंग ट्रायल्स...अंतिम पंघल तीसरे राउंड में हारीं

भतेरी ने 12-6 से हराया; मानसी ने सरिता मोर को 9-6 से मात दी

नई दिल्ली।

एशियन गेम्स के लिए रेसलिंग के ओपन ट्रायल्स शुरू हो चुके हैं। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में बने केडी जाधव रेसलिंग कॉम्प्लेक्स में विमेंस और मेंस रेसलर्स के ट्रायल्स जारी हैं। अंतिम पंघल को 53 किग्रा वेट कैटेगरी के तीसरे राउंड में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें भतेरी ने 12-6 से हराया। अंतिम को पहले राउंड में बाई मिला था। दूसरे राउंड में उन्होंने तमन्ना को 7-2- से हराया था।

विनेश और अंतिम 53 किग्रा कैटेगरी में

अंतिम पंघल और विनेश फोगाट 53 किग्रा वेट कैटेगरी में आती हैं। विनेश को एशियन गेंम्स में सीधे एंट्री मिली है, अंतिम इसी बात का विरोध करने के लिए कोर्ट पहुंच गईं। इस मामले की सुनवाई भी होगी।

मानसी ने उलटफेर किया

मानसी ने 57 किग्रा वेट कैटेगरी में सरिता मोर को 9-6 से हराया। पहले राउंड में सरिता मोर ने अंशु मलिक को 6-4 से हराया था। वहीं 62 किग्रा वेट कैटेगरी में सोनम मलिक अगले राउंड में पहुंच गई हैं।

अंशु ने 2021 की वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। इसी चैम्पियनशिप में सरिता ने 2022 में ब्रॉन्ज जीता था।

2 वर्ग के ट्रायल्स जारी

ग्रीको रोमन के छह वेट कैटेगरी और विमेंस के ट्रायल्स होंगे। वहीं, रविवार को मेंस फ्रीस्टाइल डिवीजन के ट्रायल्स होंगे। ट्रायल्स से पहले करीब ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल वर्ग के

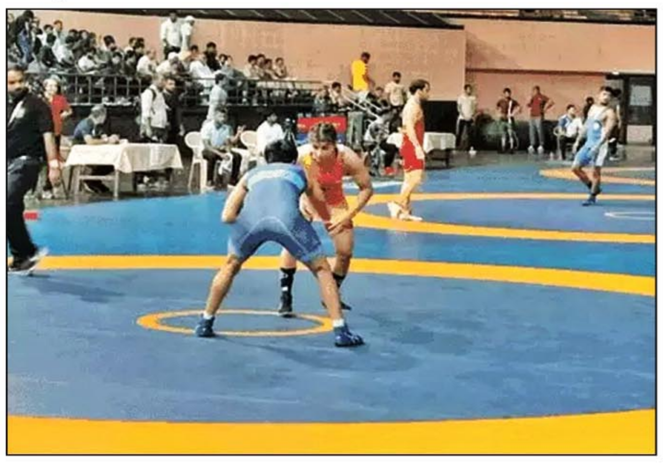

खिलाड़ियों का वजन किया गया। ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल वर्ग की 6 अलग-अलग वेट कैटेगरी के साथ विमेंस प्लेयर के ट्रायल्स होने हैं।

मीडिया कर्मियों को एंट्री मिली

ओपन ट्रायल्स बंद दरवाजों के पीछे हो रहे हैं। पहले यहां मीडिया को अंदर घुसने की परमिशन नहीं थी, लेकिन ट्रायल्स से ठीक पहले अंदर जाने की परमिशन दी गई। पहलवानों के साथ भी कोच और सपोर्ट स्टाफ के एक-एक मेंबर के ही जाने की परमिशन थी, लेकिन अब पेरेंट्स को भी अंदर घुसने की परमिशन दी गई है। एड हॉक कमेटी के मेंबर ज्ञान सिंह ने कहा कि क्षेत्र के डीसीपी को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि कोई भी हॉल में प्रवेश न करे। ट्रायल के दौरान हर पहलवान के साथ उसका कोच और एक सपोर्ट स्टाफ (मसाजर) ही साथ जा सकेगा।

बजरंग-विनेश के चयन पर भड़के पेरेंट्स

बजरंग पूनिया और विनेश फोगट को बिना ट्रायल के एशियाड में डायरेक्ट एंट्री मिलने पर बाकी पहलवानों के पेरेंट्स शुक्रवार को स्टेडियम पहुंचे और विरोध जताया।

अंडर-20 चैंपियन अंतिम पंघल और विकास कालीरमन के पेरेंट्स की एडहॉक कमेटी के साथ तीखी नोकझोंक हो गई। पेरेंट्स के आक्रोश के बाद बंद दरवाजों के पीछे ट्रायल्स कराने का फैसला लिया गया।

23 जुलाई तक करनी है स्क्वॉड की घोषणा

एशियन गेम्स में शामिल होने वाले भारतीय पहलवानों के नामों की घोषणा करने की आखिरी तारीख 23 जुलाई है। ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया तक अगर उस तारीख तक नाम नहीं भेजे गए, तो गेम्स में भारतीय कुश्ती दल का भाग लेना मुमकिन नहीं होगा।

ब्रेड और कॉर्न खाने वाले हो जाएं सावधान

सुबह के नाश्ते में अधिकतर लोग ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और कई तले-भुने पदार्थों का सेवन करते हैं लेकिन यही पदार्थ फेफड़ों के कैंसर का रोगी बना सकते हैं जिसका खुलासा एक नए शोध में हुआ है। व्हाइट ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और तले-भुने चावल जैसे ग्लाइसेमिक इंडेक्स युक्त भोजन और पेय पदार्थ फेफड़ों के कैंसर के विकास को बढ़ा सकते हैं।

ग्लाइसेमिक सूचकांक और ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) एक संख्या है जो एक विशेष प्रकार के भोजन से संबंधित है। यह व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज के स्तर पर भोजन के प्रभाव को संकेत करता है। गोरी त्वचा, हल्के रंग के बालों और नीली, हरे, रंग की आंखों वाले लोगों में यह एससीसी विकसित होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 1 हजार 905 रोगियों को शामिल किया था, जिन्हें हाल ही में फेफड़ों के कैंसर की शिकायत हुई थी। इसके साथ ही 2 हजार 413 स्वस्थ व्यक्तियों का भी सर्वेक्षण किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी पिछली आहार की आदतों और स्वास्थ्य इतिहास की जानकारी दी।

शोध के दौरान प्रतिदिन जीआई युक्त भोजन करने वालों में जीआई भोजन न करने वालों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर का 49 प्रतिशत जोखिम देखा गया। आश्चर्य तौर पर कार्बोहाइड्रेट की सीमा मापने वाले ग्लाइसेमिक लोड (जीएल) का फेफड़ों के कैंसर से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला। शोधार्थियों का कहना है कि तंबाकू और धूम्रपान का सेवन न करने वालों में भी फेफड़ों के कैंसर के लक्षण मिले हैं जिससे पता चलता है कि आहार के कारक भी फेफड़ों के कैंसर जोखिमों से संबंधत हो सकते हैं।

ज्यादा नारियल पानी से हो सकता है हार्ट अटैक

नारियल पानी पीने के यूं तो कई फायदे हैं। लेकिन गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए रोजाना दो गिलास से अधिक नारियल पानी लेना सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

पानी की कमी पूरी करने के लिए केवल नारियल पानी पर निर्भर रहना सही नहीं है। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर में जाकर इस तत्व को सामान्य से अधिक कर देता है। जिससे खासकर किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। पोटैशियम शरीर के लिए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट है। सामान्य रूप से व्यक्ति को रोजाना 4700 मिग्रा पोटैशियम की जरूरत होती है। 250 मिली. नारियल पानी में 600 मिग्रा. पोटैशियम होता है। यह शरीर की तंत्रिकाओं, मांसपेशियों और हृदय के सुचारू कार्य करने के लिए जरूरी है।

इन बातों का ध्यान रहे

कई बार हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और डायरिया के पेशेंट्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट और पानी की कमी को पूरा करने के लिए दिन में कई बार नारियल पानी का सहारा लेते हैं। लेकिन दिनभर में दो गिलास (500 एमएल) से अधिक यह पानी नहीं पीना चाहिए। हार्ट फेल्योर के बढ़ते चांस किडनी शरीर में मौजूद जरूरत से ज्यादा पोटैशियम को बाहर निकालती है। लेकिन इसके मरीजों में इसकी अधिक मात्रा बाहर नहीं निकल पाती और किडनी फैल्योर की आशंका बढ़ जाती है।

इसके अलावा पोटैशियम की अधिकता से हृदय की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं जिससे धड़कनें अनियमित हो जाती हैं जिससे हार्ट फेल्योर के चांस भी बढ़ते हैं। इतना है जरूरी शरीर में पानी की कमी को फल व सलाद से पूरी कर सकते हैं। ये विटामिन और मिनरल तत्व का अच्छा स्त्रोत होते हैं।

कच्चे पपीते की ड्रिंक दूर भगाए गठिया का दर्द

पैर की उंगलियों, घुटनों और एडी में गस के दर्द होता है तो समझिए कि खून में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ गई है। जब यूरिक एसिड क्रिस्टल के रूप में हमारे हाथ और पैरों के जोड़ों में जम जाता है तो उसे गाउट की बीमारी बोलते हैं। हांलाकि इस समस्या से बचने के लिए एक ड्रिंक जो कि कच्चे पपीते और पानी से तैयार की जाती है, जिसको दिनभर पीने से गाउट के दर्द में धीरे - धीरे आराम मिल जाता है।

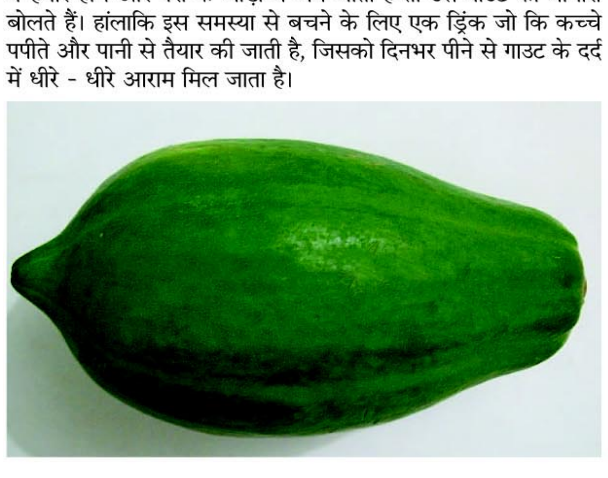

वायु प्रदूषण से बच्चों को एलर्जी का खतरा

बढ़ता प्रदूषण हर दिन जीवन लिए खतरा बनता जा रहा है। एक शोध में बताया गया है जीवन के पहले एक साल तक बाह्य वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भोजन, मिट्टी, पालतू जानवरों और कीटों से एलर्जी होने का खतरा ज्यादा होता है। शोध के परिणाम दर्शाते हैं कि शैशवावस्था के दौरान यातायात संबंधी वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे एलर्जी के कारकों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

ब्रोकली खाने से नहीं होगी ये बीमारी

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एक सप्ताह में तीन या चार बार ब्रॉकली खाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, अस्थमा और कई तरह के कैंसर के पनपने का खतरा कम हो सकता है। ऐसे जीन्स की पहचान की गई है, जो ब्रोकली में फीनोलिक यौगिकों के जमाव को नियंत्रित करते हैं। जिन लोगों के आहार में इन यौगिकों की एक तय मात्रा होगी, उन्हें इन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम होगा।

कैसे रहेगी ताजगी बरकरार

अक्सर हम सब्जियां खरीद कर उन्हें फ्रिज और किचन की टोकरी में रख देते हैं। कुछ चीजों की जगह तो जैसे फिक्स-सी हो गई है। आलू, प्याज जैसी सब्जियों के लिए किचन की टोकरी, तो नींबू, टमाटर और दूसरी सब्जियां फ्रिज की टोकरी में रख दी जाती हैं। यह सोचे बिना कि कौन-सी सब्जी कहां स्टोर करनी चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर सब्जियों को देखकर उन्हें सही जगह स्टोर किया जाए, तो वह लंबे समय ताज़ा बनी रहती हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ जरूरी बातें, जो आपकी सब्जियों को बनाए रखेंगी कई दिनों तक फ्रेश।

प्याज

अक्सर लोग प्याज लाने के बाद उसे पॉलीथीन में ही रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी उसकी लाइफ को कम कर देती है। प्याज को अंधेरी, सूखी और ठंडी जगह पर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक ठीक रहती हैं, लेकिन ज़्यादा ठंडी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इन्हें अखबार में या फिर कागज के बैग में छोटे-छोटे छेद करके लपेट देना चाहिए। दूसरी बात जो ध्यान रखनी चाहिए, आलू और प्याज को कभी भी एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए क्योंकि आलू में से जो गैस निकलती है वह प्याज को खराब कर सकता है।

नींबू

अक्सर सभी घरों में नींबू काफी तेजी से इस्तेमाल और पसंद किए जाते हैं। अक्सर लोगों को सवाल होता है कि इन्हें लंबे समय तक जूसी और ताज़ा कैसे रखा जा सकता है? तो आपको बता दें कि नींबू को सिर्फ रेफ्रिजरेटर में ऐसे ही न रखें। इन्हें ज़िप लॉक में रखकर टाइट बंद कर दें। इन्हें काउंटर पर खुला छोड़ने से परहेज करें। ऐसा करने से नींबू का रस सूख जाता है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि नींबूओं की नमी बरकरार रखने के लिए इन्हें पानी में डालकर छोड़ दें।

केला

केलों को सड़ने से बचाने का सबसे आसान तरीका है, उसके क्राउन (केले का ऊपरी भाग, जहां उसकी जड़े मिलती हैं) को प्लास्टिक से लपेट कर रख दें। केले में से इथाइलीन नामक गैस निकलती है, जो कि फलों को पकाती है। इसकी जड़ को प्लास्टिक बैग से लपेटकर, उसमें पैदा होने वाली गैस को बचे हुए भाग तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। इसकी ज्यादातर गैस जड़ों के माध्यम से ही निकलती है। आप सही केलों को गुच्छे से अलग करके पके हुए केलों को अलग कर सकते हैं क्योंकि पके हुए केले ज़्यादा गैस रिलीज़ करते हैं। इसके अलावा, जड़ों को एक साथ अलग न करें, इससे भी केले जल्दी ब्राउन होते हैं।

टमाटर

टमाटर को स्टोर करने से पहले हमें इस बात को जान लेना चाहिए कि उन्हें ठंडी जगह पर रखना चाहिए या नहीं। हम में से बहुत से लोग सोचते हैं कि फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उन्हें रेफ्रिजरेटर में रख देना, लेकिन यह फॉर्मुला हर बार काम नहीं करता। बिना पके टमाटरों को कमरे के तापमान पर ही रखा जाना चाहिए, ताकि वह ज्यादा जूसी और टेस्टी बन जाएं। ज़्यादा तापमान में वह अपना फ्लेवर खो देते हैं। सिर्फ पूरे पके हुए टमाटरों को ही प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रखा जा सकता है लेकिन ध्यान रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के आधे घंटे पहले ही उन्हें फ्रिज से निकाल कर कमरे के तापमान पर ले आएं।

आलू

लगभग हर घर की किचन में दिखने वाला आलू, काफी बहुमुखी होता है। लेकिन जब हम इन्हें अंकुरित देखते हैं, तो बहुत बुरा लगता है। इन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती। बस, इन्हें जाली वाले बैग में रख दें। अगर आप इन्हें ठंडी जगह पर स्टोर कर देंगे, तो इनमें उपस्थित स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे आपके खाने का स्वाद खराब हो जाता है। इन्हें रोशनी में बाहर निकाल कर ही रखें और आलूओं को कभी भी धोकर स्टोर न करें क्योंकि नमी से आलू खराब हो जाते हैं।

मसाले

जीरा, धनिया, गरम मसाला, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी- ये कुछ ऐसे मसाले हैं, जिन्हें किचन में रखने के बाद देखने की जरूरत पड़ती है। अक्सर, हम इन्हें महत्वपूर्ण नहीं समझते और किचन के कैबिनेट में रखकर भूल जाते हैं। उन मसालों को इस्तेमाल करने से बचें, जिनकी टेस्ट और खुशबू खत्म हो चुकी हो। रोशनी, हवा, गर्मी और नमी मसालों के दुश्मन हैं। आप इन्हें टिन के जार में स्टोर कर सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि डिब्बे टाइट बंद हो और उन्हें गैस से दूर रखें।

पनीर

पनीर अक्सर सभी लोगों का फेवरिट होता है इसे प्लास्टिक बैग में लपेट के इसके टेस्ट को खराब नहीं करना चाहिए। इसे स्टोर करते समय ध्यान रखना चाहिए कि यह आसानी से सांस ले सके और सूखे नहीं। इन्हें स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है पार्चमंट पेपर। यही नहीं, आप इन्हें सुरक्षित रखने के लिए टेप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे न ज़्यादा टाइट बंद करना है और न ही ज़्यादा ढीला। प्लास्टिक के अलावा, आप इसे एल्यूमीनियम फॉइल पेपर में लपेट सकते हैं। लंबे समय तक ताज़गी बनाए रखने के लिए जब भी आप इसे खोलें, तो कोशिश करें फिर से नए फॉइल में ही लपेटें। इसके साथ ही, अगर आप फ्रिज में पनीर रख रहे हैं, तो ध्यान रहे कि पनीर फ्रिज के नीचे वाले भाग में ही रखें। साथ ही, पनीर को फ्रिजर में रखने से उसकी नरमी खत्म हो जाती है। पनीर के कटे हुए किनारों को टूटने से बचाने के लिए उसके किनारों पर जैतून का तेल और कनोला तेल लगाया जा सकता है।

साइड इफेक्ट से बचाता है आड़ू

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम करने के साथ कीमोथैरेपी के साइड इफेक्ट से भी बचाता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह फायदेमंद है।

न्यूट्रीशन इंडेक्स

175 ग्राम आड़ू लगभग 68 कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें 10 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 6 फीसदी फाइबर होता है। साथ ही इसमें 11 फीसदी विटामिन-ए और 19 फीसदी विटामिन-सी होता है। आड़ू में बहुत कम फैट (1 प्रतिशत) होता है इसलिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह अच्छा होता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम व आयरन तत्व होते हैं।

कितनी मात्रा जरूरी

प्रतिदिन 2-3 आड़ू खाए जा सकते हैं।

ध्यान रखें...

इसे दूसरे फलों के साथ मिलाकर न खाएं। भोजन के तुरंत बाद खाने की बजाए इसे आधे घंटे बाद खाएं।

इनके लिए मनाही

जिन्हें एलर्जी और शरीर में सूजन की समस्या हो वे इसे खाने से पहले डॉक्टरी सलाह लें।

किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज़्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताज़ा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, ज़ुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

रेसिपी

चोको चिप केक

सामग्री

वनीला एसन्स 1 टेबल स्पून, दूध 2/3 कप, चीनी 1 कप, मैदा 1 + 1/4 कप, अंडे 3, बेकिंग सोडा 1 + 1/4 टेबल स्पून, मक्खन 150 ग्राम, चोको चिप 1 कप।

विधि

चीनी और मक्खन को किसी बड़े बाउल में निकालकर अच्छी तरह से तब तक फेंटे जब तक मक्खन चीनी के साथ अच्छे से मिल नहीं जाता (फेंटने के लिए आप मिक्सर का उपयोग कर सकते है)। अंडों को फोड़कर मिक्सर में 1 मिनट तक फेंटना है। अंडे दुगने लगने लगेंगे। एक छलनी मे मैदा और बेकिंग सोडा डाल कर छान लीजिये, ताकि इसमें हवा भर जाए। अंडों को चीनी वाले घोल के साथ अच्छे से फेट लीजिए। इसके बाद वनीला एसेंस चीनी वाले घोल में डाल दे। उसके बाद दूध डाल दीजिये और अच्छी तरह फेट लीजिए। इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से फिर से फेट लीजिए। केक को बर्तन में डालने से पहले उस बर्तन में चारों तरफ तेल या घी लगा ले, उपर से एक छोटी चम्मच मैदा चारो तरफ डाल दीजिये। फिर मैदा के घोल को केक बनाने वाले बर्तन मे डाल दीजिए और उपर से चोको चिप डाल दीजिए। ध्यान रहे इसे चम्मच से दबाना नहीं है बर्तन को हिला-हिला कर केक के पेस्ट को एक समान कर लीजिए। माइक्रोवेव में 20 मिनट टाइम सेट कर दीजिए या ओवन मे 180 डिग्री पर प्री हीट कर लीजिए और 20 से 25 मिनट पर पकने दीजिए। केक मे चाकू डाल कर देख लीजिए केक चाकू से चिपक तो नहीं रहा। केक बनकर तैयार है।

बसंती हलवा

सामग्री

2 कप कसा हुआ कद्दू, 1 कप दूध, 200 ग्राम खोया, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप मेवा (बादाम, किशमिश, काजू), 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर, 1 चुटकी केसर, 1 टे.स्पून देसी घी।

सजाने के लिए: चांदी का वर्क, 1/2 कप सूखा नारियल (कसा हुआ)।

विधि

कद्दू को छीलकर धो लें और कद्दूकस करके पानी डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर हाथों से निचोड़कर सारा पानी निकाल दें। कड़ाही में घी डालकर उसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर भून लें। दूध में खोया और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कड़ाही में डाल दें। जब दूध हलवे में अच्छी तरह मिल जाए, तब उसमें चीनी, इलायची पाउडर और मेवे डालकर 15 मिनट तक चलाये, गर्मागर्म बसंती हलवा चांदी के वर्क और सूखे नारियल से सजाकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**